झांसी ■ रविवार 17 मई 2026 ■ वर्ष-19 ■ अंक-307 ■ पृष्ठ-12 ■ मूल्य-₹04

दैनिक सत्ता सुधार

जनता के साथ जनता की आवाज

सुविचार

आज का अवसर ही सर्वोत्तम है। बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे सोचो विचारों पर किसी का अधिकार नहीं है।
- धीरूभाई अंबानी

ब्रीफ न्यूज

मालदीव में इटली के 5 गोताखोरों की मौत

नई दिल्ली। मालदीव के वावू एटोल में समुद्र के नीचे मौजूद गुफाओं की खोज के दौरान इटली के पांच गोताखोरों की मौत हो गई। इसे मालदीव के इतिहास का सबसे बड़ा डाइविंग हादसा बताया है। सभी गोताखोर 50 मी. गहराई में मौजूद अंडरवॉटर गुफाओं की जांच के लिए गए थे।

ट्रॉफी चोर नकवी को न्योता अब बैठक में होंगे शामिल

नई दिल्ली। इस महीने अहमदाबाद में होने वाली आईसीसी की अहम बैठकों और आईपीएल फाइनल के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी को न्योता भेजा गया है। नकवी के भारत आने की संभावना पर चर्चा तेज हो गई है।

तमिलनाडुः विजय ने अपने पास रखा गृह मंत्रालय

चेन्नई। सीएम सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया गया है। विजय ने गृह, पुलिस, लोक प्रशासन, जीएडी, महिला एवं युवा कल्याण, बाल कल्याण, वृद्ध एवं दिव्यांग कल्याण, नगरीय प्रशासन और शहरी जल आपूर्ति जैसे विभाग अपने पास रखे हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हादसा, पांच की मौत

आजमगढ़। यूपी के आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर कार खड़े ट्रेलर में जा घुसी। कार की स्पीड 135 किमी प्रति घंटा थी। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। सभी शव पीएम के लिए भेज दिए गए हैं।

इंजीनियर के घर 48 लाख कैश, 60 लाख का मिला सोना

पटना। आर्थिक अपराध इकाई ने ग्रामीण कार्य विभाग के इंजीनियर गोपाल कुमार के चार ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। पटना और जमुई से 48 लाख कैश, 60 लाख से अधिक के सोने के गहने, करोड़ों की जमीन और फ्लैट से जुड़े कागजात, महंगी गाड़ियां और कई निवेश के दस्तावेज मिले हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने जबलपुर में कहा- न्यायपालिका को आम जन की पीड़ा और अपेक्षाओं को समझना होगा

न्यायपालिका को अस्पतालों की तर्ज पर 24 घंटे करना होगा काम

- न्यायिक समय की बर्बादी का एकमात्र प्रभावी समाधान तकनीक ...
- महामारी के बीच न्यायपालिका ने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन किया

सीएम मोहन ने कहा- न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से मिलेगा त्वरित न्याय, केंद्रीय मंत्री बोले- ईज ऑफ जस्टिस की ओर तेजी से बढ़ रहा मप्र

- फाउंटेन पेन से लिखा गया हमारा संविधान अब एआई के दौर में पहुंच चुका
- हाईकोर्ट का डिजिटल प्लेटफॉर्म नागरिकों के जीवन को आसान बनाएगा
- एमपी ने उच्च न्यायालयों को न्याय प्रक्रिया के इंटीग्रेशन की दिशा दिखाई
- भारतीय जीवन पद्धति से प्राप्त न्याय के मूल्य हमारे जीवन में रचे-बसे हैं

सत्ता सुधार ■ जबलपुर

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने जबलपुर में शनिवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा आयोजित फ्रैगमेंटेशन टू फ्यूजन, एम्पावरिंग जस्टिस वाया यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म इंटीग्रेशन समारोह को संबोधित किया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब न्यायपालिका को आम आदमी की पीड़ा, अपेक्षाओं और जरूरतों को तत्काल राहत देने वाली व्यवस्था के जरिए संबोधित करना चाहिए। न्यायिक व्यवस्था को 24 घंटे काम करने वाले अस्पतालों की तरह कार्य करना चाहिए। सीजेआई ने कहा-न्यायपालिका के समय की बर्बादी रोकने का सबसे प्रभावी समाधान तकनीक है। उन्होंने न्याय वितरण प्रणाली को तेज और प्रभावी बनाने के लिए तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित न्यायिक ढांचे को और मजबूत करने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने हाईकोर्ट के नए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा, भारतीय न्यायपालिका न केवल 1990 से न्यायिक व्यवस्था का हिस्सा रही तकनीकी प्रगति का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि नवीनतम एआई तकनीकों का भी लाभ आम आदमी तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी व्यवस्थाओं को पूरे देश में लागू किए जाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने एआई के न्यायिक व्यवस्था में उपयोग को लेकर एक समिति भी गठित की है, जो विशेष रूप से मामलों के त्वरित निपटारे में एआई की भूमिका पर काम कर रही है।

यह रहे मौजूद

नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इन्फर्मेशन सेंटर में आयोजित सेमीनार में सुप्रीम कोर्ट के 9 जज, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद थे।

तकनीकी प्रगति के उपयोग पर बल

कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए सीजेआई ने कहा-कठिन परिस्थितियों में भी भारतीय न्यायपालिका ने अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन किया और इसकी वैश्विक स्तर पर सराहना हुई। उन्होंने कहा, हमने अपने न्यायालय बंद नहीं किए थे। उन्होंने बताया कि महामारी के दौरान तकनीक की मदद से अदालतों में जरूरी मामलों की सुनवाई जारी रखी गई। मुख्य न्यायाधीश ने न्याय वितरण प्रणाली को तेज करने के लिए तकनीकी प्रगति के अधिकतम उपयोग पर बल दिया।

उदाहरण के तौर पर एमपी का नाम लिया जाएगा

केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था में आज का दिन ऐतिहासिक है। मध्यप्रदेश सिंहासन बत्तीसी की धरती है, सम्राट विक्रमादित्य का सिंहासन धरती में दबकर भी न्याय करता था। मध्यप्रदेश ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ जस्टिस की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का यह डिजिटल नवाचार साधारण नहीं है। अब डिजिटल न्याय प्रणाली के उदाहरण के तौर पर मध्यप्रदेश का नाम लिया जाएगा। साथ ही, साइन लैंग्वेज के जरिए भी प्लेटफॉर्म विकसित करना एक अनोखी पहल है, जिससे सुनने और बोलने में असमर्थ लोगों को भी न्याय तक आसान पहुंच मिलेगी।

पारदर्शी न्याय बना नजीर

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा-देश के इतिहास में न्याय की प्रक्रिया सम्राट विक्रमादित्य और बेताल के प्रसंगों से जुड़ती है। सम्राट विक्रमादित्य का सुशासन और पारदर्शी न्याय व्यवस्था आज भी हमारे लिए नजीर है। भारतीय ज्ञान परंपरा की किवदंतियों के माध्यम से प्राचीन भारत के समृद्ध न्याय तंत्र पर प्रकाश डाला। विक्रमादित्य ने सदैव नागरिकों के लिए न्यायपूर्ण शासन का संचालन किया। भारतीय जीवन पद्धति से विरासत में मिले न्याय के यह मूल्य, हमारे रोजमर्रा के जीवन में रचे-बसे हैं। न्यायिक व्यवस्था में तकनीकी सुधार आम लोगों का भरोसा मजबूत करेंगे।

मैंने फर्जी डिग्री वालों को कहा था- कॉकरोच

सीजेआई की सफाई, कहा- युवाओं पर मुझे गर्व

इधर, सीजेआई ने कल युवा पीढ़ी को लेकर दिए गए अपने एक बयान पर मचे बवाल के बाद शनिवार को स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। बयान को गलत तरीके से पेश करने पर सीजेआई ने पीड़ा व्यक्त की है। उन्होंने कहा-मेरी टिप्पणी देश के युवाओं के खिलाफ नहीं, बल्कि फर्जी डिग्री के सहारे व्यवस्था में घुसने वाले परजीवियों के खिलाफ थी। मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी, जो फर्जी और जाली डिग्रियों के सहारे वकालत जैसे क्षेत्रों में घुस आए हैं। ऐसे ही कुछ लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित पेशों में भी घुसपैठ कर चुके हैं, इसीलिए वे परजीवी की तरह हैं।

भारत के सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने दी सख्त चेतावनी

पाकिस्तान ने नापाक हरकतें बंद नहीं की तो भूगोल से मिटा देंगे

- तय कर लो, दुनिया के नक्शे पर बने रहना है या बनना है इतिहास
- सेना प्रमुख ने दिल्ली में सेना संवाद समारोह के दौरान भरी हुंकार

नई दिल्ली। भारत के सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को सख्त सैन्य संदेश देते हुए शनिवार को चेतावनी दी है कि अगर उसने भारत के खिलाफ आतंकवादियों को पनाह देना और अपनी नापाक हरकतें जारी रखीं, तो उसे तय करना होगा कि वह

भूगोल का हिस्सा बने रहना चाहता है या इतिहास बनना चाहता है। यह बात दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित 'सेना संवाद' समारोह में उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी स्थिति दोबारा बनने के सवाल पर कही। दरअसल, सेना प्रमुख से पूछा गया कि अगर पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर को जन्म देने वाली परिस्थितियां फिर से उत्पन्न होती हैं तो भारतीय सेना कैसे प्रतिक्रिया देगी। सवाल का जवाब देते हुए आर्मी चीफ ने कहा-पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर जैसी स्थिति फिर बनी तो भारतीय सेना उसी तरह या उससे भी मजबूत जवाब देगी। उनका यह संदेश पाकिस्तान के लिए साफ चेतावनी है कि भारत आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारत पीछे नहीं हटेगा

द्विवेदी ने साफ कहा कि पाकिस्तान को फैसला करना होगा कि वह शांति और विकास का रास्ता चुनता है या आतंकवाद का समर्थन जारी रखता है। भारत हमेशा शांति चाहता है।

एनटीए की एक्सपर्ट ही निकली मास्टरमाइंड

नीट पेपर लीक केस में शिक्षिका गिरफ्तार

मनीषा ने छात्रों को लिखवाए थे सवाल

नई दिल्ली। सीबीआई ने नीट यूजी-2026 परीक्षा के बायोलॉजी के पेपर लीक होने के केस में एक और मुख्य आरोपी की पहचान की है। सीबीआई ने मूलतः महाराष्ट्र के पुणे की रहने वाली एक वरिष्ठ बॉटनी विषय की शिक्षिका मनीषा मंडहरे को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि मनीषा मंडहरे को एनटीए ने नीट यूजी परीक्षा प्रक्रिया में एक्सपर्ट के तौर पर नियुक्त किया था। उन्हें बॉटनी और जूलॉजी के प्रश्नपत्रों तक पूरी पहुंच रखने का अधिकार था। सीबीआई के मुताबिक, अप्रैल 2026 में मनीषा मंडहरे ने पुणे की मनीषा वाघमारे के जरिए नीट के छात्रों को एकत्र किया और अपने पुणे स्थित घर पर विशेष कोचिंग क्लास चलाई। इन कक्षाओं में उन्होंने बॉटनी और जूलॉजी के कई सवाल छात्रों को बताए, नोट्स लिखवाए और किताबों में मार्क करवाए। गौरतलब है कि पेपर लीक केस में अब तक नौ आरोपियों की गिरफ्तारी सीबीआई कर चुकी है।

आपदाओं का दशक, हालात नहीं सुधरे तो दशकों तक भुगतना पड़ेगा खामियाजा

नीदरलैंड्स में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम बोले

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 मई को बेहद विशेष दिन करार दिया
- पासपोर्ट का रंग बदल जाएगा पर भारतीयता नहीं बदलेगी
- आज एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा भारत
- लोकतांत्रिक जगत में 25 साल मेरे लिए सौभाग्य की बात

नई दिल्ली। नीदरलैड्स के द हेग को दुनिया में सिटी ऑफ पीस के रूप में जाना जाता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने यहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कई अहम बाते साझा की। प्रधानमंत्री ने कहा आज का भारत बड़े सपने देख रहा है। भारत ने चांद पर भी वहां पहुंचकर इतिहास रचा, जहां दुनिया का कोई देश पहले नहीं पहुंच सका। पीएम ने कहा कि जब भी उनकी नीदरलैंड्स के नेतृत्व से बातचीत हुई, उन्होंने हमेशा भारतीय समुदाय की सराहना की। समय के साथ कई चीजें बदल गईं, लेकिन भारत की संस्कृति आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। वक्त बदला, लेकिन संस्कार और अपनापन नहीं बदला। उन्होंने कहा कि पासपोर्ट का रंग, पता या समय क्षेत्र बदल सकता है, लेकिन भारतीयता नहीं बदल सकती। प्रधानमंत्री ने कहा ये दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक बना है। हालात नहीं सुधरे तो यह दशकों तक भारी पड़ सकता है। पीएम मोदी ने कहा-मैं बहुत छोटी आयु में ही देशभक्ति के रंग में रंग गया। आप ही मेरे परिवार बन गए। अहम से वयम का रास्ता चुन लिया। फिर आपका सुख ही मेरा सुख बन गया और आपका कल्याण ही मेरा कर्तव्य बन गया।

जनता का विश्वास मुझे न रुकने देता और न थकने देता

पीएम मोदी ने 2014 के लोकसभा फैसले की सराहना की, जब उनके नेतृत्व में एनडीए सरकार ने पहली बार सत्ता संभाली थी। 16 मई को घोषित जनादेश को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा- 13 वर्ष मुख्यमंत्री के रूप में... 12 वर्ष प्रधानमंत्री का सेवाकाल... लोकतांत्रिक विश्व में 25 वर्षों तक... करोड़ों-करोड़ वोटर्स का लगातार समर्थन... ये मेरे लिए बहुत ही बड़े सौभाग्य की बात है। मेरे लिए ये सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है... ये आपका आशीर्वाद मेरी बहुत बड़ी पूंजी है। कोटि-कोटि भारतवासियों का विश्वास मुझे न रुकने देता है और न थकने देता है।

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास, सीएम योगी बोले

जाति-धर्म के नाम पर बांटने वाले किसी के हितैषी नहीं

- पहले गोरखपुर से वाराणसी जाने में चार से पांच घंटे लगते थे
- डबल इंजन की सरकार विकास को आगे बढ़ाने का काम कर रही

सत्ता सुधार ■ गोरखपुर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा-सरकार के पास जमीन होगी तो उसका इस्तेमाल लोक कल्याण में होगा। यदि इस पर कोई कब्जा करेगा तो वह अपने लिए इस्तेमाल करेगा। सरकारी भूमि का इस्तेमाल लोक कल्याण के लिए होना

चाहिए। प्रदेश को गुंडा मुक्त और माफिया मुक्त किया तो तेजी से विकास होने लगा। जो लोग जाति धर्म और भाषा के नाम पर बांटते हैं वो किसी के हितैषी नहीं हो सकते। इनके पास जब भी सत्ता आई तब इन्होंने उसका इस्तेमाल अपने परिवार, अराजकता और गुंडागर्दी के लिए किया। दरअसल, सीएम शनिवार को ताल नदोर में बन रहे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के भूमिपूजन और शिलान्यास के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश और दुनिया पश्चिम एशिया संकट से जूझ रहा है। पूरी दुनिया में उथल पुथल है। पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आसमान छू रहे हैं। इस परिस्थिति में भी केंद्रीय मंत्री ने बेहतरीन काम किया है। तेल कंपनियों पर भले बोझ आ जाए, लेकिन जनता को राहत मिलनी चाहिए।

अब हर गांव में खेल का मैदान

सीएम ने कहा-2014 के बाद पीएम मोदी ने खेलों को आगे बढ़ाया। इसी की देन है कि आज खिलाड़ी मेडल लेकर आ रहे हैं। उनके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर देना हमारी जिम्मेदारी है। हम हर गांव में खेल का मैदान बना रहे हैं। हर विकास खंड पर मिनी स्टेडियम और हर जिले में स्टेडियम बनाने का काम हो रहा है। हर कमिश्नरी में स्पोर्ट्स कॉलेज हो। मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण भी इसी साल पूरा हो जाएगा। वाराणसी में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बन रहा है। 40 एकड़ में स्टेडियम बन रहा है।

अलर्ट

सुपर अल नीनो मई-जुलाई के बीच सक्रिय होगा, देशभर में मानसून कमजोर पड़ने की आशंका

हो जाइए सावधान! भारत में सूखा-भीषण गर्मी का खतरा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में इस साल सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो भी एक्टिव हो सकता है। अमेरिकी मौसम एजेंसी नोआ के अनुसार यह मई-जुलाई के दौरान ही दस्तक दे सकता है। नोआ ने बताया कि प्रशांत महासागर का तापमान इस बार मई में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यह गर्मी की स्थिति इस बार पूरे मानसून सीजन के दौरान बनी रह सकती है। पिछले महीने जारी अनुमान में यह संभावना 61 फीसदी थी, जो अब बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि इसका सीधा असर मानसून की बारिश पर पड़ेगा। इससे देश में सूखे का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा।

अल-नीनो का दुनिया पर पड़ेगा असर

नोआ के मुताबिक इस साल मई से जुलाई के दौरान सुपर अल नीनो डेवलप होने की 82 फीसदी संभावना है। इसके सर्दियों (दिसंबर 2026 से फरवरी 2027) तक जारी रहने की 96 प्रतिशत आशंका है। जबकि, इसके 'स्ट्रॉन्ग' या 'वेरी स्ट्रॉन्ग' रहने की करीब 67 फीसदी आशंका है। इससे, कमजोर मानसून, सूखे और हीटवेव की आशंका अब ज्यादा हो गई है।

सबसे ज्यादा जोखिम वाले इलाके

- उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति बनने का सबसे ज्यादा खतरा है, जिससे लंबे सूखे और कृषि नुकसान की आशंका बढ़ सकती है।
- पंजाब, हरियाणा और राजस्थान अगस्त-सितंबर के दौरान सबसे संवेदनशील राज्यों में माने जा रहे हैं। वहीं मध्य और पश्चिम भारत में जहां अच्छी बारिश होती है वहां भी सामान्य से कम बारिश की संभावना है।
- मध्य प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर और नर्मदापुरम संभागों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है।
- लद्दाख, राजस्थान के कुछ हिस्से, तेलंगाना, साथ ही उत्तर भारत के कुछ हिस्से में इसका असर कम होगा।

सीबीएसईः 9वीं-10वीं में तीन भाषाएं अब होंगी अनिवार्य

- एक जुलाई से देशभर के स्कूलों में व्यवस्था लागू
- 10वीं में थर्ड लैंग्वेज का पेपर नहीं होगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सीबीएसई ने अपने सभी स्कूलों में कक्षा 9वीं और 10वीं में तीन भाषा नीति को अनिवार्य कर दिया है। मौजूदा सत्र से ही, 9वीं और 10वीं के बच्चों को तीन लैंग्वेज की पढ़ाई करनी होगी। नोटिफिकेशन के अनुसार, इन 3 में से 2 भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। पॉलिसी के तहत, एक भारतीय और एक विदेशी भाषा के साथ एक क्षेत्रीय भाषा पढ़ाई

जानी है। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि स्कूल, छात्रों की पसंद के अनुसार थर्ड लैंग्वेज चुन सकते हैं। सभी स्कूलों को अपनी चुनी हुई भाषा की जानकारी 30 जून तक बोर्ड को देनी होगी।

नवजात शिशुओं की डिस्चार्ज दर 82.3 प्रतिशत पर पहुंची

प्रदेश में सशक्त हो रही स्वास्थ्य सेवाएं...मॉनिटरिंग तंत्र किया जा रहा मजबूत

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सशक्त एवं उन्नत बनाया जा रहा है। प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही उनकी सतत एवं सशक्त निगरानी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे आमजन को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो सकें। महिला एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा आधुनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना, विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं एवं प्रभावी मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। इन प्रयासों से प्रदेश में नवजात एवं मातृ स्वास्थ्य संकेतकों में सतत सुधार दर्ज किया जा रहा है।

राज्य में जन्म के समय कम वजन वाले, समय पूर्व जन्मे एवं जन्म के समय गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं के बेहतर उपचार और नवजात मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयां प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। इन इकाइयों से नवजात शिशुओं को विशेषज्ञ उपचार, आधुनिक चिकित्सा उपकरण एवं प्रशिक्षित चिकित्सकीय देखरेख उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य शासन द्वारा नवजात शिशु गहन चिकित्सा

इकाइयों में उपलब्ध बिस्तरों की संख्या में भी वृद्धि की गई है। वर्ष 24-25 में जहाँ कुल 1654 बिस्तर उपलब्ध थे, वह अब बढ़कर 1770 हो गए हैं। इससे अधिक संख्या में गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं के उपचार के लिये अत्याधुनिक एवं समर्पित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य की एसएनसीयू इकाइयों में जटिल एवं गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं के उपचार के लिये वेंटिलेटर, सी-पैप, निर्बाध ऑक्सीजन, फोटोथेरेपी सहित आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। साथ ही, फैसिलिटी बेस्ड न्यूबोर्न केयर (एफबीएनसी) में प्रशिक्षित चिकित्सकों एवं नर्सिंग ऑफिसर्स द्वारा वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान किया जा रहा है।

इन इकाइयों में भर्ती नवजात शिशुओं को आवश्यकता अनुसार वेंटिलेटर सपोर्ट, सी-पैप, फोटोथेरेपी एवं ऑक्सीजन सपोर्ट उपलब्ध कराया जा रहा है तथा एंटीबायोटिक के तार्किक उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही सर्फ़ैक्टेंट एवं कैफीन साइट्रेट जैसी आधुनिक औषधियों के उपयोग से समय पूर्व जन्मे गंभीर नवजात शिशुओं का उपचार कर जीवन संरक्षित किया जा रहा है। इन इकाइयों में भर्ती लगभग 8 प्रतिशत नवजात शिशुओं को वेंटिलेटर सपोर्ट, 37 प्रतिशत को फोटोथेरेपी, 49 प्रतिशत नवजात शिशुओं को तार्किक ऑक्सीजन तथा 47 प्रतिशत नवजात शिशुओं को तार्किक एंटीबायोटिक उपचार प्रदान किया गया।

सशक्त नवजात उपचार सेवाएं

राज्य में संचालित 200 एनबीएसयू के माध्यम से भी नवजात शिशुओं को प्रभावी उपचार एवं स्थिरीकरण सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस वर्ष 1 अप्रैल से 15 मई 2026 तक 2 हजार 241 नवजात शिशुओं को उपचार कर सफलतापूर्वक डिस्चार्ज किया गया है। एनबीएसयू इकाइयों के माध्यम से उच्च जोखिम वाले नवजात शिशुओं को स्थिरीकरण सेवाओं के साथ-साथ ऑक्सीजन सपोर्ट एवं फोटोथेरेपी जैसी आवश्यक उपचार सुविधाएं उप जिला स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

'जीरो सेपरेशन' अभिनव पहल

माँ एवं नवजात शिशु को एक साथ गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार के नवीन दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्य में एमएनसीयू की अवधारणा को भी विस्तार दिया जा रहा है। यह व्यवस्था 'जीरो सेपरेशन' सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें माँ और नवजात शिशु को अलग नहीं किया जाता। इससे स्तनपान, कंगारू मदर केयर तथा नवजात की समुचित देखभाल को बढ़ावा मिलता है। यह पहल विशेष रूप से कम वजन एवं समय पूर्व जन्मे शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रही है।

ब्रीफ न्यूज

सीएम ने सिक्किम के स्थापना दिवस पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध लोक संस्कृति और श्रमशीलता की धरा सिक्किम के स्थापना दिवस पर सिक्किम वासियों को शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री प्रेमसिंह तमांग के नेतृत्व में राज्य प्रगति के सुपथ पर अविराम गतिमान रहे। डॉ. यादव ने ईश्वर से सिक्किमवासियों के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना है।

अब एमएड के लिए आयु सीमा 55 साल करने की मांग

भोपाल। प्रदेश में बीएड और एमएड के लिए आवेदन जमा कराने की कार्यवाही के बीच शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश ने एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष से बढ़ाकर 55 वर्ष किए जाने की मांग की है। इसको लेकर संगठन ने राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल को ज्ञापन सौंपकर शासकीय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं में संचालित एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए यह व्यवस्था तय करने की मांग की है। संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि वर्तमान में एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष निर्धारित है। प्रदेश के शिक्षक एवं शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मचारी केवल आयु सीमा के कारण एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश से वंचित रह जाते हैं।

देवास पटाखा फैक्ट्री विस्फोट मामले में तीन निलंबित

भोपाल। देवास जिले की टोंकखुर्द तहसील स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले में सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। लापरवाही और कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर एसडीएम संजीव सक्सेना, नायब तहसीलदार रवि शर्मा और एसडीओपी दीपा मांडवे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उज्जैन संभाग आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, टप्पा चिड़ावद तहसील टोंकखुर्द में पदस्थ नायब तहसीलदार रवि शर्मा पर विस्फोटक सामग्री संबंधी प्रशासनिक निरीक्षण में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप लगे हैं। आदेश में कहा गया है कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप निरीक्षण और निगरानी नहीं किए जाने के कारण यह घटना घटित हुई।

मध्यप्रदेश न्याय और संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं का प्रदेश

अब अदालतों की पहचान स्मार्ट तकनीक से होगी, तकनीक को 'बाधा' नहीं बल्कि 'पुल' बनना होगा

पीएम के नेतृत्व में देश बढ़ रहा स्वर्णिम युग की ओर

हमारे वीरों ने विदेशी दासता के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने अयोध्या मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय और शाहबानो प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि जब अदालतें ऐसे युगांतरकारी फैसले देती हैं, तो लोकतंत्र सशक्त होता है। आज का समय न्याय व्यवस्था, लोकतंत्र और भारतीय मूल्यों के पुनर्जागरण का काल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश न्याय और संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं का प्रदेश है। यह भूमि सम्राट विक्रमादित्य और राजाभोज की परंपराओं से जुड़ी रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में 'पंच परमेश्वर' की परंपरा रही है, जहां गांवों में पांच लोग बैठकर न्याय करते थे। उन्होंने आदि शंकराचार्य

और मंडन मिश्र के शास्त्रार्थ का उदाहरण देते हुए कहा कि महेश्वर में हुए उस ऐतिहासिक संवाद में मंडन मिश्र की पत्नी ने निष्पक्ष निर्णय देते हुए शंकराचार्य को विजयी घोषित किया था। उन्होंने कहा कि यह भारतीय न्याय परंपरा की महानता का उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार समाज और सरकार की जटिलताओं के कारण मामलों में देरी होती है। न्यायालय ऐतिहासिक फैसले देकर लोकतंत्र को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास के कठिन दौरों में भी हमारे वीरों ने विदेशी दासता के सामने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। उन्होंने कहा कि अनेक युद्ध जीतने के बाद भी जब आवश्यकता पड़ी, तब उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना बलिदान देना स्वीकार किया। उनका साहस, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति केवल उनके समय तक सीमित नहीं रही, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करती रही। उन्होंने कहा कि नर्मदा की उज्ज्वल धारा हमारी संस्कृति, शुचिता और आध्यात्मिक चेतना को प्रदर्शित करती है। उन्होंने उपस्थित सभी अतिथियों, न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और नागरिकों का अभिनंदन किया। वहीं भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि डिजिटल परिवर्तन और पेपरलेस न्याय व्यवस्था भारतीय न्यायपालिका के भविष्य का सबसे महत्वपूर्ण और आवश्यक विषय है। उन्होंने कहा कि अदालतों की पहचान अब लाल कपड़ों में बंधी भारी-भरकम फाइलों से नहीं, बल्कि स्मार्ट तकनीक से होगी। कोविड-19 महामारी के दौर को एक ऐतिहासिक मोड़ बताते हुए उन्होंने कहा कि उस संकटकाल में वर्चुअल हियरिंग और ई-फाइलिंग से न्याय प्रणाली को नई दिशा मिली। सुप्रीम कोर्ट ने अब 'मिसलेनियस डेट्स' पर पूरी तरह वर्चुअल हियरिंग का निर्णय लिया है, जिससे वकीलों को घर बैठे दलीलें रखने की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने आयोजन को न्यायपालिका, सरकार और तकनीक का एक शानदार संगम बताया।

न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाई

सूर्यकांत ने अपने 37 वर्ष की आयु में महाधिवक्ता बनने के दौर को याद करते हुए बताया कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. अरुण जेटली के सहयोग से उन्होंने देश का पहला पूर्णतः कंप्यूटरीकृत महाधिवक्ता कार्यालय तैयार कराया था। अब लाइव स्ट्रीमिंग और नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड ने न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाई है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि सिक्किम की तरह मध्यप्रदेश भी पूर्णतः पेपरलेस बनने की दिशा में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ आगे बढ़ रहा है। इससे पर्यावरण संरक्षण को भारी संबल मिलेगा। देश के ग्रामीण व वरिष्ठजनों को ध्यान में रखते हुए तकनीक को 'बाधा' नहीं बल्कि 'पुल' बनना होगा।

तकनीक ने पूरी व्यवस्था बदल दी

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि वर्ष 2008-09 के दौर में अदालतों में लैपटॉप ले जाने पर प्रतिबंध हुआ करता था। आज तकनीक ने पूरी व्यवस्था बदल दी है। उन्होंने बताया कि महाधिवक्ता कार्यालय की सुविधा के लिए अब उन सभी मामलों की डिजिटल पहुंच उपलब्ध करा दी गई है, जिनमें सरकार पक्षकार है। अब नोटिसों का डिजिटल ट्रांसमिशन होने से जवाब तेजी से आ रहे हैं और प्रतिदिन स्टेटस रिपोर्ट अपलोड हो रही है। उन्होंने केंद्र और राज्य दोनों के महाधिवक्ता कार्यालयों की उत्कृष्ट और सक्षम टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी पूरी तैयारी के कारण ही न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण का कार्य बेहतर ढंग से हो पा रहा है।

भोपाल में आज से मंत्रियों की वन-टू-वन बैठक

परफॉर्मेंस और संगठन समन्वय की होगी समीक्षा

फाइल फोटो

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में सरकार के ढाई साल पूरे होने के बीच अब मंत्रियों की कार्यशैली और प्रदर्शन का आकलन शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में 17 और 18 मई को मंत्रियों के साथ अलग-अलग वन-टू-वन चर्चा होगी, जिसमें उनके विभागीय कामकाज, संगठन से समन्वय और योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, इस समीक्षा प्रक्रिया में भाजपा के वरिष्ठ संगठन पदाधिकारी भी शामिल रहेंगे। बैठक में राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभरी डॉ. महेंद्र सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मौजूदगी रहेगी। सभी नेता शनिवार कोभोपाल पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि बैठक मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित होगी।

जानकारी के मुताबिक मंत्रियों से करीब एक दर्जन बिंदुओं पर रिपोर्ट और फीडबैक लिया जाएगा। इसमें विभागीय योजनाओं की प्रगति, जमीनी स्तर पर उनकी निगरानी, संगठन के साथ तालमेल, गृह एवं प्रभार जिलों में कार्यकर्ताओं से समन्वय और चुनाव में कमजोर रही सीटों पर किए गए प्रयासों की समीक्षा शामिल है। पार्टी और सरकार की इस संयुक्त कवायद को संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल से जोड़कर भी देखा जा रहा है। वर्तमान में कैबिनेट में चार पद रिक्त हैं और माना जा रहा है कि प्रदर्शन के आधार पर कुछ नए चेहरों को मौका मिल सकता है।

परिसर को शिक्षा केंद्र या विश्वविद्यालय के रूप में किया जाए विकसित

भोजशाला फैसले से राजनीति हलचल, कांग्रेस ने दी सलाह

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा भोजशाला-कमल मौला मस्जिद परिसर को लेकर दिए गए फैसले ने राजनीति में हलचल मचा दी है। इस निर्णय के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, जहां भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक और धार्मिक न्याय से जोड़कर देख रही है, वहीं विपक्षी दल इससे विवाद बढ़ने की आशंका जाहिर कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने मुद्दे पर अलग राय रखी है, जो फैसले के प्रति सम्मान के साथ-साथ भविष्य में संभावित विवादों पर चिंता जाहिर की है। कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने संविधान और न्यायपालिका का सम्मान करते हुए फैसले को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही कहा कि लंबे समय से मुस्लिम समुदाय वहां धार्मिक गतिविधियां करता आ रहा है।

उन्होंने सुझाव दिया कि सभी पक्षों को मिलकर समाधान निकालना चाहिए और उस स्थान को एक शिक्षा केंद्र या विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि ऐसा करने से किसी भी प्रकार का विवाद खत्म होगा और समाज के सभी वर्गों के लोग एक साथ शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे, जिससे एकता बढ़ेगी।

वहीं, कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई ने फैसले को पूरी तरह से गलत बताया। उन्होंने कहा कि पहले ही यह तय हो चुका था कि यह जगह जैसी है, वैसी ही रहेगी। दलवाई ने हर जगह इस तरह का टकराव पैदा करने को गलत ठहराया और बौद्ध स्तूपों व जैन मंदिरों के विनाश का हवाला देकर उनकी भी जांच और बहाली की मांग की।

बीजेपी नेताओं का किया फैसले का स्वागत

बीजेपी नेताओं ने हाईकोर्ट के फैसले का खुले दिल से स्वागत किया है। पार्टी के सांसद अतुल गर्ग ने इस एक दुखद स्थिति बताया कि इसतरह के मामलों को अदालत तक जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक स्थलों पर हुए कब्जों को हटाकर उन्हें उनके मूल स्वरूप में वापस लौटाया जाना चाहिए। इसी कड़ी में, बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने ऐतिहासिक फैसला करार दिया। उनके अनुसार, भोजशाला परिसर कभी माता सरस्वती का मंदिर था, इस विदेशी आक्रमणों के दौरान नुकसान पहुंचाया गया।

भोपाल में कल होगा व्हाट्सएप चैटबॉट का शुभारंभ

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला एवं ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ऊर्जा विकास निगम के व्हाट्सऐप चैटबॉट एवं प्रचार वीडियो का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का डिजिटली प्रचार-प्रसार करने के लिये एमपीयूवीएनएल एवं काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवॉयरनमेंट एंड वॉटर के सहयोग से सोमवार 18 मई को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में व्हाट्सऐप चैटबॉट एवं प्रचार वीडियो लॉन्च किया जाएगा।

व्हाट्सऐप चैटबॉट और प्रचार वीडियो से नागरिकों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी सरल एवं डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। इससे योजना के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ेगी और नागरिकों को आवेदन एवं सोलर संयंत्र लगाने की प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी। प्रदेश में योजना को लेकर लगातार सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

पवन पाटीदार, रेखा यादव और वीरेंद्र गोयल को किया तलब

अनुशासन तोड़ने वाले नेताओं पर प्रदेश भाजपा सख्त

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में भाजपा संगठन और सरकार ने अनुशासनहीनता के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई का सिलसिला तेज कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डीजल-पेट्रोल बचत की अपील का उल्लंघन कर वाहन रैलियां निकालने वाले नेताओं पर अब संगठन स्तर पर जवाब तलब किया जा रहा है। अब तक की कार्रवाई में भिंड किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष सज्जन यादव को पद से हटाया जा चुका है, जबकि मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह से भी उनके सभी दायित्व वापस ले लिए गए हैं।

इसी क्रम में अब तीन और नेताओं को प्रदेश नेतृत्व ने तलब किया है। इनमें भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष पवन पाटीदार, महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा

यादव और सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल शामिल हैं। इन सभी को रविवार को भोपाल स्थित प्रदेश कार्यालय में उपस्थित होने को कहा गया है। जानकारी के के अनुसार, इन नेताओं पर आरोप है कि इन्होंने अलग-अलग कार्यक्रमों में बड़े वाहन काफिले के साथ शक्ति प्रदर्शन किया, जो पीएम की ईंधन बचत और सादगी की अपील के विपरीत माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि पवन पाटीदार ने ग्वालियर में वाहन रैली का आयोजन किया, वहीं रेखा यादव छतरपुर दौरे के दौरान समर्थकों के काफिले के साथ नजर आईं। सिंगरौली विकास प्राधिकरण अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल भी कार्यक्रम में बड़े काफिले के साथ पहुंचे थे। संगठन ने स्पष्ट किया है कि इन नेताओं से जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर आगे की कार्रवाई करते हुए पद से हटाने तक का निर्णय लिया जा सकता है।

जनगणना | मकान गणना: प्रगणक हो रहे परेशान, वेरिफिकेशन काम में रूकावट

नागरिक अपनी सेल्फ एन्यूमेरेशन आईडी साझा करने से कतरा रहे

सत्ता सुधार ■ भोपाल

प्रदेश में जनगणना के पहले चरण का काम विगत 1 मई से चल रहा है जो की 30 मई तक चलेगा, लेकिन मकानों की गिनती के दौरान क्षेत्र में काम कर रहे प्रगणकों और सुपरवाइजरों के सामने एक अजीब संकट उत्पन्न हो गया है। मकानों की गिनती के लिए ऑनलाइन डेटा भरने वाले कई नागरिक अपनी सेल्फ एन्यूमेरेशन आईडी साझा करने से कतरा रहे हैं। इसके पीछे लोगों के मन में साइबर ठगी और डेटा के गलत इस्तेमाल का डर बैठ गया है, जिससे जनगणना का काम कई जिलों में सुस्त पड़ गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार जनगणना कानून की धारा आठ के तहत गलत जानकारी देना या उत्तर देने से मना करना अपराध की श्रेणी में आता है और इसके लिए सजा और जुर्माने का प्रावधान भी है।

जनता के मन में बैठे इस डर को दूर करने के लिए सरकार ने साफ किया है कि जनगणना के दौरान ली गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय है। जनगणना कानून की धारा पंद्रह के तहत यह डेटा किसी के खिलाफ अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस डेटा का उपयोग किसी को

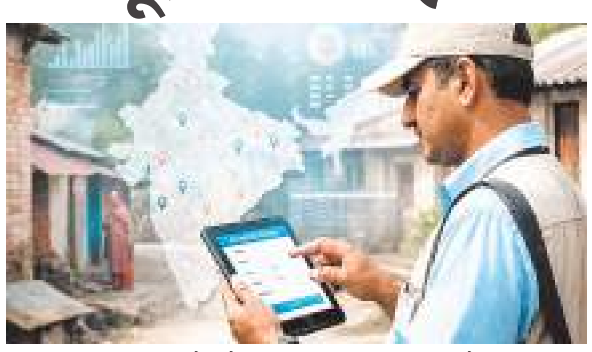

मिल रहे सरकारी लाभों को बंद करने या कोई नया लाभ देने के लिए नहीं किया जाएगा। इसका मकसद केवल साख्यिकीय आंकड़े जुटाना है। साथ ही, यह जानकारी सूचना के अधिकार यानी आरटीआई के तहत भी किसी को नहीं दी जा सकती। अब जिलों के कलेक्टरों ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए सलाह दी है कि जब भी कोई कर्मचारी आपके घर आए, तो उसका आइडेंटिटी कार्ड जरूर देखें। पहचान सुनिश्चित करने के बाद आईडी साझा करने से न केवल समय बचेगा, बल्कि जनगणना में सटीक जानकारी दर्ज हो सकेगी। इस बारे में जनगणना निदेशालय ने पहले ही यह साफ कर दिया था कि उन्हें घर आने वाले प्रगणक को यह आईडी देनी होगी, जिससे उनके द्वारा भरे गए डेटा का वेरिफिकेशन हो सके।

ठगी के डर ने बढ़ाई मुश्किल

अप्रैल के महीने में सरकार ने आम जनता को जनगणना पोर्टल के जरिए 7 ऑनलाइन जानकारी भरने की सुविधा दी थी। उस समय प्रदेश के 7.46 लाख परिवारों ने उत्साह दिखाते हुए अपनी जानकारी ऑनलाइन अपलोड की और बदले में उन्हें एक सेल्फ एन्यूमेशन आईडी मिली थी। अब जब सरकारी कर्मचारी घर-घर जाकर इस आईडी की मांग कर रहे हैं, तो लोग इसे साझा करने में आनाकानी कर रहे हैं। लोगों को लगता है कि यह कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो सकता है। इस कारण प्रगणकों को या तो दोबारा पूरी जानकारी भरनी पड़ रही है या फिर उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है, जिससे उनका समय और मेहनत दोनों बर्बाद हो रहे हैं।

भाजपा महापुरुषों को संकीर्ण चश्मे से देखती है: अजय

आरजीपीवी से राजीव गांधी का नाम हटाना दुर्भावनापूर्ण

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का विभाजन करने और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी का नाम हटाने के राज्य सरकार के प्रस्ताव पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने इसे पूरी तरह राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कदम बताया है। अजय सिंह ने कहा कि विभाजन का असली मकसद विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए नहीं, बल्कि केवल पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम मिटाने का है। इसीलिए भाजपा सरकार राजीव गांधी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने का प्रपंच रच रही है। सिंह ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने अपने कार्यकाल में देश की तरक्की के लिए कंप्यूटर युग की शुरुआत की थी। उन्होंने डिजिटल इंडिया की मजबूत नींव रखी, जो देश के विकास में एक अविस्मरणीय योगदान है। इसी ऐतिहासिक तकनीकी योगदान के कारण विवि का नाम उनके नाम पर रखा गया था। किसी भी महापुरुष को उनके देशहित में किए गए कार्यों और योगदान के लिए जाना जाता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय है कि भाजपा सरकार हर राष्ट्रीय नायक को अपनी पार्टी के संकीर्ण चश्मे से देखती है।

रेलवे ट्रैक सुरक्षा व पत्थरबाजी रोकने को लेकर संयुक्त गोष्ठी

सत्ता सुधार ■ झांसी

रेलवे ट्रैक सुरक्षा एवं ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटनाओं की रोकथाम को लेकर शुक्रवार को ग्राम सिमरिया मृदहा में संयुक्त गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी पुलिस अधीक्षक रेलवे झांसी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक रेलवे झांसी, आरपीएफ, सिविल पुलिस जनपद बांदा तथा जीआरपी बांदा के अधिकारी मौजूद रहे। श्रीमान पुलिस महानिदेशक रेलवे लखनऊ एवं पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्राम सिमरिया मृदहा एवं आसपास के गांवों के संभ्रांत नागरिकों, महिलाओं एवं युवाओं को रेलवे ट्रैक सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेनों पर पत्थर

फेंकना अथवा रेलवे मार्ग को अवरुद्ध करना गंभीर दंडनीय अपराध है, जिससे यात्रियों की जान को खतरा होने के साथ रेलवे संपत्ति को भी भारी नुकसान पहुंचता है। गोष्ठी के दौरान ग्रामीणों को पत्थरबाजी जैसी घटनाओं से होने वाली जनहानि के प्रति जागरूक करते हुए ग्राम समिति को ऐसी घटनाओं की रोकथाम हेतु निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही रेलवे ट्रैक की निगरानी के लिए स्थानीय संभ्रांत व्यक्तियों एवं वालंटियरों की समिति गठित करने के निर्देश दिए गए, जो जीआरपी, आरपीएफ एवं जिला पुलिस के साथ संयुक्त रूप से गश्त करेगी। अभियान के दौरान अनुभाग झांसी में जीआरपी टीम द्वारा पूर्व में पत्थरबाजी जैसी घटनाओं में संलिप्त रहे अभियुक्तों का भौतिक सत्यापन भी किया गया। पुलिस ने आमजन से अपील की कि रेलवे ट्रैक पर कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने या पत्थरबाजी जैसी घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल जीआरपी हेल्पलाइन नंबर 1512 अथवा यूपी-112 पर सूचना दें। पुलिस अधीक्षक रेलवे झांसी ने कहा कि ट्रेनों पर पत्थरबाजी यात्रियों की जान के साथ खिलवाड़ है। जागरूकता अभियान के माध्यम से युवाओं और बच्चों को इसके दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया जा रहा है, ताकि रेल यात्रा सुरक्षित एवं निर्बाध बनी रहे।

ब्रीफ न्यूज

शनि अमावस्या पर हुए विविध धार्मिक कार्यक्रम

गुरसरांय (झांसी)। शनि अमावस्या का पर्व आज गुरसराय कस्बे में पूरी आस्था और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस विशेष दिन पर आज शनि पीठ आश्रम मंदिर नई बस्ती पर कर्म और न्याय के देवता शनि देव को प्रसन्न करने के लिए श्रद्धालुओं ने सुबह मंदिरों में कतारबद्ध होकर तैलाभिषेक किया,काले तिल चढ़ाए और दीपदान किया। कस्बे में जेठ कृष्ण अमावस्या पर आज शनिवार को देर शाम को भगवान शनि जयंती परम्परागत रूप से मनायी गयी। सांयकाल नई बस्ती स्थित शनिदेव मंदिर की भव्य सजावट व प्रतिमा का श्रंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने धार्मिक विधिविधान से उड़द,तिल,काले तिल,लोहा,सरसों का तेल आदि चढ़ाकर पूजा अर्चना की। तथा शनि आश्रम मंदिर पर मंदिर के पुजारी प चतुर्भुज दास महाराज के संयोजन में भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे पूड़ी सब्जी व लड्डू का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर अखण्ड रामायण का पाठ भजन संध्या एवं मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महाआरती के साथ शनि जयंती समारोह का समापन हुआ।

समाधान दिवस अधिकारी रहे नदारद, एसपी सिटी ने सुनीं फरियादें

टहरौली। तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एसपी सिटी प्रीति सिंह एवं एसडीएम गौरव आर्या ने जनसुनवाई कर शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से छह का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 27, पुलिस विभाग की छह, विद्युत विभाग की आठ, विकास विभाग की तीन, समाज कल्याण विभाग की एक तथा अन्य विभागों से संबंधित पांच प्रार्थना पत्र शामिल रहे। ग्राम घुरैया निवासी गुलाब सिंह ने मरघट के नाम दर्ज भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत की। वहीं पथरेडी एवं पिपरा निवासी लखनलाल और हसमत खां ने सहायक अभियंता बेतवा प्रखंड के आदेश के बावजूद रावतपुरा माइनर पर झाल निर्माण न कराए जाने तथा शिकायत का फर्जी निस्तारण करने का आरोप लगाया। पिपरा निवासी रक्षा देवी ने राशन कार्ड में नाम दर्ज होने के बाद भी राशन न मिलने तथा घुरैया निवासी रघुवीर सिंह ने खरीफ फसल बीमा की धनराशि न मिलने की शिकायत की। समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी को समाधान अधिकारी के रूप में मौजूद रहना था, लेकिन दोपहर तक उनके नहीं पहुंचने पर कई फरियादी मायूस होकर लौट गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी आसमा वकार, तहसीलदार ज्ञानप्रकाश सिंह, नायब तहसीलदार रेनू वर्मा, प्रभारी निरीक्षक सोमेंद्र सिंह, पूर्ति निरीक्षक सुरेश कुमार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बाल विवाह मुक्त झांसी बनाने हेतु सतर्कता एवं जनजागरूकता अभियान जारी

समुदाय स्तर पर वॉलिन्टियर निभा रहे सक्रिय भूमिका

सत्ता सुधार ■ बबीना

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' के सहयोगी बुंदेलखंड सेवा संस्थान द्वारा जनपद झांसी को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक सतर्कता एवं जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बबीना, बड़ागांव, चिरगांव एवं बंगरा विकासखंड के लगभग 300 गांवों में ग्राम प्रधानों एवं पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा 'बाल विवाह मुक्त पंचायत' बनाने का संकल्प लिया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत बघौरा, घिसौली पालर एवं विरगुवा सहित विभिन्न गांवों में बाल विवाह, बाल श्रम एवं बाल यौन शोषण के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संस्थान के सामुदायिक सामाजिक कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर होने वाले विवाहों की जानकारी जुटा रहे हैं, जिससे किसी भी बालक अथवा बालिका का बाल विवाह रोका जा सके। बुंदेलखंड सेवा संस्थान के सचिव बासुदेव सिंह ने बताया कि जिले के सैकड़ों विद्यालयों में हजारों छात्र-छात्राएं बाल विवाह मुक्त झांसी अभियान में सक्रिय सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता एवं सामुदायिक सहयोग से झांसी जिला जल्द ही बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति से मुक्त होगा। बुंदेलखंड सेवा संस्थान के परियोजना समन्वयक अमरदीप वमोनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान के कार्यकर्ता बबीना, बड़ागांव, चिरगांव एवं बंगरा ब्लॉक के गांवों में स्वयं सहायता समूहों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, ग्राम प्रधानों, पंचायत प्रतिनिधियों, पंडितों, नाइयों तथा स्थानीय नागरिकों से संपर्क कर होने वाले विवाहों की जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। साथ ही लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है। अभियान को सफल बनाने में सपोर्ट पर्सन शिवानी पोरवाल, विकास निरंजन, सामुदायिक सामाजिक कार्यकर्ता पवन गौतम सहित अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाई जा रही है।

समाधान दिवस में पहुंचे विधायक ने खेतों में आग से फसलों में हुए नुकसान की चेके किसानों को वितरित की

सत्ता सुधार ■ गरौठा झांसी

आज तहसील सभागार में क्षेत्रीय विधायक जवाहरलाल राजपूत की अध्यक्षता में संपूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मौके पर उपजिलाधिकारी सुनील कुमार पुलिस क्षेत्राधिकारी पीयूष कुमार पांडे भी मौजूद रहे। समाधान दिवस में विधायक एवं अधिकारियों द्वारा फरियादियों की समस्याएं सुनी गई। समाधान दिवस में 83 प्रार्थना पत्र मौके पर प्राप्त हुए जिसमें से कुछ प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। वही बाकी बचे प्रार्थना पत्रों को उपजिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सौंपते हुए जल्द से जल्द निस्तारण के आदेश दिए जिससे लोगों को समय पर न्याय मिल सके। वहीं कुछ समय पहले तहसील क्षेत्र अंतर्गत किसानों के खेतों में रखी फसलों में आग लग जाने से फसल जलकर नष्ट हो गई थी जिसमें विधायक एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा दर्जनों पीड़ित किसानों को चेक वितरण किए गए। इस मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारी एवं सर्किल थाना क्षेत्र की पुलिस मौजूद रही।

जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

मऊरानीपुर। तहसील सभागार में 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, इस समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी द्वारा की जानी थी। जिले के आला अधिकारी के आने की सूचना पर अपनी समस्याओं के निस्तारण की आस में सैकड़ों की संख्या में फरियादी सुबह से ही तहसील परिसर में जुटने लगे थे। हालांकि, अंतिम समय में किसी अत्यंत आवश्यक शासकीय कार्य के आ जाने के चलते जिलाधिकारी समाधान दिवस में शामिल नहीं हो सके। जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में संपूर्ण समाधान दिवस की कमान मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर ने संभाली। उनकी अध्यक्षता में आयोजित इस समाधान दिवस में आए सैकड़ों फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। जिसमे 146 शिकायती प्रार्थना पत्र 24 का मौके पर निस्तारण किया गया। सीडीओ ने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि जनसमस्याओं का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खिलार निवासी रविंद्र कुमार द्विवेदी ने झांसी से राठ, खजुराहो, महोबा की ओर जाने वाली बसें गांव के मार्ग से न गुजरने, रेवन निवासी सरजू प्रसाद ने पराली में आग लगाए जाने व लाखेरी बांध के जल भराव में डूबी हुई भूमि का मुआवजा दिलाए जाने, लोकेंद्र कश्यप ने जमीन, पक्के मकान की अनुकंपा राशि व अवरुद्ध फसल का बीमा दिलाए जाने, मगरवारा निवासी उषा देवी ने अपनी भूमि का दाखिल खारिज कराए जाने, गेड़ा भवन निवासी मंगल सिंह ने मकान के पास से 60 मी पक्की सड़क बनवाये जाने, पठा निवासी लखन ने सरकारी जमीन पर हुए कब्जे को हटाए जाने, झंडापुरा रानीपुर निवासी अमन ने मकान टैक्स की नकल दिलाये जाने, गांधीगंज निवासी रविंद्र कुमार ने जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने, रेवन निवासी खचोरे ने सिंचाई विभाग से जमीन, कुआं, मकान की मुआवजा राशि दिलाए जाने, भंडरा निवासी दुर्जनलाल, तेजराम, द्वारका प्रसाद, रविंद्र कुमार, रामकुमार आदि ने जमीन अधिग्रहण करने के बाद मुआवजा राशि न दिए जाने, अक्सेव निवासी ब्रिजकिशोर ने टोकन मनी के पैसे वापस कराए जाने, बेरबई निवासी सुंदरम, रणजीत सिंह यादव, संगम यादव, पहलाद सिंह, चंद्रभान आदि ने पोखर से कब्जा हटवाकर पक्का रास्ता बनवाए जाने, टकटोली निवासी जीना बानो ने विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई किए जाने, लाड़गंज रानीपुर निवासी सोनम ने लड़ाई झगड़ा से मारपीट किए जाने, सिजारी खुर्द निवासी चंद्रभान ने पक्की सड़क बनवाये जाने, राम रतन ने मत्स्य विभाग से पट्टा निरस्त कराए जाने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. अरविंद कुमार, उपजिलाधिकारी श्वेता साहू, तहसीलदार ललित कुमार पांडे, पुलिस क्षेत्राधिकारी जितेंद्र कुमार, चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 आरजे सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विपुल शिव सागर, अधिशासी अधिकारी सर्वेश कुमार के अलावा विभिन्न विभागों के अन्य जिला व तहसील स्तरीय अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को मिली राहत: विधायक जवाहर लाल राजपूत ने दो नई बसों को दिखाई हरी झंडी

समथर (झांसी)। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अनुबंधित बसों का शुभारंभ किया गया। संत बासुदेव महाराज खेरापति सरकार द्वारा विधि–विधान से पूजन–अर्चन के उपरांत क्षेत्रीय विधायक जवाहर लाल राजपूत ने फीता काटकर दो बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस दौरान विधायक ने स्वयं बस में सवारी कर आमजन को सार्वजनिक वाहनों से यात्रा करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इस पहल को ग्रामीण क्षेत्र के लिए बेहद उपयोगी बताया।प्राप्त जानकारी के अनुसार पहली बस ग्राम ऐरा से लोहागढ़ और साकिन होते हुए समथर वाया झांसी तक संचालित होगी, जबकि दूसरी बस ग्राम कंडौर से समथर वाया झांसी के लिए प्रतिदिन रवाना होगी। इन बसों के संचालन से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को जिला मुख्यालय तक पहुंचने में काफी सुविधा मिलेगी तथा उनका सफर अधिक सुगम और सुरक्षित होगा।

गुरसरांय में गहराया जल संकट, बड़ी माता मंदिर तालाब को नहर से भरवाने की उठी मांग

सत्ता सुधार ■ गुरसरांय

गुरसरांय नगर में लगातार गहराते पेयजल संकट को लेकर नगर पालिका परिषद सक्रिय हो गई है। नगर पालिका अध्यक्ष जयपाल सिंह द्वारा जिलाधिकारी झांसी एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को पत्र भेजकर माता मंदिर तालाब को नहर के पानी से भरवाने की मांग की गई है। पत्र में बताया गया कि नगर का जल स्तर अत्यधिक नीचे चले जाने के कारण अधिकांश हैंडपंप पानी छोड़ चुके हैं, वहीं जिन बोरिंगों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जाती थी, वे भी लगभग बंद होने की स्थिति में पहुंच गई हैं। इससे नगरवासियों को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष एवं बोर्ड द्वारा जनहित में निर्णय लेते हुए माता मंदिर तालाब को नहर के पानी से भरवाने का प्रस्ताव रखा गया, ताकि नगर के जल स्तर में सुधार हो सके। हालांकि सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा तालाब में पानी छोड़ने पर आपत्ति जताई जा रही है।

पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि माता मंदिर तालाब के पश्चिम दिशा में पिछले 10 से 12 दिनों से चल रहे कार्य की नगर पालिका को कोई पूर्व सूचना अथवा एनओसी नहीं दी गई। नगर पालिका के अनुसार कार्य करा रहे व्यक्ति द्वारा कोई वैध कार्यादेश भी प्रस्तुत नहीं किया गया है, जिससे कार्य को अवैधानिक बताया जा रहा है। नगर पालिका ने आरोप लगाया कि तालाब के पश्चिम दिशा के बांध को काटकर उसे कमजोर किया जा रहा है, जिससे भविष्य में खतरा उत्पन्न हो सकता है। वहीं पूर्व में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के ठेकेदार द्वारा कराया गया कार्य लगभग पूरा होने की बात भी पत्र में कही गई है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने प्रशासन से मांग की है कि नगर की जनता को जल संकट से राहत दिलाने हेतु शीघ्र माता मंदिर तालाब को नहर के पानी से भरवाने की व्यवस्था की जाए तथा चल रहे कार्य की जांच कर संबंधित कार्यादेश एवं एनओसी उपलब्ध कराई जाए।

लाइनमैन का 'साहस', धूं-धूं कर जले ट्रांसफार्मर पर मिट्टी डालकर बुझाई आग

सत्ता सुधार ■ मऊरानीपुर

भीषण गर्मी और बढ़ते पारे ने अब विद्युत बुनियादी ढांचे को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को तहसील कार्यालय के समीप उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक विद्युत ट्रांसफार्मर ओवरहीटिंग के कारण शार्ट सर्किट से आग का गोला बन गया। इस संकट के समय जहां दमकल विभाग की कार्यप्रणाली सुस्त नजर आई, वहीं बिजली विभाग के एक लाइनमैन की जांबाजी ने एक बड़े हादसे को टालकर मिसाल पेश की। अत्यधिक तापमान और बढ़ते लोड के कारण ट्रांसफार्मर में अचानक जोरदार फाल्ट हुआ और देखते

ही देखते लपटें उठने लगीं। आग इतनी भीषण थी कि ट्रांसफार्मर से जुड़ी लाखों रुपये की कीमती केबलें, मीटर बॉक्स और अन्य उपकरण जलकर राख हो गए। गनीमत रही कि पास की दुकानों तक लपटें पहुंचने से पहले ही उस पर नियंत्रण पाने की कोशिशें शुरू हो गईं।

हैरानी की बात यह रही कि तहसील मुख्यालय के पास होने के बावजूद, सूचना देने के करीब आधे घंटे बाद तक दमकल की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। विभाग की इस 'घोर लापरवाही' को लेकर स्थानीय नागरिकों में तीखा रोष देखा गया। लोगों का कहना था कि यदि आग आसपास की दुकानों तक फैल जाती, तो बड़ी जनहानि और आर्थिक नुकसान हो सकता था। जब सरकारी मशीनरी सुस्त पड़ी थी, तब बिजली विभाग के लाइनमैन महेश ने अदम्य साहस का परिचय दिया। बिना किसी फायर सेफ्टी किट या सुरक्षा उपकरणों के, महेश ने अपनी जान जोखिम में डालकर मोर्चा संभाला। उसने लगातार आधे घंटे तक कड़ी मशक्कत करते हुए आसपास से मिट्टी और बालू जुटाकर आग पर डालना शुरू किया। महेश की इसी तत्परता का परिणाम रहा कि दमकल के पहुंचने से पहले ही आग काफी हद तक शांत हो गई और एक बड़ा खतरा टल गया।

यज्ञ स्थल, भोजनालय व पार्किंग व्यवस्था का किया निरीक्षण, 108 गांवों को जोड़ने पर जोर

108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ को लेकर तैयारियां तेज, शांतिकुंज प्रतिनिधियों ने दिए दिशा-निर्देश

सत्ता सुधार ■ टहरौली

कस्बा टहरौली में जनवरी 2027 में प्रस्तावित 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से शांतिकुंज हरिद्वार से आए प्रतिनिधियों ने स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ गोष्ठी कर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं, उद्देश्यों और जनसहभागिता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गायत्री शक्तिपीठ पर आयोजित गोष्ठी में राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ प्रतिनिधि आशीष सिंह एवं उत्तर जोन प्रतिनिधि संतोष देवांगन ने गुरुजी पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के विचारों को साझा करते हुए कहा कि यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य मनुष्य में देवत्व का जागरण और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर देव चेतना विद्यमान है, जिसे जप, तप और साधना के माध्यम से जागृत किया जा सकता है। गायत्री परिवार का दायित्व है कि वह समाज में नैतिकता, संस्कार और मानवता के मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करे।

प्रतिनिधियों ने कहा कि समाज,

पर्यावरण, राष्ट्र और मानवता के विभिन्न पहलुओं पर सकारात्मक कार्य करना भी यज्ञ का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए अलग-अलग व्यवस्थाओं हेतु समितियों के गठन पर जोर दिया। भोजन व्यवस्था, पार्किंग, यातायात, आवास, मंच, सुरक्षा और स्वच्छता जैसी व्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदारियां तय करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने 108 कुण्डीय महायज्ञ में 108 गांवों के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल टहरौली तक सीमित न रहकर पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बने। जनभागीदारी को आयोजन की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस आयोजन से भावनात्मक रूप से जोड़ना आवश्यक है।

गोष्ठी में बताया गया कि इस विशेष आयोजन में देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के प्रतिकुलपति चिन्मय पंड्या के शामिल होने की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ेगी।

डॉ. आशीष सिंह ने कहा कि बड़े आयोजनों के लिए केवल संसाधन ही नहीं, बल्कि साधना और तपस्या की भी आवश्यकता होती है। गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं को स्वयं नियमित जप-तप करना चाहिए तथा श्रद्धालुओं को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि आयोजन आध्यात्मिक ऊर्जा और अनुशासन के साथ संपन्न हो सके।

बैठक के बाद शांतिकुंज प्रतिनिधियों एवं जिले व उपजोन से आए पदाधिकारियों ने प्रस्तावित यज्ञ स्थल, भोजनालय एवं पार्किंग के लिए चयनित स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक सुझाव भी दिए गए। इस अवसर पर उपजोन समन्वयक आसाराम कुशवाहा, हरिकृष्ण पुरोहित, संजीव खरे, राधेश्याम यादव, पजनलाल अहिरवार, शिवमोहन नाथ खरे, अच्छेलाल साहू, राधा मोहन गुप्ता, रमेश बिरथरे, दीपू पांचाल, प्रधान रविशंकर शुक्ला, राजकुमार दीक्षित 'रिंकू', रविन्द्र बिरथरे, बलराम बिरथरे, आभाष यादव, अमित सेन, संजीव बिरथरे, गोविंद प्रतीक, अंश पाराशर, कृष्ण बिरथरे, आशीष उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में गायत्री परिवार के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

कुंए पर जा रहे युवक को रास्ते में रोककर पीटा, आंख में गंभीर चोट

ललितपुर। कोतवाली महरौनी क्षेत्र के ग्राम सैदपुर में एक युवक को रास्ते में रोककर मारपीट करने का मामला सामने आया है। हमले में युवक की दाहिनी आंख में गंभीर चोट आई है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में ग्राम सैदपुर निवासी कमलेश (37 वर्ष), पुत्र बल्दू कुशवाहा ने बताया कि वह 15 मई 2026 को अपने घर से खेत पर बने कुएं की ओर जा रहा था। रास्ते में गांव के ही मोनू पुत्र संतोष, रबिन्द राजा पुत्र निरन सिंह और रिषीराज सिंह पुत्र स्व.राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू ने उसे रोक लिया। पीड़ित का आरोप है कि तीनों आरोपियों ने पहले उसके साथ गाली-गलौज की। जब उसने विरोध किया तो आरोपियों ने एक राय होकर उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी।

खेत की रखवाली कर रहे किसान पर दबंगों का हमला

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के ग्राम गदनपुर में खेत की रखवाली कर रहे एक किसान के साथ मारपीट और तोड़फ़ोड़ का मामला सामने आया है। गांव के ही चार लोगों पर किसान को लाठी-डंडों से पीटने, जान से मारने की धमकी देने और खेत पर रखे डीजल के ड्रम को तोड़कर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम गदनपुर निवासी राकेश पुत्र फूलसिंह ने बताया कि 13 मई 2026 की शाम करीब 6 बजे वह अपने खेत में लगी मूंग की फसल की रखवाली कर रहा था। इसी दौरान गांव के जुगराज पुत्र रूपचन्द्र, छोटू पुत्र भरत, राघवेन्द्र पुत्र जुगराज और सुवेन्द्र पुत्र भरत यादव वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने विरोध किया तो चारों आरोपियों ने एक राय होकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया और उसके साथ मारपीट की। घटना के दौरान आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। राकेश ने बताया कि मारपीट के बाद आरोपियों ने खेत पर रखा डीजल का ड्रम भी फोड़ दिया, जिससे उसमें भरा करीब 200 लीटर डीजल जमीन पर बहकर खराब हो गया।

सरकारी भूमि पर अवैध खनन का भंडाफोड़, पोकलैंड मशीन जब्त

ललितपुर। तहसील तालबेहट क्षेत्र के ग्राम कड़ेसराकलां में सरकारी भूमि से अवैध रूप से मौरम और बालू के खनन का मामला सामने आया है। खनिज विभाग की टीम ने छापेमारी कर मौके से अवैध खनन में लगी पोकलैंड मशीन को जब्त कर लिया। खान अधिकारी की तहरीर पर तालबेहट पुलिस ने अज्ञात मशीन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में खान अधिकारी अमितोष वर्मा ने बताया कि शासन के निर्देश पर जिले में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 27 फरवरी 2026 को खनिज विभाग की टीम ग्राम कड़ेसराकलां में जांच के लिए पहुंची थी।

उत्कृष्ट ड्यूटी पर प्रशिक्षु आरक्षी सम्मानित

डीएम-एसपी का थाना महरौनी पर आकस्मिक निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

जिले में कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा एवं पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सत्य प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने शनिवार को थाना महरौनी का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना परिसर, कार्यालय, मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर हेल्प डेस्क और मेस सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान अधिकारियों ने थाना कार्यालय में अभिलेखों के रख-रखाव, साफ-सफाई और रिकॉर्ड की अद्यतन स्थिति की जांच की, जो संतोषजनक पाई गई। थाना परिसर में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और आगंतुकों व पुलिसकर्मियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने परिसर को साफ, स्वच्छ

और हरित बनाए रखने के निर्देश दिए। मिशन शक्ति केन्द्र के निरीक्षण के दौरान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सहायता एवं शिकायत निस्तारण व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही एंटी रोमियो टीम की गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करने को भी कहा गया। साइबर हेल्प डेस्क पर रजिस्टरों और शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए साइबर अपराध से संबंधित मामलों में तत्काल कार्रवाई, बैंक खातों को डेबिट फ्रीज कराने, प्रतिबिंब पोर्टल, एनसीसीआरपी और सीईआईआर पोर्टल के प्रभावी उपयोग तथा साइबर अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आमजन को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया गया।

निरीक्षण के दौरान आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निपटारे, वारंटियों की गिरफ्तारी तथा ऑपरेशन क्लीन अभियान के तहत माल निस्तारण संबंधी कार्रवाई को नियमानुसार पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने संतरी ड्यूटी में तैनात प्रशिक्षु आरक्षी कृपाशंकर को उत्कृष्ट टर्नआउट, अनुशासन और बेहतर ड्यूटी निर्वहन के लिए 500 रुपये नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया, जिससे पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन हुआ।

शनि अमावस्या और शनि जयंती पर शनिधाम मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

पूजा-अर्चना के साथ भंडारे का हुआ आयोजन

सुम्मेरा तालाब स्थित सिद्धपीठ शनिधाम मंदिर में दिनभर चले धार्मिक आयोजन

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

शहर के सुम्मेरा तालाब स्थित श्री श्री 1008 सिद्धपीठ शनिधाम मंदिर में शनिवार को शनि अमावस्या महापर्व एवं शनि जयंती के पावन अवसर पर भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जहां भक्तों ने भगवान शनिदेव के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, तेलाभिषेक, धार्मिक अनुष्ठान, श्रीसुंदरकांड मानस पाठ, महाआरती, प्रसादी भंडारा एवं भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। पूरे दिन मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने शनिदेव महाराज के दर्शन कर परिवार की खुशहाली एवं मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का आयोजन नवग्रह सेवा समिति द्वारा किया गया। आयोजन में समिति के पदाधिकारी एवं नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंजीत सिंह परमार, अखिलेश शर्मा (मोंटू), गिरीश साहू, जे.पी. कुशवाहा, भगवानदास, योगेश कुशवाहा, कौशल किशोर नगाइच, अशोक साहू, ऋषि पटेल, हरगोविंद पटेल, मनोज साहू, अशोक कुमार, अर्जुन रायकवार, रामप्रसाद कुशवाहा, वीर सिंह, संजय अग्रवाल, शिशुपाल तथा हरगोविंद साहू सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर मंदिर के पुजारी मगनलाल कुशवाहा एवं मंजीत सिंह परमार ने सभी श्रद्धालुओं, नगरवासियों एवं भक्तजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भगवान शनिदेव से सभी भक्तों की सुख-शांति, समृद्धि एवं मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। धार्मिक आयोजन के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

वार्ड-20 तालाबपुरा में चला नालियों की सफाई अभियान

- चैन स्केलेटर वाहन बना स्वच्छता व्यवस्था का नया सहारा
- नगर पालिका के विशेष अभियान से संकरी गलियों की नालियों की हुई तेजी से सफाई

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

नगर पालिका परिषद द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को वार्ड नंबर-20 तालाबपुरा क्षेत्र में चैन स्केलेटर वाहन के माध्यम से नालियों और नालों की विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान क्षेत्र की नालियों से जमा मलबा निकालकर उन्हें साफ किया गया। वार्ड स्वास्थ्य नायक मंजीत कारोसिया ने बताया कि नगर पालिका द्वारा उपलब्ध कराया गया चैन स्केलेटर वाहन नगर की स्वच्छता व्यवस्था में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि शहर की संकरी गलियों और उन स्थानों पर, जहां बड़े वाहन नहीं पहुंच पाते थे, वहां अब यह आधुनिक वाहन कुछ ही मिनटों में नालियों और नालों की सफाई कर मलबा हटाने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि नपाध्यक्ष सोनाली जैन, अध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्नालाल जैन एवं अधिशासी अधिकारी दिनेश विश्वकर्मा द्वारा पालिका को कई नए वाहनों की सौगात दी गई है, जिनमें चैन स्केलेटर वाहन प्रमुख रूप से शामिल है। सफाई अभियान के दौरान स्वास्थ्य नायक मंजीत कारोसिया के साथ पालिका कर्मी एवं स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। नगरवासियों ने पालिका के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे स्वच्छ और स्वस्थ शहर की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

विशिष्ट कला शिविर पेन्टिंग विद् ऑयल कलर्स का शुभारम्भ 24 मई से

ललितपुर। सिद्धन रोड स्थित कला भवन में कलाविद् ओमप्रकाश बिरथरे द्वारा आयोजित विशिष्ट कला शिविर पेन्टिंग विद् ऑयल कलर्स का आयोजन 24 मई से 21 जून 2026 तक किया जा रहा है। शिविर का समय सांय 4 बजे से 5.30 बजे सायं तक होगा। शिविर आयोजक ओमप्रकाश बिरथरे ने बताया कि इस विशिष्ट कला शिविर में चित्र रचना तेल रंग के माध्यम से कैनवास, हार्डबोर्ड या आयल शीट पर ब्रश और नाइफ का प्रयोग करते हुए विभिन्न विधाओं द्वारा चित्र बनाने का अभ्यास कराया जायेगा। इस तकनीक से निर्मित चित्र कालजयी होते हैं। आधुनिक काल में इस विधा का प्रयोग सर्वाधिक हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर बड़े शहरों में बहुत मंहगे संसाधनों पर उपलब्ध हो पाते हैं। यह शिविर कला साधक को व्यवसायिक एवं सफल चित्रकार बनने का मार्ग प्रशस्त करता है। आधुनिक युग में व्यवसायिक भवनों, होटल्स, आफिसेस के स्वागत कक्षों एवं भवनों में सजावट हेतु इस तरह के तैल चित्रों की बहुत मांग है, जो कि बहुत मंहगे कीमतों पर उपलब्ध हो पाते है। हमारा प्रयास है कि हम इस तरह के शिविर आयोजित करके अच्छे कुशल चित्रकार समाज को दे सके, जिससे वह अपना नाम कला के क्षेत्र में स्थापित करने के साथ ही साथ आत्मनिर्भर बन सके।

वट सावित्री व्रत पर महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

सुख-समृद्धि एवं अखंड सौभाग्य की कामना

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

नगर के तालाबपुरा स्थित श्री लक्ष्मीनृसिंह मन्दिर परिसर में शनिवार को वट सावित्री व्रत के अवसर पर महिलाओं द्वारा श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि तथा अखंड सौभाग्य की कामना की। मंदिर परिसर में सुबह से ही धार्मिक माहौल बना रहा और महिलाओं की भीड़ पूजा-अर्चना के लिए उमड़ती रही। वट सावित्री व्रत हिन्दू धर्म में विशेष महत्व रखने वाला पर्व माना जाता है। यह व्रत विशेष रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा रखा जाता है। मान्यता है कि इस दिन वट वृक्ष की पूजा करने से पति की आयु लंबी होती है तथा परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। इसी आस्था और विश्वास के साथ तालाबपुरा स्थित श्री लक्ष्मीनृसिंह मन्दिर में महिलाओं ने पारंपरिक रीति-

रिवाजों के अनुसार पूजा सम्पन्न की। सुबह से ही महिलाएं सोलह श्रृंगार कर पूजा की थाली, फल, फूल, रोली, मौली, धूप-दीप एवं प्रसाद लेकर मंदिर पहुंचीं। मंदिर परिसर में स्थित वट वृक्ष के चारों ओर महिलाओं ने परिक्रमा लगाई तथा कच्चा धागा बांधकर पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने विधिवत पूजा करने के बाद वट सावित्री व्रत कथा का श्रवण किया और भगवान से अपने परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की। पूजा के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई महिलाओं ने बताया कि वे हर वर्ष यह व्रत पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ रखती हैं। उनका मानना है कि वट सावित्री व्रत भारतीय संस्कृति एवं पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक है, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाने के साथ परिवार में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वट सावित्री व्रत की कथा सत्यवान और सावित्री से जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि सावित्री ने अपने तप, भक्ति और दृढ़ संकल्प से अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त कर लिए थे। तभी से महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और वैवाहिक सुख की कामना को लेकर यह व्रत रखती हैं। वट वृक्ष को भी हिन्दू धर्म में अत्यंत पवित्र माना गया है।

कुम्हेड़ी की महिला ने मुख्यमंत्री आवास योजना में मकान दिलाने की लगाई गुहार

ललितपुर। विकास खंड महरौनी के ग्राम कुम्हेड़ी निवासी एक महिला ने आर्थिक तंगी और आवासीय समस्या को लेकर प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। महिला ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्राम कुम्हेड़ी निवासी हीराबाई अहिरवार पत्नी स्व.रविदास अहिरवार ने अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और उनके पास रहने के लिए पक्का मकान नहीं है। वर्तमान में वह अपने परिवार के साथ झोपड़ी में रहने को मजबूर हैं, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महिला का कहना है कि पात्र होने के बावजूद अब तक उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल सका है। उन्होंने जिलाधिकारी से उनकी परिस्थितियों को देखते हुए योजना के तहत आवास स्वीकृत कराने की मांग की है, ताकि वह अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सके। महिला ने प्रशासन से मामले में शीघ्र कार्रवाई कर राहत दिलाने की अपील की है।

विहान बालिका आवासीय विद्यालय में विज्ञान प्रयोगात्मक गतिविधियों का आयोजन

छात्राओं ने प्रयोगों से सीखी विज्ञान की बारीकियां

अम्ल-क्षार की पहचान से लेकर सूक्ष्मदर्शी से पादप कोशिका के अध्ययन तक छात्राओं ने लिया व्यावहारिक ज्ञान

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

शहर स्थित विहान बालिका आवासीय विद्यालय में शनिवार को छात्राओं के लिए विज्ञान विषय से संबंधित प्रयोगात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गा। संचालन विद्यावाहिनी के शिक्षक द्वारा किया गया, जिसमें छात्राओं को विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों और प्रयोगों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान छात्राओं को अम्ल (एसिड) एवं क्षार (बेस) के बीच अंतर को सरल और वैज्ञानिक तरीके से समझाया गया। प्रयोगों के माध्यम से बताया गया कि विभिन्न सूचकों (इंडिकेटर्स) की सहायता से अम्ल एवं क्षार की पहचान किस प्रकार की जाती है।

प्रयोगात्मक प्रस्तुति के कारण छात्राओं ने विषय को आसानी से समझा और उत्साहपूर्वक गतिविधियों में भाग लिया। इसके बाद छात्राओं को सूक्ष्मदर्शी (माइक्रोस्कोप) के माध्यम से पादप कोशिका का अवलोकन कराया गया। छात्राओं ने कोशिका की संरचना को करीब से देखा और उसके विभिन्न भागों की जानकारी प्राप्त की। इस प्रयोग के दौरान छात्राओं में विज्ञान के प्रति विशेष जिज्ञासा और उत्साह देखने को मिला। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार की प्रयोगात्मक गतिविधियां छात्राओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ-साथ विषय के प्रति रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय परिवार ने विद्यावाहिनी के शिक्षक का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह के आयोजन छात्राओं के शैक्षणिक विकास में अत्यंत उपयोगी साबित हो रहे हैं।

चंदेरी प्रवास के दौरान राजघाट बांध पहुंचे केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री, स्थल निरीक्षण कर जल्द कार्रवाई का दिया आश्वासन

राजघाट बांध के लोकार्पण और सौंदर्यकरण के लिए सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष से करूंगा बात : केन्द्रीय मंत्री

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार में केन्द्रीय राज्यमंत्री डा.राज भूषण चौधरी निषाद ने राजघाट बांध के लोकार्पण और सौंदर्यकरण को लेकर शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। चंदेरी प्रवास के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता डा.योगेश मिश्रा एवं ग्राम मुरादपुर के सरपंच मुकेश रैकवार ने मंत्री के समक्ष दस्तावेजी प्रमाणों के साथ मांग पत्र प्रस्तुत कर राजघाट बांध के अब तक लोकार्पण और सौंदर्यकरण नहीं होने का मुद्दा उठाया।

दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद केन्द्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि वह दिल्ली पहुंचकर केन्द्रीय जल आयोग अध्यक्ष से इस विषय पर चर्चा करेंगे तथा शीघ्र आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। मंत्री डा.निषाद ने आग्रह स्वीकार करते हुए राजघाट बांध का स्थल निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बांध की विशालता, वर्तमान स्थिति और इसके विकास की संभावनाओं का जायजा लिया। इस दौरान बेतवा रिवर बोर्ड के अधिकारी सुमित पंजवानी ने मंत्री को बताया कि बांध का अब तक औपचारिक लोकार्पण और सौंदर्यकरण नहीं हो सका है।

यदि यह कार्य पूरा हो जाता है तो जल शक्ति मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं का लाभ परियोजना को मिल सकेगा और यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण केन्द्र बन सकता है। मंत्री डा.निषाद ने

दो राज्यों की संयुक्त परियोजना है राजघाट बांध

राजघाट बांध, जिसे अब महारानी लक्ष्मीबाई सागर परियोजना के नाम से जाना जाता है, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की संयुक्त परियोजना है। वर्ष 2005 से इसका संचालन हो रहा है, लेकिन दो दशक बाद भी इसका औपचारिक लोकार्पण नहीं हो सका है। बताया गया कि 30 अप्रैल 2015 को बेतवा रिवर बोर्ड की 15वीं विशेष बैठक में दोनों राज्यों ने लोकार्पण और अपने-अपने क्षेत्र में सौंदर्यकरण कराने पर सहमति जताई थी, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्य नहीं हो पाया। केन्द्रीय राज्य मंत्री के स्थल निरीक्षण के बाद क्षेत्रवासियों में उम्मीद जगी है कि राजघाट बांध का लोकार्पण जल्द होगा और इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकेगा। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता डा.योगेश मिश्रा एवं सरपंच मुकेश रैकवार ने मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान लिया और स्थल निरीक्षण कर कार्रवाई का भरोसा दिया।

अधिकारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस संबंध में दिल्ली स्थित मंत्रालय के अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित प्रतिनिधियों को मंत्रालय में आकर विस्तृत चर्चा करने की अनुमति भी प्रदान की।

ब्रीफ न्यूज

ट्रंप का दावाः पाकिस्तान के कहने पर ईरान से किया युद्धविराम

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दो दिवसीय चीन यात्रा पूरी हो चुकी है, लेकिन बीजिंग से लौटते वक्त दिए गए उनके एक बयान ने वैश्विक राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के साथ मौजूदा युद्धविराम उन्होंने पाकिस्तान के बेहद खास आग्रह पर किया है, जिसे उन्होंने एक अहसान के रूप में परिभाषित किया। इस बयान के सामने आने के बाद पश्चिम एशिया की सियासत में कई नए रणनीतिक सवाल खड़े हो गए हैं, और विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका इस समझौते की जिम्मेदारी का एक हिस्सा दूसरे देशों पर डालता हुआ दिख रहा है। भले ही ट्रंप ने यह बयान पाकिस्तान की भूमिका की सराहना करते हुए दिया हो, लेकिन कूटनीतिक जानकार इसे इस्लामाबाद के लिए एक असहज स्थिति मान रहे हैं। सत्ता में आने के बाद से ही ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ करीबी बढ़ाई है, जिसमें पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर के साथ उच्च स्तरीय मुलाकातें शामिल हैं।

ईरान की मिसाइल, ड्रोन और सैन्य संरचना ताकत 90 फीसदी तक नष्ट

वाशिंगटन। अमेरिका सेना ने सीनेट में एक सुनवाई के दौरान ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान का बचाव किया है। ट्रंप प्रशासन ईरान पर हमलों को लेकर अमेरिकी सीनेट में सुनवाई का सामना करना पड़ रहा है। कई सांसदों ने बढ़ते आर्थिक और क्षेत्रीय जोखिमों को लेकर चिंता जताई है। इसी बीच अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि तेहरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के सामने पेश होते हुए एडमिरल चार्ल्स कूपर-द्वितीय ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना ने मध्य पूर्व में सैन्य शक्ति दिखाने की ईरान की क्षमता को कमजोर कर दिया है।

महिलाओं के करीब आने पर जल्दी उड़ जाते हैं शहरी पक्षीः रिसर्च

लंदन। शहरों में रहने वाले पक्षी पुरुषों की तुलना में महिलाओं से ज्यादा डरते हैं और उनके करीब आने पर जल्दी उड़ जाते हैं। यूरोप के वैज्ञानिकों की एक नई रिसर्च ने इस व्यवहार को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। यह रिसर्च फ्रांस, जर्मनी, पोलैंड और स्पेन के वैज्ञानिकों ने मिलकर की है। अध्ययन के दौरान 37 अलग-अलग पक्षी प्रजातियों के व्यवहार का विश्लेषण किया गया। इनमें कौवे, कबूतर, रॉबिन और अन्य छोटे-बड़े शहरी पक्षी शामिल थे। रिसर्च में सामने आया कि पक्षी पुरुषों को अपने करीब आने के लिए औसतन एक मीटर अधिक दूरी तक सहन कर लेते हैं, जबकि महिलाएं जैसे ही नजदीक पहुंचती हैं, वे तेजी से उड़ जाते हैं। वैज्ञानिकों ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि पक्षियों का व्यवहार किसी अन्य वजह से प्रभावित न हो। इसके लिए पुरुष और महिला प्रतिभागियों की ऊंचाई लगभग समान रखी गई। दोनों को एक जैसे कपड़े पहनाए गए ताकि बाहरी रूप से जेंडर पहचानना मुश्किल हो।

एरिज़ोना के पेज के पास ग्लेन कैन्यन बांध से कोलोराडो नदी को देख रहे पर्यटक। अमेरिकी सरकार ने सूखाग्रस्त कोलोराडो नदी के लिए एक योजना का प्रस्ताव रखा है, जिससे एरिज़ोना, कैलिफ़ोर्निया और नेवादा को होने वाली मौजूदा पानी की आपूर्ति में 40 प्रतिशत तक की कटौती हो सकती है, क्योंकि इस जलमार्ग के जलाशयों का जलस्तर लगातार खतरनाक रूप से नीचे गिरता जा रहा है।

इजराइल ने हमास के टॉप मिलिट्री कमांडर अल-हद्दाद को मारने का किया दावा

हमले से पहले इजराइली वायु सेना ने एक नकली अभियान चलाया था

तेल अवीव। इजराइली सेना ने गाजा में हमास के टॉप मिलिट्री लीडर इज्ज अद-दीन अल-हद्दाद को निशाना बनाया है। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने इस हमले की जानकारी दी है। मीडिया ने रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि हमास लीडर को मारने के लिए किया हमला सफल रहा। हालांकि, इजराइली सेना ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

रिपोर्ट के मुताबिक आईडीएफ की दक्षिणी कमान और सैन्य खुफिया निदेशालय को अल-हद्दाद के ठिकाने के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद इजराइली वायु सेना ने हमला करके हद्दाद के ठिकाने को निशाना बनाया। इजराइली खुफिया एजेंसियों ने लंबे समय तक जानकारी जुटाने के बाद हद्दाद के ठिकाने की पहचान की थी। मीडिया ने बताया कि आईडीएफ को 10 दिन पहले हद्दाद के ठिकाने पर हमला करने की मंजूरी दी गई थी। हमले से पहले इजराइली वायु सेना ने एक नकली अभियान चलाया था। इस अभियान का मकसद हमास को गाजा के हवाई क्षेत्र में होने वाली किसी भी असामान्य गतिविधि का पता न लगने देना था।

इसके साथ ही यह तय करना था कि हमास की सैन्य शाखा और इसके साथ ही हद्दाद के करीबी लोग अलर्ट न होने पाएं। नेतन्याहू और काट्ज ने एक संयुक्त बयान में कहा कि हद्दाद हजारों इजराइली नागरिकों और आईडीएफ सैनिकों की हत्या, अपहरण और उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार था। बयान में आगे कहा है कि उसने हमारे बंधकों को बड़ी क्रूरता से कैद में रखा।

नीदरलैंड पहुंचे पीएम मोदी, व्यापार और रक्षा सहयोग पर होगी बड़ी बातचीत

डच प्रधानमंत्री और किंग से मुलाकात, सेमीकंडक्टर व ग्रीन हाइड्रोजन साझेदारी पर रहेगा फोकस

एजेंसी ■ एम्सटर्डम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच देशों के विदेश दौरे के दूसरे चरण में शनिवार को नीदरलैंड पहुंचे हैं, जहां भारतीय प्रवासी समुदाय और स्थानीय कलाकारों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और नीदरलैंड के बीच व्यापार, रक्षा, तकनीक, नवाचार और हरित विकास के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दौरा किया था, जहां ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण समझौते हुए थे।

नीदरलैंड पहुंचने पर द हेग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय प्रवासी समुदाय और स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया। यह दौरा डच प्रधानमंत्री रॉब जेटेन के निमंत्रण पर हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को रॉब जेटेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, जिसमें रक्षा सहयोग, व्यापार विस्तार और नई तकनीकों में साझेदारी प्रमुख मुद्दे होंगे।

आधिकारिक कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री मोदी नीदरलैंड के किंग विलेम-अलेक्जेंडर और क्वीन मैक्सिमा से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, डच उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों और बिजनेस लीडर्स के साथ भी उनकी बैठक प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि इन चर्चाओं में सेमीकंडक्टर निर्माण, ग्रीन हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, रक्षा उत्पादन, सप्लाई चेन और इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई दिशा दी जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी का यह नीदरलैंड का दूसरा दौरा है। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2017 में यहां की यात्रा की थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत और नीदरलैंड के संबंध तेजी से रणनीतिक साझेदारी की ओर बढ़ रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह दौरा दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और मजबूती देगा तथा यूरोप के बड़े भारतीय समुदाय से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने भी इस यात्रा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, जल प्रबंधन, कृषि और स्वास्थ्य जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के साथ-साथ तकनीक, रक्षा, सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा और समुद्री सहयोग में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

नीदरलैंड में भारतीय समुदाय भी भारत-नीदरलैंड संबंधों का अहम आधार माना जाता है। वहां करीब 90 हजार भारतीय और भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जबकि सूरीनाम हिंदुस्तानी समुदाय के दो लाख से अधिक सदस्य बसे हुए हैं। इसके अलावा लगभग 3,500 भारतीय छात्र विभिन्न डच विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

अमेरिका-नाइजीरियाई संयुक्त सेना ने आतंकी अल-मिनुकी को मार गिराया

आईएसआईएस का दूसरे नंबर का कमांडर था, अफ्रीकी क्षेत्र में था सक्रिय

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका ने नाइजीरिया में एक ऑपरेशन चलाया था जिसमें आईएसआईएस के वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े कमांडर अबू-बिलाल अल-मिनुकी को मार गिराया गया है। ट्रंप के मुताबिक अबू-बिलाल अल-मिनुकी को मारने का ऑपरेशन अमेरिका और नाइजीरियाई सेना ने मिलकर किया था। ट्रंप ने अल-मिनुकी के मारे जाने की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब अफ्रीका के लोगों को नहीं डराएगा और न ही अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले ऑपरेशन्स की प्लानिंग में मदद करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने लिखा- आज रात मेरे निर्देश पर बहादुर अमेरिकी सेना और नाइजीरियाई सेना ने दुनिया के सबसे सक्रिय आतंकवादी को युद्ध के मैदान से खत्म करने के लिए एक बहुत ही बारीकी से प्लान किए गए और बेहद मुश्किल मिशन को बिना किसी गलती के अंजाम दिया। अबू-बिलाल अल-मिनुकी, जो दुनिया भर में आईएसआईएस

का दूसरे नंबर का कमांडर था, उसे लगा कि वह अफ्रीका में छिप सकता है, लेकिन उसे जरा भी अंदाजा नहीं था कि हमारे पास ऐसे सूत्र थे जो हमें पल-पल की खबर दे रहे थे कि वह क्या कर रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अल-मैनुकी मुख्य रूप से अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में सक्रिय था जो 12 देशों में फैला हुआ है। साहेल अफ्रीका का एक अर्ध-शुष्क संक्रमण क्षेत्र है जो अटलांटिक महासागर से लेकर लाल सागर तक पूरे महाद्वीप में 5,900 किलोमीटर तक फैला है। यह उत्तर में स्थित शुष्क सहारा रेगिस्तान को दक्षिण में स्थित आर्द्र सूडानी सवाना क्षेत्रों से अलग करता है। यह क्षेत्र मुख्य रूप से सेनेगल, मॉरिटानिया, माली, बुर्किना फासो, नाइजर, नाइजीरिया, चाड और सूडान तक फैला है।

चीन से खाली हाथ अमेरिका लौटे ट्रंप

दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने संयुक्त बयान तक जारी नहीं किया

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप तीन दिवसीय चीन दौरे के बाद शुक्रवार को अमेरिका लौट गए। उन्होंने अपनी यात्रा को ÷ऐतिहासिक÷ और ÷बेहद सफल÷ बताया, लेकिन छह दौर की बैठकों के बावजूद अमेरिका और चीन के बीच किसी बड़े समझौते या संयुक्त बयान की घोषणा नहीं हो सकी। इस वजह से दौरे के वास्तविक परिणामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई शिखर वार्ता में ईरान युद्ध, ताइवान, ट्रेड-टैरिफ विवाद, रेयर अर्थ मिनरल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चिप टेक्नोलॉजी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा हुई। ट्रंप ने दावा किया कि दोनों देशों ने कई समस्याओं को सुलझाने की दिशा में प्रगति की है और द्विपक्षीय संबंध पहले से अधिक मजबूत हुए हैं, लेकिन उन्होंने किसी ठोस सहमति या समझौते का स्पष्ट विवरण नहीं दिया। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, ईरान युद्ध और व्यापारिक तनाव के बीच इस यात्रा को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था। करीब नौ वर्षों बाद चीन पहुंचे ट्रंप के साथ 17 बड़े अमेरिकी कारोबारी भी गए थे, जिससे बोइंग विमान सौदे, कृषि खरीद, कर्ज सहयोग और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बड़े व्यापारिक एलानों की उम्मीद की जा रही थी। हालांकि यात्रा समाप्त होने तक इन मुद्दों पर कोई औपचारिक समझौता सामने नहीं आया। इसके बावजूद दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत गर्मजोशी देखने को मिली। चीन ने ट्रंप के स्वागत में रेड कार्पेट बिछाया, स्टेट डिनर आयोजित किया और झोंगनानहाई में विशेष मेजबानी कर संबंधों में स्थिरता का संकेत देने की कोशिश की। चीन यात्रा के बाद दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने दावा किया कि शी जिनपिंग अमेरिका में सैकड़ों अरब डॉलर के निवेश और 200 बोइंग विमान खरीदने पर सहमत हुए हैं। हालांकि चीन की ओर से इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। चीनी सरकार ने केवल व्यापक सहयोग, स्थिरता और शांति बनाए रखने की बात कही।

चीन से मिले तोहफे को कूड़ेदान में फेंककर चले गए ट्रंप, फोन भी किए नष्ट

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीन दिवसीय यात्रा पर चीन आए हुए थे। यहां उनकी जमकर खातिरदारी की गई। उन्हे महंगे-महंगे गिफ्ट भी दिए गए। लेकिन ट्रंप ने अपने विमान पर चढ़ने से पहले ही सभी तोहफे कूड़ेदान में फेंक दिए। जासूसी और चीनी साइबर हमले के जरिए डेटा चोरी के डर से ट्रंप के पूरे डेलिगेशन ने राष्ट्रपति के विशेष विमान एयर फोर्स वन में सवार होने से पहले, चीनी अधिकारियों और मेजबानों द्वारा दिए गए सभी गिफ्ट्स, गैजेट्स और अन्य सामानों को या तो नष्ट कर दिया या फिर वहीं बीजिंग में ही छोड़ दिया। सुरक्षा से जुड़ी ग्राउंड रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने बीजिंग से उड़ान भरने से ठीक पहले उन सभी चीजों को एक जगह इकट्ठा किया जो उन्हें उनकी चीन यात्रा के दौरान मिली थीं। इनमें व्हाइट हाउस के कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को जारी किए गए बर्नर फोन, डेलिगेशन पिन, यात्रा के दौरान इस्तेमाल हुए क्रेडेंशियल्स (पहचान पत्र) और अन्य उपहार शामिल थे। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत एयर फोर्स वन में चढ़ने से पहले इन सभी चीजों को डस्टबिन में फेंक दिया गया या फिर पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट ने बालेन शाह सरकार को दिया झटका

भारतीय सामानों पर कस्टम ड्यूटी वसूली पर अंतरिम रोक

एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने भारत-नेपाल सीमा पर भारतीय सामानों पर लगाए जा रहे विवादित कस्टम ड्यूटी प्रावधान पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने बालेन शाह सरकार के उस फैसले के अमल पर रोक लगाई है, जिसके तहत भारतीय सीमा से नेपाल लाए जाने वाले 100 रुपये से अधिक मूल्य के दैनिक उपयोग के सामानों पर सीमा शुल्क वसूला जा रहा था।

जस्टिस हरि प्रसाद फुयाल और टेक प्रसाद ढुंगाना की संयुक्त पीठ ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान यह अंतरिम आदेश जारी किया। अदालत ने प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिपरिषद, वित्त मंत्रालय और संबंधित सरकारी एजेंसियों को निर्देश दिया कि अगले आदेश तक इस व्यवस्था को लागू न किया जाए। यह आदेश उस रिट याचिका पर सुनवाई के बाद दिया गया, जिसमें वित्त मंत्रालय के फैसले को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि 100 रुपये से अधिक कीमत के सामान पर कस्टम ड्यूटी लगाने का प्रावधान नेपाल के कस्टम एक्ट 2024 के अनुरूप नहीं है और इससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सरकार के फैसले पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए अंतिम निर्णय आने तक पुरानी व्यवस्था बहाल रखने का निर्देश दिया। अदालत के इस आदेश से फिलहाल सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, बालेन शाह सरकार बनने के बाद नेपाल के वित्त मंत्रालय ने सीमा पार से आने वाले 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर कस्टम ड्यूटी अनिवार्य कर दी थी।

वायरस दुनिया पर एक और वायरस का साया

कांगो में इबोला के प्रकोप से अब तक 65 लोगों की मौत

एजेंसी ■ किंशासा

दुनिया अभी अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों से उबर ही रही थी कि इस बीच इबोला वायरस ने एक बार फिर पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। अफ्रीका की शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था अफ्रीका सीडीसी ने कांगो के इतुरी प्रांत में इबोला फैलने की पुष्टि की है। इस खतरनाक बीमारी की चपेट में आने से अब तक 65 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 246 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले मोंगवालु और रवामपारा हेल्थ जोन में दर्ज किए

गए हैं, जिनमें से चार मामलों की प्रयोगशाला में पुष्टि हो चुकी है।

इबोला एक बेहद संक्रामक और जानलेवा बीमारी है, जो संक्रमित व्यक्ति के खून, उल्टी और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के सीधे संपर्क में आने से फैलती है। हालांकि, वैज्ञानिक अभी इस बात की जांच कर रहे हैं कि इस बार कौन-सा वायरस स्ट्रेन तबाही मचा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, इबोला बीमारी कई तरह के वायरस से फैलती है। कांगो में पहले इबोला जायर स्ट्रेन का प्रकोप देखा गया था, लेकिन इस बार बुंडीबुग्यो वायरस के संकेत मिले हैं। इसका असर पड़ोसी देश युगांडा में भी देखने को मिला है, जहां कांगो से आए एक नागरिक की इस वायरस के कारण मौत हो गई।

इस संकट से निपटने के लिए डब्ल्यूएचओ ने कांगो की मदद के लिए 5 लाख डॉलर की आपात सहायता राशि जारी की है। संगठन की एक विशेष टीम संक्रमण की जांच और सैंपल इकट्ठा करने के लिए प्रभावित इलाकों में तैनात की गई है। कांगो के लिए यह चुनौती इसलिए भी बड़ी है क्योंकि संक्रमित क्षेत्र युगांडा और दक्षिण सूडान की सीमा के बेहद करीब हैं। इसके अलावा, मोंगवालु इलाके में खनन गतिविधियों और लोगों की लगातार आवाजाही के कारण संक्रमण का दायरा बढ़ने का खतरा है। खराब सड़कें और सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं हालात को और जटिल बना रही हैं। कांगो में यह इबोला का 17वां बड़ा प्रकोप है, जहां साल 1976 में पहली बार यह बीमारी सामने आई थी। पूर्व में भी इस वायरस ने अफ्रीका में हजारों लोगों की जान ली है। अफ्रीका सीडीसी ने चेतावनी दी है कि प्रभावित क्षेत्रों से संक्रमण दूसरे देशों में फैल सकता है, जिसे देखते हुए पड़ोसी देशों के साथ एक आपात बैठक बुलाई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि हालांकि कांगो के पास इबोला से निपटने का पुराना अनुभव है, लेकिन मौजूदा स्ट्रेन पर वैक्सीन कितनी प्रभावी होगी, यह देखना अभी बाकी है।

अब मसूरी नहीं लाहौर में होगी बांग्लादेशी अफसरों की ट्रेनिंग

एजेंसी ■ ढाका

भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में हालिया तनाव के बीच एक बड़ा कूटनीतिक और प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला है। लंबे समय तक भारतीय हिल स्टेशन मसूरी में ट्रेनिंग पाने वाले बांग्लादेशी नौकरशाहों ने अब पाकिस्तान के लाहौर का रुख कर लिया है। ढाका से मिले ताजा घटनाक्रम के अनुसार, बांग्लादेश के 12 वरिष्ठ नौकरशाह इन दिनों लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज अकादमी में विशेष प्रशिक्षण ले रहे हैं। 4 से 21 मई तक चलने वाला यह कार्यक्रम दोनों देशों के बीच अपनी तरह का पहला संगठित प्रशिक्षण सत्र है, जिसे दक्षिण एशिया की बदलती कूटनीतिक तस्वीर से जोड़कर देखा जा रहा है।

दरअसल, बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हटने के बाद ढाका और इस्लामाबाद के रिश्तों में तेजी से नजदीकी बढ़ी है। दोनों देश व्यापार, प्रशासन और रणनीतिक सहयोग जैसे कई मोर्चों पर संपर्क बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, ढाका के कुछ अधिकारियों का मानना है कि बांग्लादेश आने वाले समय में नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों के साथ संतुलन बनाकर चलने की कोशिश करेगा।

केरल से कांग्रेस आलाकमान का संदेश

केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की बंपर जीत के बाद कांग्रेस आलाकमान ने एक बहुत बड़ा और सकारात्मक राजनीतिक फैसला लिया है। दिल्ली दरबार ने किसी भी गुटबाजी के आगे न झुकते हुए केरल के लोकप्रिय नेता वी. डी. सतीशन को नया मुख्यमंत्री चुनकर देश भर के कार्यकर्ताओं को एक ठोस संदेश दिया है। यह संदेश जनता की तरफ से नहीं, बल्कि खुद कांग्रेस नेतृत्व की ओर से आया है, जिसने यह जता दिया है कि अब पार्टी पुराने ढर्रे और गलतियों से सबक सीख चुकी है। आलाकमान का यह कदम साफ इशारा करता है कि संगठन को मजबूत करने के लिए अब केवल जमीन पर पसीना बहाने वाले चेहरों को ही तवज्जो दी जाएगी।कांग्रेस के इतिहास में लंबे समय से एक बड़ी कमजोरी रही है, जहां जमीन पर रात-दिन काम करने वाले जनप्रिय नेताओं की जगह दिल्ली में लॉबिंग करने वाले नेताओं को कमान सौंप दी जाती थी। मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनावों में जनता और कार्यकर्ता दिल से चाहते थे कि ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट जैसे ऊर्जावान युवाओं को मुख्यमंत्री बनाया जाए। लेकिन दिल्ली दरबार ने पुराने समीकरणों को प्राथमिकता देते हुए कमलनाथ और अशोक गहलोत के हाथों में सत्ता सौंप दी। नतीजा यह हुआ कि संगठन कमजोर होता गया और अंदरूनी कलह से राज्यों में बनी-बनाई सरकारें हाथ से निकल गईं या कमजोर हो गईं। ठीक ऐसा ही हाल आज कर्नाटक और हरियाणा में भी देखने को मिल रहा है। कर्नाटक में सिद्धासरमैया और डी. के. शिवकुमार के बीच की खींचतान और हरियाणा की आंतरिक गुटबाजी ने पार्टी संगठन को भारी नुकसान पहुंचाया है।

आईटी नियम दूसरा संशोधन, 2026: भारत के डिजिटल शासन की ओर एक बड़ा कदम

वैभव गग्गर, सुकाम्या वहल

भारत का डिजिटल इकोसिस्टम तेजी से विकसित हुआ है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म अब लोगों के संवाद करने और जानकारी तक पहुँचते के तरीकों में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। इसने जवाबदेही और ऑनलाइन नुकसान को लेकर नई चुनौतियाँ भी पेश की हैं और मौजूदा नियामक व्यवस्था को तदनुसार विकसित होने की आवश्यकता है।

इस संदर्भ में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में किए जाने वाले प्रस्तावित बदलाव, जो 30 मार्च, 2026 को प्रकाशित किए गए हैं, भारत की डिजिटल नियामक व्यवस्था में प्रक्रिया से जुड़ी कमियों को दूर करने के लिए एक बड़े कदम को प्रतिबिंबित करते हैं। इन मसौदा संशोधनों का उद्देश्य भाग II के तहत मंत्रालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण, परामर्श और दिशा-निर्देशों के अनुरूप मध्यस्थों के अनुपालन को मजबूत करना और भाग III के तहत डिजिटल मीडिया से संबंधित कंटेंट नियमन व्यवस्था की नियामक निगरानी के प्रभाव को बढ़ाना है।

सबसे पहले, नियम 3(1)(जी) और 3(1)(एच) के तहत डेटा रखरखाव की जिम्मेदारियों के संबंध में स्पष्टीकरण है। प्रस्तावित संशोधन स्पष्ट करता है कि रखरखाव आवश्यकताओं से जुड़े नियम; अन्य लागू कानूनों के तहत निर्धारित जिम्मेदारियों के अतिरिक्त हैं। इससे वह अस्पष्टता दूर होती है जिसने कभी-कभी मध्यस्थों को अलग-अलग या न्यूनतम अनुपालन दृष्टिकोण अपनाने की अनुमति दी है। आईटी अधिनियम डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को अकेले काम करने की अनुमति नहीं देता। उन्हें आपराधिक प्रक्रिया कानून, वित्तीय नियम और केवल उनके उद्योग पर लागू होने वाले नियमों का भी पालन करना होता है। इस अर्थ में, यह स्पष्टीकरण अर्थपूर्ण और आवश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि संशोधन रखरखाव से संबंधित है, पहुँच से नहीं। ऐसे डेटा का खुलासा कानूनी प्रक्रियाओं और सांविधिक सुरक्षा के अधीन रहता है। हालांकि इस प्रकार की एक सामान्य संरक्षण धारा को इस रूप में पढ़ा जा सकता है कि यह उकसाने वाला, अतिव्यापी या यहाँ तक कि मध्यस्थों द्वारा उपयोगकर्ता डेटा के अनिश्चितकालीन रखरखाव के बारे में है, क्योंकि विभिन्न कानूनी दस्तावेज़ आवश्यकता, उद्देश्य की सीमा या आनुपातिकता का संदर्भ दिए बिना ही ऐसी शर्तें लागू करते हैं। ऐसी चिंताओं को दूर करने के लिए एक स्पष्टीकरण जारी किया जा सकता है, यदि भविष्य में ऐसी चिंता सामने आती है। दूसरा, प्रस्तावित नियम 3(4) को जोड़ना है, जो मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श, स्पष्टीकरण और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत दायित्वपूर्ण कर्तव्यों के रूप में बाध्यकारी बनाता है। नियमों की धारा 79से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के कंटेंट की जिम्मेदारी के लिए एक सशर्त सुरक्षित ठिकाना मिल गया था, बशर्ते कि वे उचित प्रक्रिया का पालन करें और गैरकानूनी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग न लें। बड़े पैमाने पर उपयोगकर्ता-कंटेंट पर नज़र रखने से बचाने के लिए यह मध्यस्थों के लिए एक ढाल के रूप में काम करता था। सर्वोच्च न्यायालय ने श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ मामले में कहा कि सुरक्षित ठिकाना परंपरागत रूप से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के कंटेंट के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने से बचाता रहा है, जब तक कि वे अवैध गतिविधि के वास्तविक ज्ञान पर कार्रवाई करते हैं। इस सिद्धांत ने प्लेटफार्मों को जानकारी के प्रवाह में तटस्थ बनाए रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन

तब से डिजिटल इकोसिस्टम बहुत बदल गया है। प्लेटफार्म अब केवल निष्क्रिय मध्यस्थ नहीं हैं। उनके आकार और एल्गोरिदम उपयोग करने की उनकी क्षमता ने ऑनलाइन नुकसान और लोगों को प्रभावित करने के तरीकों को बदल दिया है। इस स्थिति में, केवल न्यायालय के आदेश या औपचारिक नोटिस पर प्रतिक्रिया देने वाला मॉडल धीरे-धीरे अप्रभावी हो जाता है। नियम 3(4) शासन को अधिक लचीला बनाकर इस कमी को दूर करता है। यह कंटेंट हटाने के लिए कानूनी आदेशों की आवश्यकता को खत्म नहीं करता; इसके बजाय, यह कार्यकारी उपकरणों के माध्यम से, समग्र रूप से प्लेटफ़ॉर्मों के कार्य करने के तरीके को निर्देशित करने का प्रयास करता है।संभावित अतिशयोक्ति के बारे में वैध चिंताएं हैं, लेकिन तथ्य यह है कि सुरक्षित ठिकाना शर्तों पर आधारित है, इसका हमेशा मतलब रहा है कि उचित कार्रवाई मानक बदल सकते हैं। चीजों को और अधिक वैध बनाने के लिए, यह समझदारी होगी कि इस प्रकार की सलाहें और एसओपी पारदर्शिता के उपायों के साथ जारी किये जाएँ, जैसे प्रकाशन, अच्छी तरह से सोचा गया कारण, और यदि संभव हो तो, हितधारकों से परामर्श। तीसरे, संशोधन प्रस्तावित करता है कि नियम 8.1 की उपधारा को इस तरह बदल दिया जाए कि भाग ढ्ढढ्ढ के नियम 14, 15 और 16 न केवल प्रकाशकों पर लागू हों बल्कि मध्यस्थों पर और उपयोगकर्ताओं द्वारा मध्यस्थों के कंप्यूटर संसाधनों पर प्रकाशित समाचार और समसामयिक घटनाक्रम कंटेंट पर भी लागू हों, जो प्रकाशक नहीं हैं। उपयोगकर्ता और प्रकाशक के बीच का अंतर स्पष्ट नहीं है। यह डिजिटल मीडिया निरीक्षण फ्रेमवर्क के दायरे में एक महत्वपूर्ण विस्तार है, जो पहले मुख्य रूप से समाचार और संकलित कंटेंट के संगठित प्रकाशकों के प्रति केंद्रित था। संशोधन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कहीं से भी आने वाले कंटेंट के मामले में गंभीर नियम उल्लंघनों को निपटाया जा सके तथा इसके लिए ऐसे कंटेंट को नियम 14 से 16 में शामिल किया गया है। यह पारंपरिक प्रकाशकों और कार्यात्मक रूप से समान गतिविधियों में लगे डिजिटल-स्थानीय कर्मियों के बीच समानता को और बढ़ावा देता है। इस प्रकार, संशोधन नियामक समानता को बढ़ावा देता है और वर्तमान फ्रेमवर्क में संरचनात्मक कमी को ख़त्म करता है। इसके साथ ही एक विचारशील फीडबैक बिंदु यह है कि भाग III का उपयोग उपयोगकर्ता-जनित कंटेंट पर गंभीर और प्रणालीगत नुकसान तक ही सीमित रहना चाहिए। बहुत ज़्यादा सख्ती से लागू होने से बचने के लिए, जिससे वैध राजनीतिक भाषण या लोगों की खोजी पत्रकारिता पर रोक लग सकती है, मंत्रालय यह विचार कर सकता है कि नियम 14 से 16 के तहत मध्यस्थों को लक्षित हस्तक्षेप; स्पष्ट मानदंडों, जैसे पहुँच, प्रभाव और जोखिम के आधार पर किए जाएंगे तथा न्यूनतम प्रतिबंधात्मक उपायों का उपयोग किया जाएगा। यह मध्यस्थ द्वारा समर्थन (होस्ट) दिए गये कंटेंट के निरीक्षण को बेहतर बनाने के घोषित उद्देश्य के साथ-साथ एक खुली और बहुल डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र को बनाए रखने के उद्देश्य के अनुरूप होगा। अंत में, नियम 14 में प्रस्तावित बदलाव, जिसमें शिकायतों को बदलकर मामले किया गया है, एक प्रतिक्रियाशील से अधिक सक्रिय नियामक दृष्टिकोण की ओर परिवर्तन को दर्शाता है। अंतर-विभागीय समिति (आईडीसी) अब केवल व्यक्तिगत शिकायतों के समाधान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सरकार द्वारा संदर्भ दिए जाने पर व्यापक, प्रणालीगत मुद्दों पर भी विचार कर सकती है। एक ऐसे परिवेश में जहाँ व्यवस्थित तौर पर गलत सूचना फैलाने वाले अभियान जैसे नुकसान अक्सर व्यक्तिगत शिकायतों से आगे चली जाती हैं, यह लचीलापन समयानुकूल और आवश्यक दोनों है। साथ ही, आईडीसीके अधिकार क्षेत्र के विस्तार से प्रक्रियात्मक सुरक्षा की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। विचार किए गए मामलों की प्रकृति का समय-समय पर खुलासा, साथ ही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन, संस्थागत विश्वसनीयता को मजबूत करेगा और मनमानी हस्तक्षेप की धारणा में कमी लायेगा। संपूर्ण रूप से देखें तो, मसौदा संशोधन भारत के मध्यस्थता दायित्व व्यवस्था को आधुनिक बनाने का एक व्यावहारिक प्रयास पेश करते हैं। वे इस बात को स्वीकार करते हैं कि स्थिर कानूनी सिद्धांत पूर्ण रूप से गतिशील तकनीकी वास्तविकताओं का समाधान नहीं कर सकते। हालांकि, चुनौती कार्यान्वयन में निहित है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि विस्तारित नियामक शक्तियों का उपयोग पारदर्शी, अनुपातिक और इंटरनेट के खुले स्वरूप को बनाए रखने वाले तरीके से किया जाए। यदि सावधानीपूर्वक उपयोग किया जाए, तो ये सुधार एक व्यावहारिक संतुलन स्थापित कर सकते हैं और नवाचार या स्वतंत्र अभिव्यक्ति को कमजोर किए बिना उत्तरदायित्व को मजबूत कर सकते हैं।

(लेखक वैभव गग्गरवरिष्ठ अधिवक्ता और सुकाम्या वहल अधिवक्ता हैं)

छुपे और सधे कदमों से आ रही है महंगाई

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स) उछलकर 696.988 अरब (लगभग 58.5 लाख करोड़) के स्तर पर पहुंच गया है। हाल ही में, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप और विदेशी मुद्रा की कमी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम जनता से ईंधन बचाने और सोना कम खरीदने की अपील की थी। प्रधानमंत्री की इस आर्थिक देशभक्ति वाली अपील के बाद से सोने के आयात और ईंधन की खपत में कमी दर्ज की गई, जिसने भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा (लगभग 37.8 अरब तक) बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 8 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 6.295 अरब का शानदार उछाल आया। इस बढ़ोतरी के साथ देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 696.988 अरब तक पहुंच गया है। आपको बता दें कि सरकार की सारी कोशिशें विदेशी मुद्रा भंडार को बढाने ताकि रूपये की अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बने और महंगाई को नियंत्रित किया जा सके दरअसल

यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं होती, यह सीधे आम आदमी की रसोई, यात्रा, जेब और जीवन की चिंता से जुड़ी होती है। जब पेट्रोल-डीजल महंगे होते हैं, रसोई गैस का बोश बढ़ता है, दूध के दाम चढ़ते हैं और रोजमर्रा की चीजों की कीमतें ऊपर जाने लगती हैं, तो इसका असर सिर्फ बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हर घर के बजट को हिला देता है। आज देश एक बार फिर ऐसे ही दौर से गुजरता दिखाई दे रहा है, जहां महंगाई की चौतरफा मार ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को प्रभावित किया है। भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति ज्यादा गंभीर है, क्योंकि हमारी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, परिवहन, बिजली और उत्पादन लागत पर पड़ता है। जब ईंधन महंगा होता है, तो खेत से मंडी, मंडी से बाजार और बाजार से घर तक हर वस्तु की बुलाई महंगी हो जाती है। यही कारण है कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि धीरे-धीरे पूरे बाजार में महंगाई का रूप ले लेती है। मई महीने के शुरुआती दिनों में ही महंगाई के कई संकेत सामने आ गए। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी ने होटल, रेस्टोरेंट, छोटे दुकानदारों और खान-पान से जुड़े कारोबारियों की परेशानी बढ़ा दी है।

मनोज कुमार अग्रवाल

19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में करीब एक हजार रुपये तक का इजाफा छोटी दुकानों और मध्यम कारोबारियों के लिए बड़ा झटका है। इसका सीधा असर तैयार भोजन, मिठाई, चाय-नाश्ता और बाहर खाने की कीमतों पर दिख सकता है। भले ही भरेलू रसोई गैस के दाम फिलहाल स्थिर रखे गए हों, लेकिन कमर्शियल गैस की महंगाई आखिरकार आम ग्राहक तक पहुंचती ही है। दूध की कीमतों में बढ़ोतरी भी आम परिवारों के बजट को प्रभावित करने वाली है। दूध ऐसी वस्तु है, जिसका इस्तेमाल लगभग हर घर में होता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, चाय से लेकर मिठाई तक, दूध का महत्व रोजमर्रा के जीवन में बहुत अधिक है। अमूल और मदर डेयरी जैसी बड़ी कंपनियों द्वारा प्रति लीटर कीमत में वृद्धि का असर शहरों से लेकर कस्बों तक महसूस किया जाएगा। दूध महंगा होने का मतलब केवल दूध का महंगा होना नहीं है, बल्कि दही, पनीर, मिठाई और अन्य डेयरी उत्पादों की कीमतों में भी वृद्धि की आशंका है। पेट्रोल और डीजल के दाम में वृद्धि सबसे व्यापक असर डालती है। पेट्रोल महंगा होने से निजी वाहन चलाने वालों पर बोझ बढ़ता है, जबकि डीजल महंगा होने से माल बुलाई, बस सेवा, कृषि कार्य और उद्योगों की लागत बढ़ती है। डीजल की कीमतें बढ़ने का असर किसानों पर भी पड़ता है, क्योंकि सिंचाई, ट्रैक्टर और कृषि परिवहन में इसका उपयोग होता है। जब किसान की लागत बढ़?ती है, तो खाद्य पदार्थों की कीमतों पर भी दबाव बनता है। इस तरह ईंधन की महंगाई एक ऐसी श्रृंखला बनाती बनाती है, जिसका अंतिम बोझ उपभोक्ता पर ही आता है। सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी भी शहरों के लिए चिंता का विषय है। दिल्ली, मुंबई और अन्य महानगरों में ऑटो, टैक्सी और सार्वजनिक परिवहन का बड़ा हिस्सा सीएनजी पर निर्भर है। सीएनजी महंगी होने से यात्रियों को अधिक किराया देना पड़ सकता है। रोजाना काम पर जाने वाले कर्मचारी, विद्यार्थी, छोटे व्यापारी और आम परिवार इससे सीधे प्रभावित होंगे। जिस सार्वजनिक परिवहन को आम आदमी की राहत माना जाता है, यदि वही महंगा हो जाए तो आम जीवन और कठिन हो जाता है। सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं पर आयात शुल्क बढ़ाने का फैसला विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाते के घाटे को नियंत्रित करने की दृष्टि से समझा जा सकता है। भारत में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक परंपराओं से भी जुड़ा है। शादी-ब्याह और त्योहारों में सोने की खरीदारी आम बात है। लेकिन जब देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ता है, तब गैर-जरूरी आयात कम करना भी आवश्यक हो जाता है। प्रधानमंत्री द्वारा सोने की खरीद टालने और ईंधन बचाने की अपील इसी आर्थिक चिंता को दर्शाती है। हालांकि, ऐसी अपील तभी सफल हो सकती है जब सरकार स्वयं भी खर्चों में संयम और नीति में स्पष्टता दिखाए। महंगाई का सबसे बड़ा असर मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। घर का किराया, बच्चों की पढ़ाई, दवा, राशन, बिजली, परिवहन और ईएमआई इन सबके बीच यदि दूध, गैस और ईंधन भी महंगे हो जाएं, तो बजट बिगड़ना स्वाभाविक है। कई परिवारों को गैर-जरूरी खर्च कम करने पड़ते हैं, बचत घटती है और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा कमजोर होती है। थोक महंगाई में वृद्धि एक गंभीर संकेत है।

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

ललित गर्ग

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को ÷सावधान रहने÷ की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मर्यादा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है।

फीचर

बच्चों को दें ये जानकारी

बच्चों को शुरु से ही खाने पीने के सामान पर बने निशाने के बारे में भी जरुरी जानकारी देनी चाहिये। इससे उन्हें सही सामान लेने में सहायता मिलेगी। इसलिए अभिभावकों का काम है कि उन्हें इसके बारे में बतायें।

बच्चों को बताये कि पैकेट में किस प्रकार का सामान है उसके जानकारी ये निशान देते हैं। इसका कारण है कि कुछ लोग शुद्ध शाकाहारी होते हैं। वहीं कुछ मांसाहारी होते हैं। कुछ लोग मीट नहीं खाते लेकिन अंडे खाते हैं।

इसलिए खाने पीने के सामान पर इसके संकेत होते हैं। सामान पर लाल या हरा निशान बना होता है। लोग इसे देखकर जान पाते हैं कि प्रोडक्ट वेज है या नॉन वेज। लाल और हरे के अलावा भी इन पैकेट्स पर कई दूसरे रंग के निशान भी होते हैं। इसमें नीला, पीला और काला शामिल है। इन रंगों का भी काफी महत्व है और इससे उस खाद्य पदार्थ के बारे में कई चीजें पता चलती है।

ये होता है मतलब

अभी तक लोगों को सिर्फ लाल और हरे निशान का ही मतलब पता है। लाल निशान वाली चीजें नॉन वेज होती है जबकि हरी शाकाहारियों के लिए बेस्ट होती है पर कई फ़ूड प्रोडक्ट्स पर नीला, पीला और काला निशान भी होता है। आपको इन रंगों का मतलब शायद ही पता होगा। आपको बता दें कि अगर किसी पैकेट पर नीला निशान है तो इसका मतलब है कि वो प्रोडक्ट मेडिकल से जुड़ा है। अगर इसपर पीला निशान है तो मतलब उसमें अंडा मिला हुआ है. वहीं काले निशान वाली चीजों में कई केमिकल्स मिलाए जाते हैं।

अगर आप किसी खाद्य पदार्थ को खरीद रहे हैं, तो उससे पहले इन निशानों को जरूर चेक कर लें। अगर आपको प्रोडक्ट में काला निशान नजर आता है तो उस चीज को भूल से भी ना खरीदे। काला निशान ये दर्शाता है कि उस खाद्य पदार्थ में जमकर केमिकल्स मिलाए गए हैं।

प्रेरणा

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है।

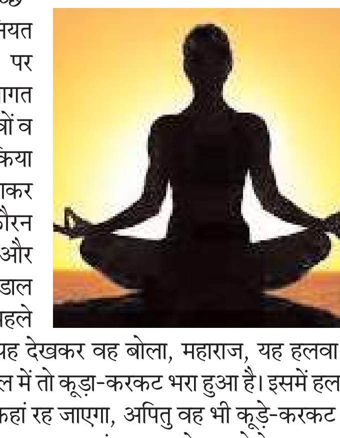

अपनी बात

धार की ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। यह सांस्कृतिक विरासत, आस्था और इतिहास के सम्मान से जुड़ा अहम फैसला है। श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार मिलेगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण में भोजशाला की गरिमा और मजबूत होगी। मां वाग्देवी की प्रतिमा को ब्रिटेन से वापस लाने के आवश्यक प्रयास सरकार करेगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा- दोषियों को पाताल से भी ढूंढ निकालेंगे। हालांकि, मंत्री से पहले एनटीए ने एक्स पर नई तारीखों की जानकारी पहले ही दे दी थी। 21 जून को छात्र दोबारा परीक्षा दे पाएंगे। मंत्री ने एलान किया कि नीट यूजी 2026 के री-एग्जाम के एडमिट कार्ड 14 जून तक जारी कर दिए जाएंगे। इसके अलावा छात्रों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। छात्र रीएग्जाम में अपनी पसंद का सेंटर चुन पाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा खिलाते भोपाल के दो बुकी गिरफ्तार, सैमसंग फोल्ड और आईफोन जब्त

गुना। शहर की कैंट थाना पुलिस ने कुशमोदा क्षेत्र में दबिश देकर आईपीएल क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा खेल रहे और खिला रहे भोपाल के दो सटोरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से महंगे स्मार्टफोन जब्त किए गए हैं, जिनमें सट्टे की लाइव आईडी एक्टिव थी। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कस्तूरबा नगर (कुशमोदा) में दो युवक मोबाइल के जरिए आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा चला रहे हैं। सूचना की तस्दीक के लिए पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर मौके से राहुल मेहरा (26), निवासी भेल भोपाल और रितिक भण्डारी (25), निवासी अवधपुरी भोपाल को दबोच लिया।

आईफोन और सैमसंग फोल्ड 6 में चल रही थी सट्टा आईडी- आरोपियों के मोबाइलों की जांच करने पर राहुल के सैमसंग जेड फोल्ड-6 फोन में क्रिकबेट.99क्लब और रितिक के आईफोन 17 प्रो मैक्स में ग्रैंड एक्सचेंज की क्लाइंट आईडी खुली पाई गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें यह सट्टा आईडी भोपाल के ही आदित्य उपाध्याय और राहुल वर्मा ने उपलब्ध कराई थी। पुलिस ने दोनों मोबाइल जब्त कर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पत्नी को साथ ले जाने की बात पर जीजा-साले में विवाद, साले ने जीजा का सिर फोड़ा

गुना। जिले के धरनावदा थानांतर्गत ग्राम परवाह में जीजा और साले के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। पत्नी को साथ भेजने और बच्चों को भी ले जाने की बात पर हुए विवाद में साले ने अपने साथी के साथ मिलकर जीजा की बेरहमी से पिटाई कर दी। फरियादी राधामोहन अहिरवार (35) ने पुलिस को बताया कि उसका छोटा साला लखन अहिरवार और बड़े साले का लड़का निर्मल उसके घर आए और उसकी पत्नी भागवती को तुरंत अपने साथ ले जाने की जिद करने लगे। जब राधामोहन ने कहा कि पत्नी के साथ दोनों बच्चों को भी ले जाओ, तो दोनों भड़क गए। निर्मल ने राधामोहन के हाथ पकड़े और साले लखन ने डंडे से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया। चीख-पुकार सुनकर मां कंचन बाई और ग्रामीणों ने बीच-बचाव किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भंडारे में जबरन खाना खाने और शराब पीने की जिद, मना करने पर लाठी-पत्थरों से हमला, बाइक तोड़ी

गुना। जिले के चांचौड़ा थानांतर्गत चौड़ारेश्वर मंदिर पर चल रहे एक धार्मिक आयोजन में जबरन खाना खाने और शराब पिलाने की जिद को लेकर विवाद हो गया। मना करने पर दबंगों ने परिवार पर पत्थरों से हमला कर बाइक तोड़ दी। जलालपुरा निवासी पंकज भील ने बताया कि उनके भाई रायसिंह ने मंदिर पर पूजा व भंडारा रखा था। बेटा रणधीर, संजू और मोहरसिंह भील गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। हमलावरों ने पंकज और उसके भतीजे नितिन को पीटकर जख्मी कर दिया और पथराव कर भतीजे की बाइक भी तोड़ दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुना में चोरों का तांडव, पीएम आवास और सांईधाम कॉलोनी में एक ही रात में आधा दर्जन से ज्यादा घरों के टूटे ताले

सीसीटीव्ही कैमरे में हथियारों के साथ दिखे 8-10 बदमाश, सोने-चांदी, नगदी सहित सायकिल ले गए चोर

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के कैंट थाना क्षेत्र में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। चोरों ने प्रधानमंत्री आवास परिसर और उसके सामने स्थित सांईधाम पार्ट-2 कॉलोनी को निशाना बनाते हुए आधा दर्जन से अधिक घरों के ताले चटकाए। शातिर बदमाशों ने इस दौरान तीन घरों से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि वारदात को अंजाम देने आए करीब 8 से 10 बदमाश पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं, जो हाथों में धारदार हथियारों के साथ घरों में घुसने की कोशि करते हुए नजर आ रहे हैं। इस सनसनीखेज वारदात के बाद से इलाके के रहवासियों में भारी दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार बदमाशों ने कालोनी में घूमते हुए तीन ब्लॉकों के 9 मकानों के ताले चटकाए। 19 नंबर ब्लॉक में 2, 21 नंबर ब्लॉक में 3 तथा 22 नंबर ब्लॉक में 4 घरों के ताले तोड़े गए। वहीं जिन मकानों में लोग मौजूद थे, उनके दरवाजों की बाहर से कुंडी लगा दी गई, ताकि कोई बाहर न निकल सके। 19 नंबर ब्लॉक मे चोरों ने एक बाइक का लॉक भी तोड़ दिया, लेकिन वाहन स्टार्ट नहीं होने पर उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। वहीं छोटू खान के घर से सोने की बाली, चांदी की चार चूड़ियां, दो जोड़ी पायल तथा करीब 7 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए गए।

घरों के बाहर लगाई कुंदी, इंटरनेट केबल भी काटी

चोरी की इस वारदात को बेहद शातिराना अंदाज में अंजाम दिया गया। बदमाशों ने सबसे पहले पीएम आवास कॉलोनी की इंटरनेट केबल काट दी, ताकि सुरक्षा तंत्र को ठप किया जा सके। इसके बाद जिन घरों में लोग सो रहे थे, चोरों ने उनके दरवाजों को बाहर से कुंदी लगाकर बंद कर दिया ताकि कोई शोर सुनकर बाहर न आ सके। इसके बाद चोरों ने सूने पड़े घरों को इत्मीनान से निशाना बनाया। इनमें कुछ ऐसे मकान भी शामिल थे, जिनके ताले तो टूटे लेकिन वहां अभी तक कोई परिवार रहने नहीं पहुंचा था।घटना का शिकार हुए पीएम आवास निवासी अमित शर्मा ने बताया कि उनकी पत्नी और बच्चे अशोकनगर स्थित अपने मायके गए हुए थे, क्योंकि वहां से उनका परिवार चार धाम की यात्रा पर निकलने वाला था। अमित खुद एक एटीएम पर नाइट ड्यूटी करने गए थे। सुबह जब वे ड्यूटी खत्म कर घर पहुंचे, तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाने पर अलमारी के लॉकर टूटे थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था। अमित शर्मा के मुताबिक, चोर उनकी पत्नी का सोने का मंगलसूत्र, बच्चे के सोने के मोती, चांदी के जेवरात और अलमारी में रखे 50 हजार रुपये नगद समेट ले गए। अमित ने बताया कि उन्होंने गाड़ी खरीदने के लिए पाई-पाई जोड़कर यह रकम कई महीनों में एकत्रित की थी, जिसे चोर उड़ा ले गए। अमित के अलावा पड़ोस के दो अन्य घरों में भी बड़ी चोरी हुई है, जिनके परिवार शादी समारोह में शामिल होने बाहर गए हुए थे।

सांईधाम कॉलोनी में भी धावा, सीसीटीवी में दिखे नकाबपोश

पीएम आवास में तबाही मचाने के बाद चोरों की इस टोली ने ठीक सामने स्थित सांईधाम पार्ट-2 कॉलोनी में भी सेंधमारी की। यहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पता चला कि बदमाशों की संख्या 8 से 10 के करीब थी, जो पूरी तैयारी और हथियारों के साथ आए थे। चोरों ने यहां रहने वाले संस्कार श्रीवास्तव के घर के बरामदे में धावा बोला और वहां रखी साइकिल सहित अन्य कीमती घरेलू सामान चोरी कर ले गए। सुबह जब अन्य रहवासियों ने अमित शर्मा के घर के ताले टूटे देखे, तब जाकर पूरी कॉलोनी में हड़कंप मच गया।

नया गुना विकसित हो रहा, पर सुरक्षा के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

उल्लेखनीय है कि जिस क्षेत्र में यह वारदात हुई है, वह तेजी से नया गुना के रूप में विकसित हो रहा है। इसी इलाके में एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय और तात्याटोपे विश्वविद्यालय सहित कई बड़े प्रशासनिक भवन स्थित हैं। इसके बावजूद यहां सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है। रहवासियों ने आक्रोश जताते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम से महज एक एएसआई और एक आरक्षक जांच करने पहुंचे थे। उन्होंने मौके पर थोड़ी बहुत खानापूर्ति की और पीड़ितों को कैंट थाने जाकर आवेदन देने की बात कहकर चले गए। पीएम आवास कॉलोनी में आए दिन होने वाली चोरियों और पुलिस की इस सुस्त कार्यप्रणाली को लेकर जनता में गहरा असंतोष है। कैंट पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की शिनाख्त करने की कोशिश कर रही है। इधर शहर के कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत संजय स्टेडियम के पास स्थित एक स्टील की दुकान से चोरों ने ताला तोड़कर हजारों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। राहुल स्टील के मालिक सिद्धार्थ जैन ने पुलिस को शिकायती आवेदन देकर बताया कि गत सुबह करीब 5 बजे अज्ञात चोरों ने उनकी दुकान का ताला चटकाया।

शनिदेव मंदिर में हुए विशेष अनुष्ठान, भक्तों ने तेल और तिल अर्पित कर मन्नत मांगी

सत्ता सुधार ■ गुना

ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या के अवसर पर शनि जयंती और शनिश्चरी अमावस्या श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई गई। शनि जयंती के अवसर पर शनि मंदिर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। सभी श्रद्धालु सूर्यपुत्र न्याय के देवता शनि देव महाराज की पूजा अर्चना करने में जुटे रहे। मंदिरों में शनिदेव को भक्तों ने तेल और तिल अर्पित कर मन्नत मांगी।

मंदिरों में पूजा हवन और भंडारे भी चलते रहे। ऐसी मान्यता है कि जिस पर भी भगवान शनि की कृपा प्राप्त होती है, शनिदेव उसको सुख समृद्धि से भर देते हैं। शनि जयंती व वट सावित्री पूजा करने के लिए दुर्लभ संयोग बने हैं। इस वर्ष ज्योतिष शास्त्र के अनुसार धृति योग एवं शिवयोग योग में रोहिणी नक्षत्र में पूजा की गई। आज पूजन दर्शन करने से साढ़ेसाती और ढैय्या से काफी हद तक राहत मिल जाती है। इस दौरान शहर के टेकारी रोड स्थित शनि मंदिर, जगनपुर चक स्थित शनि मंदिर बीजी रोड ओवरब्रिज के नीचे शनि मंदिर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। रुठियाई स्थित शनिदेव एवं नवग्रह मंदिर में दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस बार करीब 300 वर्षों बाद कई शुभ योगों का संयोग बनने से पर्व का महत्व विशेष माना गया। वहीं 13 साल बाद शनि जयंती शनिवार को पड़ने से श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखने को मिला। मंदिर में सुबह 6 बजे पुजारी कैलाश नारायण ज्योतिषी और सह पुजारी बृजेश महाराज द्वारा शनिदेव के तेलाभिषेक और महाआरती के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। इसके बाद दिनभर हवन, पूजन, जाप और धार्मिक अनुष्ठान चलते रहे। शाम 7 बजे से शनि चालीसा का सामूहिक पाठ एवं भक्तिमय संकीर्तन आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शनि जयंती और शनिश्चरी अमावस्या के अवसर पर वे श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे, जिनकी राशियों पर वर्तमान में शनिदेव की दृष्टि मानी जा रही है।

सूने घर में 25 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, शादी समारोह में गया था पूरा परिवार

गुना। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीराम कॉलोनी में एक 25 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय युवक घर पर पूरी तरह अकेला था और उसका पूरा परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने ग्रामीण क्षेत्र गया हुआ था।

शनिवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। जानकारी के अनुसार, श्रीराम कॉलोनी निवासी सुरजीत चंदेल (25) अपनी मां और भाई-भाभी के साथ रहता था। उसका बड़ा भाई मिस्त्री है और मां शादी-ब्याह में पूड़ी बनाने का काम करती हैं। पिछले दिनों बड़ा भाई अपने ससुराल ग्राम बापचा में आयोजित एक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने गया था, जिसके चलते मां और भाभी भी वहीं गए हुए थे। घर में सुरजीत अकेला था, जिसका फायदा उठाकर उसने रस्सी से फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। रिश्तेदारों के मुताबिक, सुरजीत पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था और अपनी मां को भी तंग कर रहा था। शनिवार सुबह जब पड़ोसियों और रिश्तेदारों को घटना का पता चला, तो पुलिस को सूचना दी गई। कोतवाली पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया। मौत की खबर सुनते ही शादी की खुशियां मातम में बदल गईं और परिवार के लोग बापचा से गुना के लिए रवाना हो गए।

वाहन चैकिंग के दौरान म्याना पुलिस ने गांजा तस्कर दबोचा, एक किलो गांजा जप्त

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले की म्याना थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान गांजा तस्कर पकड़ा है। जिसके पास से पुलिस ने एक किलो गांजा बरामद किया है। जानकारी के अनुसार गत दिवस पुलिस की एक टीम द्वारा खोंकर तिराहा पुलिया के पास वाहनों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चैकिंग की जा रही थी ।

इसी दौरान लहरघाट तरफ से एक व्यक्ति हाथ में कपड़े का थैला लिए हुए आता दिखाई दिया। जिसे पुलिस ने रोककर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम इकराज उर्फ इक्का पुत्र जलील खान निवासी राधा कॉलोनी म्याना जिला गुना का बताया। पूछताछ के दौरान व्यक्ति घबराने एवं हड़बड़ाने लगा, जिससे पुलिस को उस पर संदेह होने से उसके हाथ में लिए थैले को विधिवत चैक करने पर उसमें करीबन एक किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती करीबन 15 हजार रूपये का बरामद हुआ। जिसे पुलिस द्वारा विधिवत जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसके विरूद्ध थाने में अप.क्र. 114/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सिंह भदौरिया के नेतृत्व में ऊमरी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक बुन्देल सिंह सुनेरिया, उपनिरीक्षक राजेन्द्र गौड़, प्रधान आरक्षक ओमकांत खटीक, आरक्षक रंजीत सिंह, आरक्षक सुनील यादव एवं आरक्षक रामकृष्ण जाटव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 10 दिवसीय समर कैंप का समापन

गुना। सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 05 मई से आयोजित 10 दिवसीय समर कैंप का समापन विद्यालय परिसर में हुआ। प्राचार्य आशीष टांटिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस समर कैंप में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कैंप के दौरान प्रतिदिन योग कक्षाओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने नियमित रूप से योग अभ्यास किया। साथ ही छात्र-छात्राओं ने केरम, बैडमिंटन, शतरंज सहित विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लेकर समर कैंप का भरपूर आनंद उठाया।

कलेक्टर ने कृषि रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया जागरूकता अभियान का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ गुना

मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, इसी क्रम में गुना जिले में किसानों को कृषि संबंधी विभिन्न प्रकार की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से जिले के विकासखण्डों में कृषि रथ के माध्यम से जागरूकता अभियान का शुभारंभ आज से किया गया। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा गुना विकासखण्ड के कृषि रथ को हरि झंण्डी दिखाकर अभियान की शुरूआत की गयी।

उप संचालक कृषि संजीव शर्मा ने बताया कि कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में जिले के प्रत्येक विकासखण्डों में एक-एक कृषि रथ का संचालन किया जायेगा। यह रथ 16 मई से 25 मई तक विकासखण्ड क्षेत्र के ग्रामों में जैविक एवं प्राकृतिक खेती, कृषि क्षेत्रों का विस्तार, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढावा देने, विभागीय कृषि योजनाओं के प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री धन-धान्य् कृषि योजना, ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था, पराली प्रबंधन आदि विषयों के संबंध में कृषि वैज्ञानिकों के माध्यम से किसानों को जानकारियों प्रदान की जायेगी।

अरविंद कुमार ने संभाला निदेशक (वित्त) का पदभार

गुना। नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड (एनएफएल) में अरविंद कुमार ने निदेशक (वित्त) का पदभार ग्रहण कर लिया है। एनएफएल भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। एम.कॉम की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले अरविंद कुमार इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के फेलो सदस्य और इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के एसोसिएट सदस्य हैं।

कलयुगी बेटों ने अपनों पर ही किया कुल्हाड़ी और लाठी से हमला

गुना। जिले के आरोन थाना क्षेत्र अंतर्गत घरेलू विवादों में अपनों पर ही कातिलाना हमले करने के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। इन पारिवारिक झगड़ों में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम उमरिया निवासी लालाराम अहिरवार ने बताया कि उनका बड़ा लड़का दिलीप अहिरवार अपनी पत्नी और बच्चों को मारपीट कर तीन-चार महीने पहले मायके भगा चुका है। इसी बात का शक करते हुए दिलीप अपनी मां भूरिया बाई अहिरवार से विवाद करने लगा कि तूने मेरी पत्नी को क्यों भगाया है। जब माता-पिता ने गाली देने से मना किया, तो कलयुगी बेटे दिलीप ने अपनी मां के सिर पर लाठी दे मारी, जिससे खून निकलने लगा। पति लालाराम और छोटे बेटे दामोदर ने बीच-बचाव कर मां की जान बचाई। पुलिस ने आरोपी दिलीप के खिलाफ भादवि की धारा 296(1), 115(2), 118(1) और 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है।

शराब के नशे में भाई और भाभी पर कुल्हाड़ी से हमला

वहीं, उमरिया गांव में ही एक अन्य घटना में भरोसा अहिरवार ने शिकायत दर्ज कराई कि गतरात करीब 11 बजे उनका छोटा भाई सोनू अहिरवार शराब पीकर घर आया और खाना न देने की बात पर विवाद करने लगा। जब भरोसा ने कहा कि रसोई में खाना रखा है, तो सोनू गाली-गलौज पर उतर आया। विरोध करने पर सोनू ने अपने हाथ में ली हुई कुल्हाड़ी के पिछले हिस्से (मूंद) और बैंत से भरोसा के सिर और कलाई पर दे मारा। बीच-बचाव करने आई भाभी सावित्री बाई को भी आरोपी ने कुल्हाड़ी के बैंत से पीटकर घायल कर दिया। शोर सुनकर पिता दलूपा अहिरवार ने मौके पर आकर बीच-बचाव किया।

वट सावित्री पर्व | शनिवार सुबह से शुरू हुआ पूजा का यह क्रम दोपहर तक चलता रहा

पारंपरिक ढंग से मनाई गई वट सावित्री अमावस्या, महिलाओं ने रखा उपवास

सत्ता सुधार ■ गुना

अंचनभर में वट सावित्री अमावस्या का पर्व पारंपरिक एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस दौरान महिलाओं ने उपवास रख पति की लम्बी उम्र की कामना की। पंडितों के अनुसार ज्येष्ठ अमावस्या तिथि को हिन्दू महिलाएं वट सावित्री का व्रत रखती हैं। इस दिन व्रत रखकर वट वृक्ष के नीचे सावित्री, सत्यवान और यमराज की पूजा करने से पति की आयु लंबी होती है और संतान सुख प्राप्त होता है। इस अवसर पर महिलाओं ने पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए व्रत रखा और फिर विभिन्न अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर बड़ के पेड़ की पूजा-अर्चना करते हुए परिक्रमा की। शनिवार सुबह से शुरू हुआ पूजा का यह क्रम दोपहर तक चलता रहा। वट सावित्री पूजा के दौरान वट के वृक्ष को महिलाओं द्वारा रक्षा सूत्र भी बांधा जाता है, जिसके तहत पेड़ पर कच्चा धागा लपेटते हुए, परिक्रमाएं की जाती हैं। यहीं प्रक्रिया पूरी करने के बाद महिलाओं ने परंपरा के अनुसार मंदिरों में पहुंचकर दान किया। इधर श्रीराम जानकी मंदिर फुलवारी कालोनी, गुना में वट सावित्री अमावस्या का पर्व पारंपरिक एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। मंदिर के पुजारी पंडित वेदप्रकाश शर्मा ने उपस्थित महिलाओं को माता सावित्री की कथा सुनाई। वहीं महिलाओं ने सुबह से ही मंदिर परिसर पहुंचकर वट वृक्ष के नीचे सावित्री सत्यवान और यमराज की विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए सूत के धागे से फेरे लगाए। नवविवाहिता वधू इंजी. विशाखा सिंह ने विवाह के बाद अपनी प्रथम वट अमावस्या पर कहा कि, वट अमावस्या का यह पर्व हमारी सनातन आस्था और पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक है। एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सगुन सात किए तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों का निर्वहन किया। नई नवेली सास बनी मिथलेश सेंगर ने कहा कि, यह पर्व हमारे सनातन संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम है।

ब्रीफ न्यूज

प्रमुख पेंशन एसोसिएशन जिला कार्यकारिणी की प्रथम बैठक आज

सीहोर। प्रमुख पेंशन एसोसिएशन के सीहोर जिलाध्यक्ष सुन्दरलाल राठौर ने बताया कि जिला कार्यकारिणी की प्रथम बैठक आज दिनांक 17 मई 2026, दिन रविवार को स्थानीय संजय टाकिज के पीछे पं.राममूर्ति शर्मा के निवास पर दिन के 12 बजे आयोजित की गई है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप प्रमुख पेंशन एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष श्याम जोशी इन्दौर एवं उप प्रांत अध्यक्ष एल.एन.कैलाशिया भोपाल उपस्थित रहेगें। बैठक में पेंशनरों से सम्बंधित समस्याओं के निराकरण हेत रणनीति तैयार की जावेगी। समस्त पेंशनरों से अपील की गई है कि अधिक अधिक संख्या उपस्थित होकर अपनी समस्याओं से सम्बंधित आवेदन भी साथ लेकर आवें। अपील करने वालों में प्रमुख रूप से श्री के.एल.बैरागी, डॉ.साधुराम शर्मा, पं.राममूर्ति शर्मा, हरिओम शर्मा दाऊ, सुन्दरलाल राठौर आदि शामिल हैं।

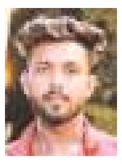

कांग्रेस कार्यालय में हुई महिला कांग्रेस की बैठक आयोजित

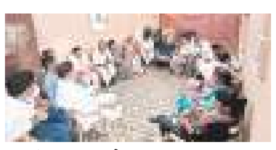

सीहोर। सीहोर जिला महिला कांग्रेस प्रभारी संगठन सर्जन अभियान के तहत शुक्रवार को जिला कांग्रेस कार्यालय सीहोर में महिला कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सीहोर महिला प्रभारी सबा कुरैशी, सहप्रभारी पार्वती मौर्य उपस्थित रहीं। बैठक में म.प्रदेश कांग्रेस कमेटी निर्देशानुसार संगठन सर्जन अभियान के तहत संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई एवं महिला जिला अध्यक्ष पद हेतु सभी आवेदकों से वन-टू-वन चर्चा कर सभी के बायोडाटा लिये गये। सभी के बायोडाटा एवं आवेदन पत्र प्रदेश कार्यकारिणी को सौपें जायेगें। इस अवसर पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर, श्रीमती ममता कीर, श्रीमती दीप्ति कीर, श्रीमती ममता शर्मा, विवेक राठौर, घनश्याम यादव, गजराज परमार, संतोष मालवीय, हरिओम सिसोदिया, मनीष मेवाड़ा, तनिष्क त्यागी आदि उपस्थित रहे।

वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा के आवेदन की अंतिम तिथि 30

सीहोर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 13 जून से 18 जून 2026 तक सीहोर जिले के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को 'वैष्णो देवी' की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई 2026 है। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट से प्राप्त कर पोर्टल के माध्यम से ही दर्ज किए जा सकते हैं। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदकों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। योजना के अंतर्गत 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति, जो अकेले यात्रा करने के लिए आवेदन करते हैं, उन्हें एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी।

देश के इतिहास में मां सीवन परिक्रमा मील का पत्थर होंगी साबित

आज सीहोर से निकलेंगे सीवन पुत्र एवं सीवन पुत्री 18 किलोमीटर की परिक्रमा पर

आने वाली पीढ़ियों के खुलेगा मार्ग परिक्रमा के हेतु फिर युगों युगों तक चलती रहेगी परिक्रमा मां सीवन की

सत्ता सुधार ■ सीहोर

सीवन पुत्र एवं सीवन पुत्री अभियान के तहत एक और कड़ी जुड़ने जा रही है जो देश में इतिहास में मील का पत्थर साबित होंगी,17 मई को सीहोर की पावन धरा से मां सीवन परिक्रमा शुरू होगी जो विभिन्न जगहों एवं गांवों से गुजरेगी जहां से सीवन बहती है उन स्थानों से सीवन पुत्र एवं पुत्री परिक्रमा के लिए गुजरेंगे, चूंकि सीहोर एक बहुत बड़ा आस्था का केंद्र स्थापित हो चुका है और यहां बहने वाली सीवन की ख्याति पूरे विश्व में स्थापित हो चुकी है,देश के एवं विदेश के श्रद्धालु बड़ी आस्था के साथ इस पावन एवं सलील मां सीवन के दर्शन करते है साथ ही जल का आचमन, नहाते है,जल को भगवान को अर्पित करते है,और इसी जल को शुद्धिकरण करने हेतु अपने साथ ले जाते है। विगत 2019 से सीवन उद्धार हेतु सीवन पुत्र एवं पुत्री की टीम सीवन हेतु संघर्षरत है,इसके जल को शुद्धिकरण हेतु प्रतिबद्ध है,साथ ही इसके पूर्ण स्वरूप एवं उद्धार हेतु,2026 में लगभग 2 माह से जोरदार तरह से सिवान उद्धार का काम चल रहा है,साथ लगातार मां सीवन के प्रति जागरूकता हेतु सीवन कार्यक्रम हो रहे है,सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया है कि 5 हजार सीवन पुत्र एवं पुत्री बनाने के लक्ष्य लिया जिसमें से करीब 32 सौ बन चुके है इसी के साथ देश में मुख्य नदियों के नाम से भी पुत्र एवं पुत्री बन रहे है,चावड़ा ने आगे बताया कि ये अभियान देश की नदियों को मूल स्वरूप में लाने हेतु मील का पत्थर साबित होगा। सीवन परिक्रमा की जोरदार तैयारी चल रही है।

सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है सीवन पुत्र सभी प्रभावशाली व्यक्तियों से आह्वान करा रहे हैं ताकि इस यात्रा से ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़े 17 तारीख की परिक्रमा हेतु शामिल हेतु हेतु सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा,मुकेश राय,प्रकाश यादव,कैलाश चव्हाण, राजकुमार सोनी,वैभव राठौर, जगदीश वर्मा, लक्ष्मण चौकसे, अश्विन नामदेव,शील राय, विल्सन जैन,कनीराम मालवीय,सादुल डाबी,लोकेश सोनी, अंशुल भावसार, आशीष भावसार,रोहित वशिष्ठ, अंकित भावसार, पंकज रावत,चीना भावसार, तनिष्क चावड़ा, उमेश चावड़ा, रवि माहेश्वरी, विनीत गोयल, प्रभात महेश्वरी, उपेश माहेश्वरी, क्षितिज दुबे, सुधीर सोनी, अथर्व चावड़ा, यशराज चौहान, सुरेश भगत, अशोक नामदेव, प्रदीप साबू, गोपाल मालवीय, राहुल सिसोदिया, दीपक केवट,अमित खेड़ले, आदि ने ज्यादा से ज्यादा लोगों से अपील की है।

निर्वाचित सरपंच को घर बिठाकर आरक्षित पंचायत चला रहा गांव का दबंग

अधिकारी मेहरबान तो दलाल पहलवान,ठेके पर चल रही ग्राम पंचायत सड़ूमरा

अधिकारियों से सांठ-गांठ कर बगैर डर-भय के जमकर कर रहा है भ्रष्टाचार हर रोज फर्जी प्रेजेंट डालकर, मनरेगा में डकार रहा लाखों रुपए

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सड़ूमरा का एक ऐसा मामला सामने आया है,जिसमें पंचायती राज में आरक्षण के अधिकार को ही बदल दिया है। इस आरक्षित ग्राम पंचायत में ग्रामीणों द्वारा सरपंच तो सेवा राम पुत्र प्रभु राम केवट को निर्वाचित किया है, लेकिन हकीकत में गांव के एक दबंग द्वारा दलालों के माध्यम से अधिकारियों से सांठ-गांठ कर निर्वाचित सरपंच को घर में बिठाकर स्वयं के द्वारा पंचायत चलाई जा रही है, और जमकर फर्जी वाड़ा और भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इससे लगता है कि अधिकारी मेहरबान तो दलाल पहलवान, यह अधिकारियों की मेहरबानी है तभी तो गांव दबंग, और दलाल ग्राम पंचायत चलाकर बिना डर भय के जमकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं,अगर कहीं जांच भी हो तो निर्वाचित सरपंच पर कार्रवाई हो। ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच ग्राम पंचायत का काम नहीं करता बल्कि गांव का दबंग और दलाल ग्राम पंचायत चलते हैं उसे तो बस खर्च पानी दे दिया जाता है। इस तरह ग्राम पंचायत भी अब ठेके पर चल रही है। हालांकि की इस बात की जानकारी अधिकारियों को होने के बावजूद वह हमेशा कार्रवाई करने से पल्ला झाड़ रहे हैं। जनपद पंचायत के सीईओ और मनरेगा अधिकारी को इस बात से अवगत करा दिया गया है कि ग्राम पंचायत सड़ूमरा में मनरेगा एवं अन्य निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार चल रहा है, लेकिन अधिकारी जांच का हवाला देकर पल्ला झाड़ लेते हैं। और ग्राम पंचायत द्वारा प्रतिदिन मजदूरों की फर्जी उपस्थिति लगाकर शासन की राशि निकाल कर हड़प रहे हैं। इस संबंध में जब जनपद पंचायत के सीईओ शैलेंद्र यादव से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि सभी चीजों को लेकर जांच करवा लेते हैं जो रिपोर्ट आएगी उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

दबंग के हाथों में ग्राम पंचायत कैसे हो विकास: एक तरफ सरकार द्वारा ग्रामीण विकास के लिए भरपूर बजट दिया जा रहा है और नई-नई योजनाओं के तहत ग्राम विकास कराया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ ग्राम पंचायत सड़ूमरा में सारी योजनाओं का राशि सरपंच के माध्यम से निकालकर गांव का दबंग डकार रहा है, इतना ही नहीं प्रतिदिन मनरेगा के तहत ही फर्जी काम चला कर, फर्जी उपस्थिति दर्ज कर लाखों रुपए हड़प रहे हैं। जब दबंग के हाथों में ग्राम पंचायत ग्राम पंचायत है तो फिर गांव का विकास कैसे हो। इतना ही नहीं निर्माण कार्यों में भी भारी भ्रष्टाचार हो रहा है।

सरपंच सेवाराम पंचायत चला रहा दबंग

यह कितनी बड़ी विडंबना है कि, एक आरक्षित पंचायत को निर्वाचित सरपंच की जगह गांव का एक दबंग अधिकारियों की मेहरबानी से चला रहा है। लेकिन अधिकारी ना तो भ्रष्टाचार पर कार्रवाई कर रहे हैं ना ही फर्जी सरपंची करने वाले दबंग पर, ग्राम पंचायत का निर्वाचित सरपंच सेवाराम पुत्र प्रभु राम केवट है। लेकिन जनपद पंचायत में जो सरपंचों की सूची है उसमें वर्तमान सरपंच का फोन नंबर दर्ज न होते हुए किसी दूसरे का फोन नंबर डाला है।

जनपद सीईओ और मनरेगा अधिकारी जांच का हवाला देकर पल्ला झाड़ लेते हैं: ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार और मनरेगा में फर्जीवाड़ा की जानकारी जनपद सीईओ के साथ मनरेगा अधिकारी के पास भी है, उन्हें मालूम है ग्राम पंचायत में जमकर फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार चल रहा है,लेकिन अधिकारी कार्रवाई करने की बजाय जांच का हवाला देकर पल्ला झाड़ लेते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर अधिकारी का संरक्षण नहीं होता तो पंचायत में भ्रष्टाचार भी ना होता।

ग्राम भोंसले की आदिवासी बस्ती में की गई सड़क डालने की औपचारिकता

ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम भोंसले में जो आदिवासी बस्ती में सड़क डाली गई है वह नाम मात्र के लिए औपचारिकता की गई है?। और भी अन्य निर्माण कार्य में भी काफी भ्रष्टाचार किया गया है इससे इंजीनियर की कार्य प्रणाली पर भी सवाल उठ रहा है।

अब कैसे रुके सड़ूमरा में भ्रष्टाचार दबंगों के हाथों में ग्राम पंचायत सरकार

ग्राम पंचायत सड़ूमरा के ग्रामीण इसलिए भी चिंतित है कि उनके गांव का विकास नहीं हो पा रहा है, इसके अलावा जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है, और अधिकारी कार्रवाई भी नहीं कर रहे, ऐसे में ग्रामीणों ने चिंता जताई है कि उनकी ग्राम पंचायत का भ्रष्टाचार अब कैसे रुके जब दबंगों के हाथों में ग्राम पंचायत सड़ूमरा की सरकार है। ग्राम पंचायत में मनरेगा पोर्टल पर लगातार 65 मजदूरों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है, शनिवार को भी ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा पोर्टल पर 65 मजदूरों की प्रेजेंट लगाई गई।

इनका कहना है

सभी चीजों को लेकर मैं जांच करवा लेता हूं जो भी रिपोर्ट आएगी उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

शैलेंद्र सिंह यादव, सीईओ जनपद पंचायत अशोक नगर

2004 में देखा गया सपना जो सच हुआ

बाल बिहार मैदान का नाम अब दादा भाई शिवलाल सिंह चौहान के नाम से जाना जाएगा

सीहोर। दिन शुक्रवार को खेल संघ एवं सभी खेलो के खिलाड़ी नगर पालिका परिषद सीहोर पर पहुंचे जहां उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर को आवेदन सौंपा और उन्होंने तुरंत ही आश्वासन दिया और नगर पालिका परिषद की बैठक में उसे पारित करने का आदेश दिया। राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और खेल प्रमोटर प्रदीप चावड़ा ने बताया कि दादा भाई शिवलाल सिंह चौहान ने अपने जीवन काल में 70 सालों तक राष्ट्रीय खेल हॉकी की निस्वार्थ सेवा की थी अपने प्रशिक्षण के दौरान कई खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अवसर दिलाया वर्तमान में इनके द्वारा प्रशिक्षित सैकड़ों खिलाड़ी खेल एवं अन्य विभागों में पदस्थ हैं। चावड़ा ने बताया कि दादा भाई 2 बजे अपनी टूटी सी साइकल लेकर मैदान पर पहुंच जाया करते थे अनेकों हॉकी कैरियल में दबाकर साथ में एक पॉलीथिन में खिलाड़ियों की डाइट का सामान हुआ करता था जो उनकी स्वयं की पेंशन के पैसे से खरीदते थे। ऐसी निस्वार्थ भावना कुछ विरले लोगों में ही होती है उनमें से दादा भाई एक थे। यह भी बताया कि 2004 में उनसे वादा किया था कि इस ग्राउंड का नाम दादा भाई शिवलाल सिंह चौहान के नाम पर होगा और दिन शुक्रवार को वह दिन भी आ गया जब उनके नाम की भी घोषणा हो गई अब उनके नाम का बड़ा सा बोर्ड भी होगा और सीहोर की पहचान हॉकी फिर से मैदान पर लहराएगी।खेल प्रमोटर प्रदीप चावड़ा ने बताया की 2023 में दादा भाई को मरणोपरांत मेजर ध्यानचंद लाइफ टाइम अवार्ड से नवाजा गया और यह अवार्ड दादा भाई के पोते यशराज चौहान भतीजे विनेश चौहान भांजे हॉकी खिलाड़ी संदीप चंदेले ने ग्रहण किया। इस अवसर नगर पालिका परिषद में प्रदीप चावड़ा, मनोज कन्नौजिया मुकेश राय जगदीश वर्मा सहित कई खिलाड़ी उपस्थित थे सभी ने इस निर्णय हर्ष जताया।

अधिकारियों की नाक के नीचे चल रहा मनरेगा में फर्जीवाड़ा

जानकारी होने के बाद भी नहीं करते हैं कार्रवाई

अशोक नगर जनपद की ग्राम पंचायत छीपोन में राती खेड़ा रोड पर चारागाह का चल रहा फर्जी काम 49 मजदूरों की लगाई प्रेजेंट

अशोक नगर। जिलेभर में मनरेगा में फर्जी वाड़ा एवं भ्रष्टाचार अब एक परपंरा सी बन गई है, जहां अधिकारियों की नाक के नीचे जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इतना ही नहीं इस भ्रष्टाचार की जानकारी होने के बाद भी अधिकारी उस पर कोई कार्रवाई नहीं करते। जहां बेरोजगार गरीब मजदूरों का हक छीनकर ग्राम पंचायतों के सरपंच सचिव रोजगार सहायक मिलकर जमकर फर्जी बड़ा कर रहे हैं और लाखों रुपए की राशि हड़प रहे हैं। शुक्रवार को जनपद पंचायत अशोक नगर की ग्राम पंचायत छीपोन में मनरेगा में फर्जीवाड़ा सामने आया, जहां ग्राम पंचायत द्वारा पोर्टल पर छीपोन राती खेड़ा रोड पर चारागाह का काम चलना दर्शाया गया जिसमें 49 मजदूरों की उपस्थिति दर्ज की गई। जिसमें कल्लो बाई (स्त्र),चैनसिह (एम),प्रदीप कुशवाहा (पुरुष), टाईसाहव (एफ), दौलतवाई (एफ),बाला (एम),खिलन (एम),नी (एफ),अतरवाई (एफ), कल्लू (एम) पंचायत पोर्टल पर फर्जी मजदूरी करते हुए दर्शाए गए। जबकि मौके पर ना तो कोई काम चल रहा था ना ही कोई मजदूर काम कर रहे थे। इस भीषण गर्मी में पंचायत पोर्टल पर मनरेगा के फर्जी काम कराए जा रहे हैं। जबकि धरातल पर सन्नाटा पसरा हुआ है, सरपंच सचिव रोजगार सहायक इस बात को जानते हैं, कि गर्मी में कोई बड़ा अधिकारी गांव में पंचायत भ्रमण के लिए क्यों आएगा। और आएगा भी तो सबसे पहले उन्हें बात कर ही आएगा। ऐसी बात का भेजो लाभ उठा कर खूब फर्जीवाड़ा कर रहे हैं।

चंदेरी जनपद की ग्राम पंचायत नानकपुर में मनरेगा में तीन काम, 68 मजदूरों की उपस्थिति दर्ज

मजदूरों को तो नहीं मिल रहा काम लेकिन दूर हो रही सरपंच सचिव रोजगार सहायक की गरीबी

मनरेगा बनी फर्जी काम चला कर रुपए कमाने का धंधा

पोर्टल पर रोज फर्जी काम चलाकर, फर्जी उपस्थिति दर्ज कर कमा रहे लाखों

अशोक नगर। जिले की जनपद पंचायत चंदेरी अंतर्गत ग्राम पंचायत नानक पुर में मनरेगा में लगातार फर्जीवाड़ा चल रहा है। ग्राम पंचायत में सरपंच, सचिव,रोजगार सहायक द्वारा मिलकर जमकर फर्जी वाड़ा किया जा रहा हैं। मनरेगा पोर्टल पर फर्जी काम, मजदूरों की प्रेजेंट लगाकर शासन की लाखों रुपए की राशि हड़प रहे हैं। शनिवार को मनरेगा पोर्टल पर फर्जी तीन काम चलाए जा रहे हैं,जिसके लिए 68 मजदूरों की उपस्थिति दर्ज की गई है। जिसमें हितग्राही खेत तालाब निर्माण कार्य जीवन सिंह/रज्जू लाल, लीलाबाई/लालाराम लोधी ग्राम कुंवरपुर तथा खिलाने सिंह/जाहर सिंह लोधी नानकपुर के यहां चलना दर्शाए गए। जबकि मौके पर ना तो निर्माण कार्य चल रहा था और ना ही मजदूर काम कर रहे थे। इससे लगता है कि अब मनरेगा योजना फर्जी काम चला कर रुपए कमाने का धंधा बन गई है। जहां मजदूरों को तो काम नहीं मिल रहा है, लेकिन सरपंच सचिव रोजगार सहायक की गरीबी दूर हो रही है। और पोर्टल पर रोज फर्जी काम चलाकर, फर्जी उपस्थिति दर्ज कर लाखों रुपए कमा रहे हैं।और मिलकर गरीब मजदूरों का हक छीनकर अपनी जेबें भर रहे हैं। और गांव के गरीब मजदूर बेचारे,काम की तलाश में मारे मारे फिर रहे हैं।ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर कोई भी अधिकारी जांच के लिए नहीं आता, सरपंच सेक्रेटरी मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। पंचायत में भारी भ्रष्टाचार चल रहा है। ग्रामीणों ने जिले के अधिकारियों से ग्राम पंचायत की जांच कराने की मांग की है।

पंचायत पोर्टल पर इन मजदूरों की की गई उपस्थिति दर्ज: सोनू अहिरवार (एम),दीपक अहिरवार (एम),प्रियंका (महिला) जीवन (एम),लालाराम (एम), राजवती लोधी (महिला),अर्चना लोधी (स्त्री),रामपाल लोधी (एम) लीला बाई लोधी (महिला),मांगिलाल (एम),सुनीता हरिजन (महिला), शिवानी (महिला),सालिग्राम प्रजापति (एम),सविता प्रजापति (महिला),मीरा बाई (महिला), लालिह (एम),रामपाल सिंह लोधी (एम), राकेश कुमार (एम),नारायण सिंह (एम),नरेश साहू (एम),विक्रम साहू (एम) बुंदेलसिंह (एम), प्रभावाई (एफ),प्राणसप्रियह (एम),सोमवती प्रजापति (स्त्री),विमला (एफ),बीरेंद्र (एम),हाकमसिह (एम),स्वार्ती लोधी (महिला) की पोर्टल पर उपस्थित दर्ज की गई।

20 मई के ऑल इंडिया बंद को लेकर केंद्रीय मंत्री सिंधिया से संसद में मुद्दा उठाने का किया आग्रह

ऑनलाइन व्यापार के विरोध में जिला केमिस्ट एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव एवं स्थानीय व्यापारियों के सामने उत्पन्न हो रही आर्थिक चुनौतियों को लेकर जिला केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा शनिवार को सिंधिया जनसंपर्क कार्यालय पहुंचकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नाम कार्यालय प्रभारी विष्णु शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से 20 मई को प्रस्तावित ऑल इंडिया बंद का समर्थन करते हुए व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

जिला केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव शरद गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑनलाइन दवा एवं अन्य व्यापार के तेजी से विस्तार के कारण छोटे एवं मध्यम स्तर के व्यापारियों का व्यवसाय लगातार प्रभावित हो रहा है। स्थानीय दुकानदारों को असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे व्यापारियों के साथ-साथ उनके कर्मचारियों और परिवारों के समक्ष भी आर्थिक संकट की स्थिति बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि देशभर के व्यापारी संगठनों द्वारा 20 मई को ऑनलाइन व्यापार के विरोध में ऑल इंडिया बंद का आह्वान किया गया है। इसी क्रम में जिला केमिस्ट एसोसिएशन ने भी एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की और केंद्रीय मंत्री सिंधिया से ज्ञापन में मध्यम से निवेदन किया कि वे छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए इस विषय को संसद में मजबूती से उठाएं।

ज्ञापन में व्यापारियों ने मांग की कि ऑनलाइन व्यापार पर स्पष्ट एवं सख्त नियम बनाए जाएं, ताकि स्थानीय व्यापार सुरक्षित रह सके और छोटे व्यवसायियों को समान अवसर प्राप्त हो सकें। व्यापारियों ने कहा कि स्थानीय बाजार एवं छोटे व्यापार देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जिन्हें संरक्षण मिलना आवश्यक है। इस अवसर पर जिला केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेंद्र अग्रवाल, सचिव शरद गुप्ता, अनीश जुनेजा, वीरेंद्र गुप्ता, बबलेश नामदेव, श्याम गुलाटी, गोविंद अग्रवाल, सुमत जैन, राजू जैन सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। सभी व्यापारियों ने एक स्वर में ऑनलाइन व्यापार के विरोध में अपनी चिंता व्यक्त करते हुए व्यापारियों के हित में ठोस कदम उठाने की मांग की।

कुंभ,मीन और मेष राशि पर शनिदेव की साढ़ेसाती

सत्ता सुधार ■ सीहोर

शनि मंदिरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वर्कसाप रोड जनता कॉलोनी गल्ला मंडी स्थित शनि मंदिर,शेरपुर इंदौर भोपाल हाईवे और ढेकिया स्थित पहाड़ी सहित सीवन नदी मंहिला घाट पर स्थित भगवान शनिदेव के मंदिरों में शनिपूजन के कार्यक्रम होंगे।शनिदेव का जन्मोत्सव हवन पूजन, तेल अभिषेक कर मनाया जायेगा भगवान सूर्यदेव उनके पिता और छाया माता के वह पुत्र है।भगवान शनिदेव का जन्म ज्येष्ठ मास कृष्णपक्ष अमावस्या को हुआ है द्य आज यह संयोग भरणी नक्षत्र में शनिश् भगवान शंकर से आशीर्वाद अनुसार शनिदेव तीनो लोको के प्राणियों के जीवन में उनके किये गये कर्मो के आधार पर फल प्रदान करते है। पंडित सुनील शर्मा के अनुसार वर्तमान में कुंभ, मीन और मेष राशि पर शनिदेव की साढ़ेसाती चल रही है। मेष राशि पर प्रथम चरण, मीन राशि पर द्वितीय चरण और कुंभ राशि पर अंतिम चरण का प्रभाव है , जबकि सिंह और धनु राशि पर शनि ढैय्या का प्रभाव है द्य श्रद्धालुओं को भगवान शनिदेव जन्मोत्सव पर आज शिवशक्ति, हनुमानजी और शनिदेव की विशेष पूजा अर्चना लाभप्रद है द्य भगवान शनि मंत्र जाप, हवन पूजन,छायादान करना चाहिये और सरसों तेल, तिलतेल से अभिषेक कर कालीउड़द, कालेतिल,काला कपड़ा, इमरती, नीले फूल भेंट करना चाहिये द्य गरीब जरूरतमंदो को अन्न, वस्त्र, छाता, देना चाहिये। पीपल व शमी वृक्ष के पास दीपक लगाना चाहिये। पंडित सुनील शर्मा के अनुसार आज रुद्राभिषेक, हनुमान चालीसा, शनि चालीसा, दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करना चाहिये।

ब्रीफ न्यूज

बीपी की गोली न मिलने पर जताई सख्त नाराजगी

हरदा। टिमरनी विधायक के प्रतिनिधि एवं जिला चिकित्सालय हरदा के विधायक प्रतिनिधि संजय कमलचंद जैन ने जनस्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर लापरवाही पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, हरदा को पत्र लिखकर कड़ा एतराज जताया है।

16 जून तक चलेगा रक्तचाप विशेष अभियान

हरदा। विश्व रक्तचाप दिवस के अवसर पर 16 मई से 16 जून तक जिले में विशेष अभियान चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच. पी.

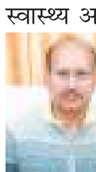

सिंह ने बताया कि 17 मई विश्व रक्तचाप दिवस के अवसर पर जिले में 16 मई से 16 जून तक विशेष अभियान चलाया जावेगा। अभियान के तहत 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की स्क्रीनिंग व रिस्क्रीनिंग, फॉलोअप एवं कंट्रोल बढ़ाए जाने एवं जन जागरुकता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इस वर्ष की थीम उच्च रक्तचाप को मिलकर नियंत्रित करेंह्यह्य है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य उच्च रक्तचाप से बचाव, जांच एवं उपचार संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जन समुदाय में जागरुकता लाना है। डॉ. सिंह ने बताया कि 16 मई से 16 जून तक अभियान मोड में 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की स्क्रीनिंग व रिस्क्रीनिंग जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थाओं जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सीएम संजीवनी क्लीनिक एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र व आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर की जाएगी।

18 मई 25 मई तक चलेगा 'जनभागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान

सीहोर। पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत सम्मिलित गांवों में जनजातीय समुदायों के लिए संचालित शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 18 मई 25 मई तक 'जनभागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान संचालित किया जाएगा। इस दौरान अभियान के अंतर्गत चयनित ग्रामों में संतृप्ति शिविर आयोजित किए जाएंगे और नागरिकों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा।

सभी नागरिक क्यूआर कोड स्केन कर स्वच्छता सर्वेक्षण फीडबैक में करें सहभागिता

सीहोर। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में मध्यप्रदेश अपनी संकल्पबद्धता और जन-सहयोग के अनूठे संगम के साथ अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के कुल 406 नगरीय निकायों में स्वच्छता के प्रति जो उत्साह और चेतना जाग्रत हुई है, उसका प्रत्यक्ष प्रमाण नागरिकों द्वारा अब तक दर्ज कराए गए 19 लाख से अधिक फीडबैक हैं। यह संख्या न केवल नागरिकों की अपनी शहर की स्वच्छता के प्रति सजगता को दर्शाती है, बल्कि यह प्रदेश की उस सामूहिकता का भी परिचायक है।

आंधी-तूफान बना कालः हाट बाजार में पेड़ गिरने से महिला की मौत, दो घायल, कई घरों के छप्पड़ उड़े

सत्ता सुधार ■ शहडोल

जिले में शुक्रवार देर शाम आया तेज आंधी-तूफान कई परिवारों पर भारी पड़ गया। अमलाई थाना क्षेत्र में तेज हवा और बारिश के बीच हुए हादसों में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। वहीं कई गांवों में घरों के छप्पड़ उड़ने से लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। जानकारी के अनुसार अमलाई थाना क्षेत्र के गिरवा गांव में शुक्रवार को साप्ताहिक हाट बाजार लगा हुआ था। देर शाम अचानक तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान बाजार के पास खड़ा एक बड़ा महुआ का पेड़ तेज हवा के कारण गिर पड़ा। पेड़ की चपेट में सब्जी दुकान लगाकर बैठी महिला सोहागी महरा आ गई, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

कई घरों के उड़ गए छप्पड़: वहीं गिरवा के पास स्थित मलाया गांव में भी आंधी-तूफान ने जमकर तबाही मचाई। तेज हवा के कारण राजभान कुशवाहा, सुरेश कुशवाहा सहित आधा दर्जन से अधिक परिवारों के घरों के छप्पड़ उड़ गए। छप्पड़ उड़ने से घरों में पानी भर गया और घरेलू सामान खराब हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि तूफान से हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।

बाजार में मची अफरा-तफरी घटना के बाद हाट बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तेज बारिश और आंधी के कारण लोग इधर-उधर जान बचाने के लिए भागते नजर आए। जब मौसम कुछ शांत हुआ तब स्थानीय लोग पेड़ के नीचे दबी महिला को निकालने पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस ने शुरू की जांचः अमलाई थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि पेड़ गिरने से महिला की मौत के मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं प्रशासन नुकसान का आंकलन करने में जुटा हुआ है।

'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत नपा द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जल संरक्षण का संदेश लेकर निकली भव्य कलश यात्रा

सत्ता सुधार ■ शहडोल

शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद, शहडोल द्वारा 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत शुक्रवार को बाणगंगा मंदिर परिसर से भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। कलश यात्रा में महिलाओं, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों एवं नगर पालिका कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर नगरवासियों को जल बचाने एवं जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर आकर्षक रंगोलियां बनाकर 'जल है तो कल है' जैसे प्रेरणादायी संदेशों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण तथा दैनिक जीवन में जल के समुचित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत नगर क्षेत्र में विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को जल संरक्षण के महत्व से जोड़ते हुए जल बचाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम दास जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, पार्षद हीरालाल प्रजापति, संजीव सिंह, उपयंत्री सुखेंद्र सिंह तोमर, मोतीलाल सिंह, पुनीत त्रिपाठी, सत्यकाम मिश्रा, प्रतीक्षा शुक्ला, शेखर, महेश साहू, विजय वर्मा सहित नगर पालिका कर्मचारी एवं स्व-सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं।

अमानक खाद बीज दवाओं के निर्माताओं विक्रेताओं को मिल रहा

नोटिस देकर कार्यवाही करना भूल गये अधिकारी

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले में अमानत खाद-बीज, कीटनाशक दवाओं की बिक्री लंबे समय से हो रही है। निर्माताओं विक्रेताओं की सांठगांठ से पिछले कई वर्षो से अमानक खाद, बीज, दावाओं की बिक्री कर शासनादेशों का उल्लंघन किया जा रहा है और किसानों के साथ खुलेआम ठगी की जा रही है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास खोरे ने जिला कलेक्टर को दो बार पहले भी पत्र लिखकर जांच कराकर कार्यवाही की मांग कर चुके हैं। जब कार्यवाही नहीं हुई तब 12 मई 2026 को पुनः पत्र देकर नोटिस देने के बाद कार्यवाही क्यों नहीं हुई इसकी जांच पड़ताल कराकर कार्यवाही की जाये।

अमानक पाये जाने पर कार्यवाही नहीं: अमानक पाये जाने पर विक्रेताओं और निर्माताओं के खिलाफ कार्यवाही नहीं की जा रही है। जबकि किसानों की शिकायत पर खाद, बीज, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों की जांच की गई जांच में अमानक पाये जाने पर विक्रेताओं और निर्माताओं को नोटिस दी गई इसके बाद भी कार्यवाही नहीं हुई। जबकि नोटिस दिये काफी लंबा समय व्यतीत हो गया है। नोटिस में गुणवत्ता विहीन खाद, बीज, दवाओं की पुष्टि होने के बाद विक्रेताओं और निर्माताओं दोनों के खिलाफ कार्यवाही होनी थी फिर भी आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। जिसको लेकर तरह-तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं और आरोप लगाये जा रहे हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों समेत अन्य की भूमिका संदिग्ध और जांच के दायरे में आ गई है।

कृषि विभाग की जांच से खुलेगी पोल: कृषि विभाग द्वारा अमानक खाद बीज पाये जाने पर सेंम्पल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया । सैंपल लेकर जांच रिपोर्ट आने के बाद नोटिस देने की कार्यवाही की गई। जांच रिपोर्ट फॉर्म और अमानक रिपोर्ट का बारीकी से अध्ययन किया जाये तो सब कुछ स्पष्ट हो जायेगा। नियंत्रण आदेश 1985 के 19 (ए) का उल्लंघन और 1985 के खंड 26 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अमानक सामग्री का विक्रय करने वाली कंपनी और व्यापारियों को संरक्षण दिया जा रहा है। इससे किसानों का शोषण हो रहा है और किसानों को आर्थिक रूप से काफी क्षति हुई है।

कंपनी और व्यापारी को दिया जा रहा संरक्षण

कंपनी और व्यापारियों को संरक्षण दिया जा रहा है यही वजह है की अमानत रिपोर्ट आने के बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। ऐसी चर्चा है कि राजनीतिक दवाब में कार्यवाही नहीं हो रही है क्या रिपोर्ट को गुपचुप तरीके से दबा दिया गया है। श्री खोरे ने बताया कि किसानों के हक हित से खिलवाड़ और शासनादेश के उलंघन पर कंपनी और व्यापारियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं की जा रही है। इसके खिलाफ माननीय न्यायालय में किसानों के हित में याचिका दायर कर नोटिस और जांच रिपोर्ट के बाद भी कार्यवाही नहीं होने के मामले की जांच पड़ताल कराकर कार्यवाही की मांग की जायेगी। जिला कलेक्टर को जनसुनवाई के माध्यम से तीन बार आवेदन दिया जा चुका है। जिसकी पावती भी साक्ष्य के तौर पर कोर्ट में प्रस्तुत किया जायेगा। सांठगांठ से भ्रष्टाचारियों पर पर्दा डाला जा रहा है। कार्यवाही के नाम पर कुछ भी नहीं किया जा रहा है।

6 जून तक पंचायतों में पहुंचेगा कृषि रथ, तकनीकी दल रवाना

सत्ता सुधार ■ हरदा/टिमरनी

जिले में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाये जाने के तहत कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के आदेशानुसार एवं उपसंचालक कृषि हरदा जवाहरलाल कास्दे के मार्गदर्शन में शुक्रवार 16 मई से कृषि रथ का संचालन प्रारंभ किया।

विकासखंड में 6 जून तक चलेगा अभियानः तकनीकी दल प्रभारी रामकृष्ण मंडलोई, सहायक कृषि अधिकारी एवं सहायक तकनीकी दल प्रभारी डॉ. ओमप्रकाश भारती, वैज्ञानिक पौध संरक्षण के नेतृत्व में यह कृषि रथ विकासखंड की प्रत्येक ग्राम पंचायत में जायेगा। इस दल में संबंधित पंचायत क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के मैदानी अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहेंगे। यह दल कृषकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ खरीफ मौसम की फसलों की उन्नत तकनीकी जानकारी भी प्रदान करेगा।

एसडीएम और पार्षद ने दिखाई हरी झंडीः 16 मई को कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड टिमरनी से एसडीएम संजीव नागू की अध्यक्षता एवं पार्षद सुनिल दुबे के मुख्य आतिथ्य में कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर रेवाशंकर दोगने, डॉ. धर्मेंद्र यादव सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतिदिन भेजी जायेगी रिपोर्ट

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री साहू ने बताया कि कृषि रथ के माध्यम से प्रतिदिन प्रशिक्षित किये जाने वाले कृषकों की संख्या का आंकड़ा वरिष्ठालय को प्रेषित किया जायेगा। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को नवीनतम कृषि तकनीक, सरकारी योजनाओं व सहायक विभागों की जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है। पार्षद श्री दुबे ने विभागीय अधिकारी से मांग है कि वन क्षेत्र में आगामी समय में खाद वितरण हेतु ऑनलाइन के साथ स्थानीय सर्वे जरूरी है। वनग्रामों में कृषकों के पास पूरी जमीन के पट्टे ना होने के कारण उन्हें खाद मिलने में समस्या आयेगी।

यूसीमास प्रतियोगिता में छतरपुर के प्रभास द्विवेदी बने प्रथम रनरअप

छतरपुर। जिले के होनहार छात्र प्रभास द्विवेदी ने यूसीमास की 21वीं स्टेट लेवल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम रनरअप का खिताब हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता का आयोजन इंदौर में किया गया था, जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रभास द्विवेदी ने अपनी तेज गणना क्षमता, मानसिक गणित का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान 8 मिनट में 200 प्रश्न पूछे गए थे, जिनमें प्रभास ने 188 प्रश्नों के सही उत्तर निर्धारित समय में देकर निर्णायकों को प्रभावित किया। कठिन सवालों को तेजी और सटीकता के साथ हल करने की उनकी क्षमता ने उन्हें प्रथम रनरअप का स्थान दिलाया। प्रतियोगिता के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में संस्था के फाउंडर एवं चेयरमैन डॉ. डिनो बोग द्वारा विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रभास को आकर्षक ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। उनके पिता पूर्व में छतरपुर जिले में खनिज निरीक्षक पद पर पदस्थ रह चुके हैं। बेटे की इस उपलब्धि पर परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने बताया कि प्रभास शुरू से ही पढ़ाई और गणित विषय में विशेष रुचि रखते हैं तथा नियमित अभ्यास और मेहनत के दम पर उन्होंने यह सफलता हासिल की है। यूसीमास प्रतियोगिता में सफलता मिलने के बाद प्रभास को शिक्षकों, मित्रों और शुभचिंतकों द्वारा लगातार बधाइयां दी जा रही हैं। प्रभास की इस उपलब्धि से जिले के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

पत्रकार कल्याण परिषद की पहली बैठक शाहगढ़ में आज

छतरपुर। पत्रकार कल्याण परिषद की विस्तार योजना 2026 के तहत पहली बैठक सागर संभाग के शाहगढ़ में दिनांक 17 मई को सुबह 11 बजे से भक्ति मैरिज

गार्डन, सागर रोड शाहगढ़ में होने जा रही है। इस समीक्षा बैठक में पत्रकार कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यख वेदान्ती त्रिपाठी, राष्ट्रीय संयोजक नईम खान एवं पत्रकार कल्याण परिषद के मध्यप्रदेश प्रभारी रामबाबू सिंह परिहार विशेष रूप से सम्मिलित हो रहे हैं। यह जानकारी देते हुये पत्रकार कल्याण परिषद के प्रदेश प्रभारी रामबाबू सिंह परिहार ने बताया कि इस समीक्षा बैठक में संगठन का विस्तार कैसे हो, आर्थिक व्यवस्था कैसे की जाये साथ ही आगामी योजनाओं का निर्धारण, प्रांतीय अधिवेशन एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के गठन सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जावेगी। अतः सभी पत्रकार साथियों से आग्रह है कि वे इस बैठक में अनिवार्य रूप से सम्मिलित हों।

पिता के निधन उपरांत नेत्रदान कराकर पुत्रों ने दिया मानवता का संदेश

सत्ता सुधार ■ सीहोर

सीहोर के चाणक्यपुरी निवासी श्री सुनील चौहान एवं श्री अनिल चौहान ने अपने पिता स्वर्गीय श्री शिवराज सिंह चौहान के निधन के उपरांत नेत्रदान कराकर मानवता और सामाजिक संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। दुःख की इस घड़ी में दोनों पुत्रों ने समाज को प्रेरणा देने वाला निर्णय लेते हुए स्वप्रेरणा से नेत्रदान कराने की इच्छा व्यक्त की। सिविल सर्जन डॉ यूके श्रीवास्तव ने बताया कि परिवार की सहमति के बाद भोपाल स्थित गाँधी मेडिकल कॉलेज के नेत्र बैंक की टीम द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर नेत्रदान संपन्न कराया गया। उन्होंने कहा कि नेत्रदान महादान है और इससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में फिर से रोशनी लाई जा सकती है। समाज में ऐसे उदाहरण लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चौहान परिवार का यह निर्णय न केवल दिवंगत आत्मा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, बल्कि मानव सेवा की भावना का भी श्रेष्ठ संदेश देता है।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने केन्द्रीय विद्यालय के अस्थाई भवन हेतु नौगांव पॉलिटेक्निक कैंपस का किया निरीक्षण

भवन में आवश्यक साफ-सफाई, सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए

- 15 जून से नौगांव पॉलिटेक्निक कैंपस के भवन में केंद्रीय विद्यालय की 1 से 5 की कक्षाएं होंगी प्रारंभ
- सार्वजनिक परिवहन से की यात्रा डीजल पेट्रोल बचाने का दिया संदेश

सत्ता सुधार ■ छतरपुर

शनिवार को छतरपुर जिले के प्रवास से दौरान केंद्रीय मंत्री सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग डॉ. वीरेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को भारत सरकार, शिक्षा विभाग की ओर से उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए नौगांव पॉलिटेक्निक में संचालित होने वाले केंद्रीय विद्यालय का निरीक्षण किया। जिसमें 15 जून 2026 से कक्षाएं प्रारंभ हो रहीं है। इस विद्यालय में अभी केवल कक्षा एक से पांच तक के ही विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र के विकास में यह विद्यालय नौगांव नगर और आसपास के नागरिकों के लिए एक बहुत बड़ी सौगात के रूप में है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारत सरकार अन्य विभाग के मंत्रीगणों का लोकसभा क्षेत्र में विकास के लिए अद्भुत सहयोग रहता है और इस सहयोग के कारण यह केंद्रीय विद्यालय विद्यार्थियों के लिए और आने वाली युवा वर्ग के लिए शिक्षा के क्षेत्र में लाभदायक सिद्ध होगा। केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि भवन की साफ-सफाई, पुताई बिजली फिटिंग पानी की व्यवस्था 15 दिन के अंदर पूर्ण कराएं और 1 जून से केंद्रीय विद्यालय के नियमों के अनुसार विद्यार्थियों के प्रवेश प्रारंभ कराएं। जिसमें 15 जून से विद्यालय में विद्यार्थी अपना प्रवेश ले सकें। उन्होंने यह भी बताया है कि यह विद्यालय अभी अस्थाई तौर पर यहां पर संचालित होगा, शीघ्र ही नवीन भवन बन जाने पर जो भूमि आवंटित की गई है उस पर निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू हो जाएगी।

केन्द्रीय मंत्री ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रहित में पेट्रोल-डीजल की बजत के आव्हान पर काफिला गाड़ियों को बंद कर ट्रेन, ई-रिक्शा व बस से यात्रा कर संकल्प पूरा किया। साथ ही लोगों से अनुरोध भी किया कि वह देश हित में पेट्रोल-डीजल की खपत को कम करें। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी डीईओ कौशल सिंह, तहसीलदार रमेश कोल, नौगांव नगर पालिका अध्यक्ष अनूप तिवारी, सीएमओ आर.एस अवस्थी, केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष रूसिया सहित पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह संतोष गंगेले सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व अधिकारीगण मौजूद रहे।

माचक नहर में जारी रहा धरना, प्रशासन का ध्यान नहीं

हरदा। माचक नहर टेल क्षेत्र में नहीं मिल रहा है किसानों को ग्रीष्मकालीन मूंग फसल के लिए पानी सारसूद, बावड़िया, जूनापानी, पड़वा, तारापुर, पहेट, छीपाबड़ के किसान धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान नेता शंकर सिंह सोलंकी ने बताया कि दूसरे दिन भी सतक जारी रहा धरना उसमे समर्थन देने के लिए कांग्रेस पार्टी के युवा नेता आशुतोष कोठारी, सुनील सचार, सिद्दीक खान, विक्रम राजपूत, शिवम राजपूत सहीत सुनील सेजगाय का समर्थन देने के लिए धरना स्थल पर पहुंचे । किसानों और अधिकारियों के बीच बैठकर कोई बात नहीं बन पाई। धरने में भूपेंद्र राजपूत, कैलाश सिंह कलाम, बलवंत सिंह कलाम, बबलू राजपूत, शिवशंकर राजपूत, शुभम निकुम पड़वा तारापुर, कृष्णा राजपूत, शिवदान सोलंकी, आनंद चौहान, लोकेश सोलंकी, राहुल राजपूत, सरदार राजपूत, कैलाश राजपूत, दीवान रामनाथ ठाकुर, रवि कलाम, वीरेंद्र कलाम आदि ने दूसरे दिन धरने में समर्थन दिया।

सहजपुर समिति द्वारा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के केसली में 50 किलो गेहूं पर 1 किलो अतिरिक्त की तौल

उपार्जन केंद्र एवं प्रशासनिक अधिकारी की मिलीभगत से चल रही किसानों के साथ खुली लूट,तय मानक की जांच की मांग

सत्ता सुधार ■ सागर

मध्य प्रदेश शासन द्वारा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की व्यवस्था की गई है। इसके लिए जिलेभर में विभिन्न उपार्जन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां शासन द्वारा निर्धारित नियमों और मानकों के अनुसार गेहूं की खरीदी की जानी है।

लेकिन सागर जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र केसली में संचालित एक उपार्जन केंद्र पर किसानों से निर्धारित मात्रा से अधिक गेहूं लेने का मामला सामने आए हैं, जिससे किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। जानकारी के अनुसार केसली क्षेत्र में सेवा सहकारी समिति सहजपुर द्वारा सनसेट वेयरहाउस मुहली में संचालित गेहूं उपार्जन केंद्र पर किसानों से प्रत्येक 50 किलो की बोरी में 1 किलो से अधिक अतिरिक्त गेहूं भरवाया जा रहा है। पत्रकारों की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किए जाने पर कई बोरियों का वजन 51 किलो 490 ग्राम से अधिक पाया गया। अधिकतम खाली जूट की बोरी का वजन 500 ग्राम होता है।

मौके पर मौजूद किसानों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि केंद्र पर अतिरिक्त गेहूं भरने के लिए कहा जाता है। हालांकि अधिकांश किसान खुलकर कुछ भी कहने से बचते नजर आए। एक किसान ने स्वीकार किया कि कुछ बोरियों में अधिक गेहूं लिया गया है।

शासन के नियम क्या कहते हैं

मध्य प्रदेश शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं। उपार्जन केंद्रों पर गेहूं की तौल निर्धारित मानकों के अनुसार ही की जानी चाहिए। शासन द्वारा बोरी, हम्माली, परिवहन तथा अन्य व्यवस्थाओं के लिए अलग से भुगतान किया जाता है।नियमों के अनुसार किसानों से खरीदी गई उपज की तौल पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए।निर्धारित वजन से अधिक उपज लेना नियम विरुद्ध माना जाता है।खरीदी केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक कांटे एवं तौल व्यवस्था प्रमाणित होना अनिवार्य है।किसानों के साथ किसी प्रकार की जबरन कटौती या अतिरिक्त तौल नहीं की जा सकती।खरीदी प्रक्रिया की निगरानी के लिए जिला प्रशासन द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं। इसके बावजूद यदि किसानों से प्रति क्विंटल अतिरिक्त गेहूं लिया जा रहा है, तो यह शासन की मंशा और निर्धारित प्रक्रिया दोनों पर सवाल खड़े करता है।

नोडल अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

प्रशासन द्वारा उपार्जन केंद्रों की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, लेकिन शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। इससे किसानों में यह चर्चा है कि कहीं न कहीं उपार्जन केंद्र संचालकों और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत के कारण यह स्थिति बनी हुई है। किसानों का कहना है कि जब शासन उपार्जन केंद्र संचालकों को प्रति क्विंटल भुगतान करता है और हम्माली का खर्च भी अलग से दिया जाता है, तब किसानों से अतिरिक्त गेहूं लेने का औचित्य समझ से परे है।मामले को लेकर किसानों एवं स्थानीय लोगों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि उपार्जन केंद्रों पर इसी प्रकार अतिरिक्त तौल के नाम पर किसानों से गेहूं लिया जाता रहा, तो समर्थन मूल्य योजना का उद्देश्य प्रभावित होगा और किसानों का भरोसा व्यवस्था से उठ जाएगा।अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और किसानों को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

वट सावित्री व्रत पूजन कर पति की लंबी आयु की कामना की

शनि अमावस्या पर शनि महाराज से ग्रह शांति हेतु पूजा अर्चना की गई

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

बीना में वट सावित्री व्रत और शनि जयंती का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। ब्रह्म मुहूर्त में राधे राधे प्रभात मंडल मां जागेश्वरी धाम से भव्य शोभा यात्रा प्रारंभ हुई जो थाने के पीछे से सर्वोदय चौक महावीर चौक से होती हुई रेलवे झांसी फाटक के पास स्थित शनि मंदिर पहुंची जहां पर शनि महाराज की पूजा अर्चना की गई एवं बट वृक्ष के नीचे महिलाओं ने पति की लंबी आयु की कामना की, शनि अमावस्या एवं बट सावित्री व्रत के उपलक्ष्य पर मंदिरों में भी विशेष पूजा की जा रही है। क्षेत्र के झांसी फाटक स्थित शनि मंदिर, बड़ा मंदिर स्थित शनि मंदिर, पीतांबरा शक्ति पीठ शनि आदि मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ है।

शनि जयंती पर पूजा करने से दूर हो जाती हैं परेशानी

आज शुभ योग में शनि जयंती का पर्व मनाया जा रहा है। शनि देव की कृपा और शनि दोष से मुक्ति के लिए शनि जयंती का पर्व बड़ा महत्व रखता है। शनि मंदिर के पुजारी पुजारी निखिल जोशी ने बताया कि शनिदेव का आशीर्वाद प्राप्त करने और शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या और महादशा से मुक्ति के लिए शनि जयंती की शाम को कुछ विशेष उपाय करने चाहिए। इन उपाय से ना सिर्फ आपको शनि दोष और आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलेगी, बल्कि शनिदेव की कृपा से जीवन में आ रही अड़चन भी दूर होगी। शनि जयंती की शाम को पीपल के पेड़ के नीचे पांच तिल या सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए और हाथ जोड़कर सात परिक्रमा भी करनी चाहिए। इसके बाद शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या से प्रभावित व्यक्ति हनुमान मंदिर में जाए और हनुमान जी के सामने चमेली के तेल का दीपक जलाकर सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करें। ऐसा करने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है और जीवन में चल रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी।वट सावित्री का व्रत प्रति वर्ष ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन सुबह से ही महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखकर वट के पेड़ की पूजा कर रही हैं। बीना, सहित ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं देवी सावित्री के पति प्रेम और पतिव्रत धर्म को स्मरण कर अखंड सौभाग्य के लिए प्रार्थना कर रही हैं।

कृषि रथ को मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने दिखाई हरी झंडी

सशक्त किसान बनेगा भारत की पहचान' : गोविंद सिंह राजपूत

सत्ता सुधार ■ सागर

किसानों को शासन की योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा विशेष कृषि रथ अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत 16 मई से 30 मई तक कृषि रथ ब्लॉक एवं गांव स्तर तक पहुंचकर किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों एवं कृषि विभाग की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। अभियान का शुभारंभ खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री राजपूत ने कृषि विभाग की टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'सशक्त किसान भारत की असली पहचान बनेगा। किसानों को योजनाओं की सही जानकारी मिलना बेहद जरूरी है, ताकि वे शासन की सुविधाओं का लाभ लेकर अपनी आय बढ़ा सकें।' उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर किसानों को जागरूक करें और उन्हें आधुनिक खेती, उन्नत बीज, सिंचाई योजनाओं तथा कृषि अनुदान संबंधी जानकारी दें।

खैरी वीर में राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी का हुआ आत्मीय स्वागत

ग्रामीणों ने पुष्पमाला एवं तिलक लगाकर किया सम्मान, विकास और जनसमस्याओं पर हुई चर्चा

देवरी(सागर)। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खैरी वीर में मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा धर्मेंद्र सिंह लोधी का ग्रामीणों द्वारा गर्मजोशी एवं आत्मीयता के साथ स्वागत किया गया ।राज्यमंत्री श्री लोधी ग्राम के सरपंच एवं लोधी क्षत्रिय महासभा ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश सिंह लोधी के निवास पहुंचे, जहां क्षेत्रवासियों ने पुष्पमाला पहनाकर एवं तिलक लगाकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, समाजसेवी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री लोधी ने उपस्थित लोगों से आत्मीय मुलाकात करते हुए क्षेत्र के विकास, जनसमस्याओं एवं सामाजिक गतिविधियों को लेकर चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा दिए गए स्नेह और आशीर्वाद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है ।ग्रामीणों ने भी मंत्री श्री लोधी के सरल स्वभाव एवं क्षेत्र के प्रति उनकी सक्रियता की सराहना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, अपनत्व और सौहार्द का माहौल देखने को मिला।

भूपेंद्र सिंह के जन्मदिवस पर विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

महापौर संगीता तिवारी सहित परिवारजनों एवं भाजपा नेताओं ने किया रक्तदान

सागर। पूर्व गृहमंत्री एवं खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर चार दिवसीय विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सागर की महापौर संगीता सुशील तिवारी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. सुशील तिवारी शामिल हुए। इस दौरान महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी ने स्वयं रक्तदान कर नागरिकों से भी इस सेवा अभियान से जुड़ने एवं अधिक से अधिक रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे जरूरतमंदों को नया जीवन मिलता है। कार्यक्रम में महापौर के सुपुत्र सूर्यांश तिवारी एवं भाजपा प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट रिशांक तिवारी ने भी रक्तदान कर मानव सेवा के इस अभियान में सहभागिता निभाई। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक कर अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ना रहा।

खुरई में कृषि रथ यात्रा शुरू, गांवों में दी जाएगी किसान कल्याण योजनाओं की जानकारी

खुरई(सागर)। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किए जाने के बाद, किसानों को सशक्त बनाने के लिए खुरई में कृषि रथ यात्रा का शुभारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंशानुरूप इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय दोगुनी करना, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देना और कृषि योजनाओं का लाभ सीधे गांव–गांव तक पहुंचाना है। खुरई मंडी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष जमना प्रसाद अहिरवार, कृषि समिति अध्यक्ष उपेन्द्र राजपूत और जनपद सदस्य समरथ अहिरवार सहित अधिकारी कर्मचारियो ने कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत में जाकर किसानों को शासन की ई–विकास प्रणाली, खाद वितरण, जैविक व प्राकृतिक खेती तथा मिट्टी परीक्षण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी देगा। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी राजू चौहान और आत्मा के बीटीएम पवन सिंह की उपस्थिति में विभागीय अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद रहे। यह रथ न केवल उन्नत कृषि तकनीकों का प्रचार करेगा, बल्कि गांवों में जाकर मौके पर ही किसानों की समस्याओं का निराकरण भी करेगा।

विधायक बृज बिहारी पटेरिया ने कृषक कृषि रथों को दिखाई हरी झंडी

आधुनिक कृषि तकनीकों और शासकीय योजनाओं की जानकारी गांव-गांव पहुंचाएंगे कृषि रथ

सत्ता सुधार ■ देवरी(सागर)

ग्राम पंचायत गौरझामर के फूल बाग परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान 'कृषक कल्याण वर्ष' के अंतर्गत कृषि जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर विधायक बृज बिहारी पटेरिया ने कृषि रथ वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, जनप्रतिनिधि एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। विधायक बृज बिहारी पटेरिया ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समृद्धि ही प्रदेश एवं राष्ट्र की प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि रवाना किए गए कृषि रथ गांव-गांव पहुंचकर किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, जैविक खेती, फसल संरक्षण, सिंचाई प्रबंधन तथा शासन की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी देंगे। इसके साथ ही किसानों को कृषि से जुड़ी नई पद्धतियों और वैज्ञानिक सलाह के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, अनुदान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि कृषि रथों के माध्यम से किसानों तक सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें समयानुकूल खेती अपनाने के लिए जागरूक किया जाएगा। विधायक ने सभी किसानों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर खेती को लाभकारी बनाने का आह्वान किया।

खुरई में दिनदहाड़े कृषि विस्तार अधिकारी के सूने घर से लाखों की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

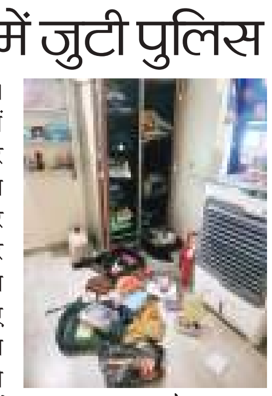

खुरई(सागर)। नगर में इन दिनों चोरियों की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला जगदीशपुरा स्थित आदर्श नगर कॉलोनी में सामने आया है, जहां शनिवार को दिनदहाड़े एक सूने मकान को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। चोरों ने कृषि विस्तार अधिकारी के घर का ताला तोड़कर नकद और जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित कृषि विस्तार अधिकारी महेंद्र सिंह जाटव ने बताया कि वह जगदीशपुरा के पास आदर्श नगर कॉलोनी में किराए के मकान में रहते हैं। शनिवार सुबह वह मकान का ताला लगाकर कृषि मंडी में रथ यात्रा के लिए गए थे। उनके परिवार के सदस्य भी गांव गए हुए थे, जिससे घर सूना था। दोपहर करीब 3 बजे जब वह वापस लौटे, तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर पहुंचे तो देखा कि अलमारी खुली हुई थी और सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर अलमारी में रखी सोने की चेन, दो अंगूठियां, झुमकी और करीब 1 लाख रुपये नगद लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने तुरंत घटना की सूचना खुरई शहर थाना पुलिस को दी और लिखित आवेदन देकर मामला कि जांच करने की मांग की। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी।

लापरवाही : खुरई में सड़क धंसने से फंसा शक्कर से भरा ट्रक

खुरई(सागर)। सागर रोड पर पूर्व विधायक निवास के सामने सीवर लाइन ठेकेदार की लापरवाही से एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। शनिवार सुबह करीब 8 बजे शक्कर की बोरियों से लदा एक ट्रक मोड़ते समय अचानक सड़क किनारे धंस गया। वजन अधिक होने के कारण ट्रक के दोनों अगले पहिए जमीन में समा गए, जिससे आवागमन बाधित रहा। स्थानीय निवासियों के अनुसार, सीवर लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे को मजदूरों ने ठीक से बंद नहीं किया था और उसी के ऊपर डामरीकरण कर दिया गया। चालक को इसका अंदाजा नहीं था। बाद में अन्य वाहनों में शक्कर खाली कराकर ट्रक को बाहर निकाला जा सका। लोगों ने आगे भी ऐसे हादसों की आशंका जताई है।

बाधा घाट के भगवान गणेश मंदिर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई वट सावित्री पूजा

सुहागिन महिलाओं ने किया वट वृक्ष पूजन, पति की लंबी आयु और परिवार की खुशहाली की कामना

देवरी(सागर)। देवरी के बाधा घाट स्थित भगवान गणेश मंदिर में शनिवार को वट सावित्री पूजा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई। सुबह से ही सुहागिन महिलाओं में पूजा को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। महिलाएं नए वस्त्रों और सोलह श्रृंगार में सजकर मंदिर परिसर पहुंचीं तथा वट वृक्ष के पास विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।पूजा के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर पवित्र धागा बांधा और अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि तथा परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर दिनभर भक्तिमय माहौल से गुंजायमान रहा।इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर भी सामूहिक कथा श्रवण एवं पूजा कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर माता सावित्री और सत्यवान की कथा सुनी तथा पारंपरिक मंगल गीत गाए। पूजा स्थलों पर बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था और उल्लास का वातावरण बना रहा।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वट सावित्री व्रत अखंड सौभाग्य, पति की लंबी आयु और वैवाहिक सुख का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि माता सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त किए थे। इसी कारण यह व्रत विशेष महत्व रखता है।

पहुंच मार्ग से कार्यक्रम स्थल तक कार्यकर्ताओं ने सजाया पूरा मार्ग, भाजपा के रंग में रंगा प्रशिक्षण परिसर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग आज से, सभी तैयारियां पूर्ण, जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने किया निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ सागर

भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ आज से होने जा रहा है। प्रशिक्षण वर्ग को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिएप्रशिक्षण वर्ग को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए

कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। मुख्य मार्ग से लेकर कार्यक्रम स्थल होटल हेरिटेज तक भाजपा के झंडे, बैनर एवं स्वागत द्वारों से पूरे मार्ग को सजाया गया है। पूरे परिसर को भाजपा के रंग में रंगते हुए कार्यकर्ताओं ने समूचे वातावरण को भाजपामय बना दिया है।

निरीक्षण के दौरान जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी एवं प्रशिक्षण वर्ग जिला प्रभारी वैभव कुकरेले ने आवास, भोजन, बैठक व्यवस्था, पंजीयन, स्वच्छता, सुरक्षा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से समय पर पहुंचकर प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने की अपील की।जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में प्रवेश हेतु पंजीयन प्रातः 9:00 बजे से प्रारंभ होगा। प्रातः 10:30 बजे प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं प्रातः 11:00 बजे दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रशिक्षण वर्ग का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा।इस अवसर पर प्रशिक्षण वर्ग टोली के जिला संयोजक मनीष चौबे, सहसंयोजक जगन्नाथ गुरैया एवं चैन सिंह ठाकुर, जिला महामंत्री चेतराम अहिरवार, विक्रम सोनी, शैलेंद्र श्रीवास्तव, आलोक केशरवानी, अमित बैसाखिया, नीरज यादव, शालीन सिंह, हेमंत पचौरी, भूपेंद्र नामदेव, बालकिशन सोनी, श्रीराम रिछारिया, हरिओम भट्ट, प्रणव कनौआ, खड़क सिंह, विशाल खटीक, देवेंद्र अहिरवार, नितिन सोनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

नीट पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस निकालेगी मशाल जुलूस आज

मुरैना। लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ हुए कथित खिलवाड़ एवं नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी मुरैना द्वारा आज 16 मई 2026 को शाम 7 बजे मशाल जुलूस निकाला जाएगा। यह कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी मुरैना के तत्वावधान में आयोजित यह मशाल जुलूस शहर कांग्रेस कार्यालय सदर बाजार से प्रारंभ होकर सदर बाजार मार्ग से होते हुए हनुमान चैराहा पर समाप्त होगा। कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ता एवं छात्र-युवा नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में हुई लापरवाही ने लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की मेहनत व विश्वास को आघात पहुंचाया है। उन्होंने विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करने तथा दोषियों को कठोर दंड देने की मांग की है। जिला कांग्रेस कमेटी ने आमजन, छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों से मशाल जुलूस में शामिल होकर अपना विरोध दर्ज कराने की अपील की है।

श्रीराम का जन्म होते ही कथा परिसर बना अयोध्या धाम

जौरा। श्रीराम कथा के दूसरे दिन कथा स्थल अग्रवाल धर्मशाला में अग्रसेन भक्त मंडल के तत्वाधान में अग्रवाल धर्मशाला में अयोध्या से पधारे कथावाचक श्री श्याम सुंदर दास जी ने जब कथा में भगवान श्रीराम के जन्म का प्रसंग सुनाया तो कथा स्थल श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। भगवान श्रीराम का जन्म होते ही कथा परिसर अयोध्या धाम बन गया। श्रद्धालु भए प्रकट कपाल दीन दयाला की ध्वनि पर भक्ति में डूब गए। श्रीराम कथा के दौरान श्यामसुंदर दास महाराज ने कहा कि अंतिम समय में भगवान को याद करने से मनुष्य के सब कष्ट दूर हो जाते हैं। इसलिए अंतिम समय में भगवान को याद करना चाहिए। महाराज जी का कहना था कि रामजी का चिंतन करो, गायन करो, सपने में ही राम जी के दर्शन हो जाएंगे। प्रभु के गुणगान से कष्ट दूर होते हैं प्रभु का आशीर्वाद भी मिलता है। कथा के दौरान श्रोताओं को कई प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में सुख और दुःख आते-जाते हैं लेकिन प्रभु का चिंतन करने से मनुष्य के संकट दूर हो जाते हैं। भगवान तो अनुभव की चीज है, सारा खेल आत्मा का है, श्रीराम से बड़ा कोई नहीं। इसलिए जीवन में श्रीराम नाम जपने से प्रभु की कृपा निश्चित रूप से आप पर बरसेगी।

श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना, जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी रहे मुस्तैद

शनिधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, 7 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शनिचरी अमावस्या के पावन अवसर पर शनिवार को मुरैना जिले के ग्राम ऐंती स्थित प्राचीन शनिधाम मंदिर में विशाल मेले का सुव्यवस्थित आयोजन सम्पन्न हुआ। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक तैयारियाँ की गई थीं। मेले में मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से आए लगभग 7 लाख श्रद्धालुओं ने भगवान श्री शनिदेव के दर्शन कर सुख, समृद्धि एवं शांति की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन द्वारा सुनियोजित एवं समुचित व्यवस्थाएँ की गईं।

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ एवं पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने रात्रि 12 बजे शनिधाम मंदिर पहुँचकर विधिवत तेलाभिषेक किया, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के द्वार खोले गए।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस एवं अन्य विभागों के अधिकारी लगातार मेले की व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग करते रहे। भीषण गर्मी को देखते हुए विभिन्न पॉइंट्स पर कूलर की व्यवस्था की गई, जिससे वातावरण को शीतल बनाए रखा जा सके। श्रद्धालुओं को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न स्थानों पर विशेष प्रबंध किए गए।

पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में सुरक्षा के व्यापक एवं सख्त इंतजाम किए गए। दो पालियों में लगभग 660 पुलिसकर्मियों तथा राजस्व विभाग के लगभग 700 कर्मचारियों की तैनाती की गई थी। मेले को 7 सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक सेक्टर में सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए। संभावित अग्निकांडों की रोकथाम के लिए विभिन्न स्थानों पर फायर ब्रिगेड की तैनाती सुनिश्चित की गई। सभी कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जिला अधिकारी एवं समाजसेवी मेला स्थल पर उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं का संचालन करते रहे। स्काउट एवं गाइड दल द्वारा बुजुर्ग श्रद्धालुओं को दर्शन कराने तथा सुरक्षित स्थान तक पहुँचाने में सराहनीय सहयोग प्रदान किया गया। मेले में श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर प्रसादी भण्डारों का आयोजन किया गया। सिरसा द्वारा लगातार 49वें वर्ष भण्डारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं, पुलिस बल एवं मेला व्यवस्था में लगे कर्मचारियों ने प्रसादी ग्रहण की।

स्नानागार की सुविधा

श्रद्धालुओं के लिए महिला एवं पुरुषों हेतु पृथक-पृथक स्नानागार बनाए गए, जिससे स्नान व्यवस्था सुगम एवं व्यवस्थित रही।

नाई ज़ोन की व्यवस्था

प्रशासन द्वारा स्थापित नाई ज़ोन में लगभग 300 नाइयों की व्यवस्था की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा प्राप्त हुई।

अवैध शराब बिक्री के विरोध में भीम आर्मी व जाटव महापंचायत का प्रदर्शन

कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले में बढ़ते अवैध शराब कारोबार के विरोध में शनिवार दोपहर भीम आर्मी एवं जाटव महापंचायत द्वारा संयुक्त रूप से पुरानी कलेक्ट्रेट परिसर पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। भीषण गर्मी के बीच बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर अवैध शराब कारोबार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

ज्ञापन में अजाक्स के प्रांतीय महासचिव राजवीर अग्निहोत्री, भीम आर्मी मुरैना अध्यक्ष रणवीर जाटव, जाटव महापंचायत के संस्थापक नीरज चंदसोरिया तथा पूर्व लोकसभा प्रत्याशी जबरसिंह दिनकर सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि जिले के लगभग प्रत्येक गांव, बस्ती और मोहल्ले में खुलेआम अवैध शराब की बिक्री हो रही है। कई क्षेत्रों में जहां मेडिकल स्टोर तक उपलब्ध नहीं हैं, वहां अवैध शराब की गुमटियां आसानी से संचालित हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध शराब बेचने वालों द्वारा पूरे जिले में अपराधियों का सिंडिकेट संचालित किया जा रहा है और दलित बस्तियों एवं गरीब मोहल्लों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है। विरोध करने वाले स्थानीय लोगों के साथ मारपीट, धमकी और अभद्र व्यवहार की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके चलते कई क्षेत्रों में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है। महिलाओं एवं युवतियों के साथ अश्लीलता और अभद्रता की घटनाओं में भी वृद्धि होने की बात कही गई।

संगठनों ने ज्ञापन में छैरा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई मौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बावजूद शराब माफियाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है। अवैध शराब युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रही है और समाज को अपराध की ओर धकेल रही है। भीम आर्मी एवं जाटव महापंचायत ने प्रशासन से मांग की कि गांवों, मोहल्लों और दलित बस्तियों में चल रहे अवैध शराब कारोबार को तत्काल बंद कराया जाए तथा शराब माफियाओं एवं उनके संरक्षणकर्ताओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब के ठिकानों को ध्वस्त करने और महिलाओं एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन के अगले चरण में कलेक्टर कार्यालय की घेराबंदी एवं तालाबंदी की जाएगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

आमपुरा में नाले से 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आमपुरा इलाके में शनिवार सुबह एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव नाले में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया। जानकारी के अनुसार मृतक का शव बसपा नेता कुलदीप सिकरवार के मकान के पास बने नाले में पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने नाले में शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक नशे की हालत में देर रात नाले में गिर गया होगा और बाहर नहीं निकल पाने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के गंभीर चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है तथा मृतक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।

सोशल मीडिया पर निष्क्रिय नेताओं को पद से हटाया जाए: राकेश सिंह

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश महासचिव राकेश सिंह परमार ने पार्टी संगठन और सोशल मीडिया की भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी अपने वीडियो संदेश में कहा कि वर्तमान समय में देश की जनता महंगाई और बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन मुख्यधारा का एक वर्ग सत्ता के प्रचार-प्रसार में लगा हुआ है। ऐसे समय में कांग्रेस के लिए सोशल मीडिया एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है, जहां पार्टी की विचारधारा और जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाना चाहिए। राकेश सिंह

परमार ने कहा कि कांग्रेस संगठन में जिम्मेदार पदों पर बैठे कई पदाधिकारी पार्टी की विचारधारा और जनहित के मुद्दों को सोशल मीडिया पर प्रभावी ढंग से नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई नेता राजनीतिक पोस्टों पर प्रतिक्रिया देना तो दूर, उन्हें लाइक तक नहीं करते। ऐसे निष्क्रिय नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियों से हटाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने और जनता के मुद्दों को उठाने के लिए कोई ठोस कार्ययोजना नहीं बनाई जा रही है। परमार ने आरोप लगाया कि कुछ पदाधिकारी पार्टी हाईकमान को वास्तविक स्थिति से अवगत कराने के बजाय गुमराह कर रहे हैं तथा व्यक्तिगत स्वार्थ में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस को मजबूत बनाना है तो संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी को जमीनी स्तर पर सक्रिय होना पड़ेगा और सोशल मीडिया के माध्यम से जनता तक पार्टी की आवाज पहुंचानी होगी।

अवैध रेत परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। शनिवार को अंबाह एवं सबलगढ़ पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरा चालक मौके से फरार हो गया। अंबाह थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बरबाई बम्बा के पास हरीशचन्द्रपुरा के निर्माणाधीन गेट से अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर चेकिंग लगाई और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर जांच की। जांच के दौरान ट्रॉली में अवैध रेत भरी मिली। पुलिस द्वारा चालक से रेत परिवहन के वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने करीब 7 लाख रुपये कीमत के ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 204/26 के तहत धारा 303(2), 317(5) बीएनएस, धारा 18(1) म.प्र. खनिज अवैध परिवहन एवं भंडारण निवारण अधिनियम 2006 तथा धारा

4/21 खान अधिनियम 1952 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर सबलगढ़ पुलिस ने रहूघाट क्षेत्र में चेकिंग के दौरान अवैध रेत परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली की तलाशी ली तो उसमें अवैध रूप से रेत भरी मिली। वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर पुलिस ने करीब 8.50 लाख रुपये कीमत के ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया। पुलिस ने बताया कि दोनों मामलों में आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग को सूचित कर दिया गया है, जहां जब्त वाहनों को राजसात किए जाने की प्रक्रिया की जाएगी।

जिलाबदर आरोपी आकाश उर्फ डन-डन गिरफ्तार, आदेश का उल्लंघन करने पर भेजा गया जेल

मुरैना। थाना कोतवाली पुलिस ने शनिवार को जिलाबदर आरोपी आकाश उर्फ डन–डन पुत्र पदम सिंह सिकरवार निवासी भरभूजा वाली गली, गोपालपुरा मुरैना को गिरफ्तार किया है। आरोपी को मुखबिर की सूचना पर हनुमान मंदिर के पास पुराने चुंगी नाका रोड से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मुरैना के आदेश पर आरोपी आकाश सिकरवार को पूर्व में जिला मुरैना सहित चार सीमावर्ती जिलों की सीमा से बाहर रहने के निर्देश दिए गए थे। थाना प्रभारी अमित भदौरिया के नेतृत्व में पुलिस द्वारा उसे राजस्थान के धौलपुर जिले की सीमा में छोड़ा गया था। इसके बावजूद आरोपी जिलाबदर आदेश का उल्लंघन करते हुए मुरैना जिले की सीमा में घूमता मिला।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संस्था डबास एज्यूकेशन सोसायटी पताः 23-25, भगत सिंह नगर एक्सटेंशन, एयरफोर्स रोड, ग्वालियर (म.प्र.) पंजीयन क्रमांक 8269 दिनांक 08.08.2003 द्वारा अपनी कृषि भूमि ग्राम रतवाई स्थित पटवारी हल्का नं. 66 नया, 117 मुरार, राजस्व निरीक्षक म0 7 सुपावली, विकासखण्ड मुरार, ग्वालियर (म.प्र.) सर्वे क्र. 1161-1159 कुल रकवा 0.470 है0 विक्रय की जा रही है। उक्त सम्पत्ति विक्रय हेतु किसी को कोई आपत्ति हो तो वह कार्यालय रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थायें, भोपाल खण्ड 'घ' प्रथम तल, विंध्यांचल भवन, भोपाल के समक्ष प्रकाशन तिथि से 10 दिवस के अन्दर लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं।

अध्यक्ष
डबास एज्यूकेशन सोसायटी
ग्वालियर (म.प्र.)

बस कंडक्टर पर चोरों से मिलीभगत के आरोप, यात्री का बैग हुआ गायब

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के कैलारस बस स्टैंड से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां बस में सफर कर रहे एक यात्री का बैग संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया। पीड़ित ने बस कंडक्टर पर चोरों से मिलीभगत होने का आरोप लगाया है। घटना के बाद यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर लगभग 12:30 बजे से 12:35 बजे के बीच कैलारस बस स्टैंड से मुरैना के लिए रवाना हुई एक निजी बस में यूनुस खान निवासी खेरा माधवगढ़ सफर कर रहे थे। बताया गया है कि उनके पास एक बैग था, जिसमें नगदी सहित जरूरी सामान रखा हुआ था। बस के शक्कर कारखाना क्षेत्र तक पहुंचने के दौरान उनका बैग अचानक गायब हो गया। पीड़ित यूनुस खान ने जब अपने बैग के संबंध में बस कंडक्टर से पूछताछ की, तो आरोप है कि कंडक्टर ने सहयोग करने के बजाय अभद्र व्यवहार किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कंडक्टर ने दादागिरी दिखाते हुए कहा कि ÷मेरा फोटो खींच ले, बस का फोटो खींच ले, पुलिस क्या कर

लेगी।÷

घटना के बाद यात्रियों में भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि यदि बसों में इस प्रकार चोरी की घटनाएं होती रहीं और जिम्मेदार लोग ही यात्रियों की मदद करने के बजाय दबाव बनाते रहे, तो आम नागरिकों का सार्वजनिक परिवहन से भरोसा उठ जाएगा। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि कुछ बसों में सक्रिय चोर गिरोह यात्रियों को निशाना बना रहे हैं और उन्हें अंदरूनी सहयोग भी मिल रहा है। हालांकि इस मामले में अभी तक बस मालिकों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यात्रियों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन एवं पुलिस से मांग की है कि बस स्टैंड और यात्री बसों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए, सीसीटीवी कैमरों की जांच कर दोषियों की पहचान की जाए तथा बस कर्मचारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए। फिलहाल मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और लोग बसों में सफर के दौरान अपने सामान को लेकर सतर्क रहने की बात कह रहे हैं।

जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन

मुरैना। जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतर्गत आयोजित मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टॉस के माध्यम से मैच का शुभारंभ कराया। समाजसेविका श्रीमती हेमा अग्रवाल ने बालक एवं बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बेटियां मुरैना जिले का नाम रोशन कर रही हैं और उनके विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बालिका खिलाड़ियों के खेल की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव द्वारा करुणा प्रिन्टर्स महाडिक् साहब के बाड़े के पास, निम्बालकर की गोठ नं. 2 कम्पू लश्कर, ग्वालियर से मुद्रित एवं सिद्धेश्वर नगर आईटीआई कॉलेज के पास झांसी से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। **मोबाईल न. 9893126900, 7869966100,** फोन- 0751-4922849, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22048 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट। **शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।**

उत्तर प्रदेश में जून और जुलाई के महीनों में आयोजित होने वाली कई बड़ी प्रतियोगी और भर्ती परीक्षाओं के मद्देनजर शिक्षा विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। परीक्षाओं के सुचारू और पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के जिला मुख्यालय छोड़ने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

राम मंदिर: ऐतिहासिक जानकारियों को अब निर्माणाधीन इंटरनेशनल रामकृष्ण म्यूजियम में स्थान दिया जाएगा

अयोध्या के रामकथा संग्रहालय में लगेंगी भगवान श्रीराम के पूर्वजों की प्रतिमाएं

प्रतिमाओं के स्वरूप को लेकर भी प्रबंधन कर रहा मंथन, 20 गैलरियों में से एक विशेष गैलरी 'सूर्यवंश' को समर्पित होगी

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

श्रीरामजन्भूमि परिसर में अब भगवान श्रीराम के पूर्वजों और इक्ष्वाकु वंश यानी सूर्यवंश की प्रतिमाएं स्थापित नहीं की जाएंगी। इन मूर्तियों और उनसे जुड़ी ऐतिहासिक जानकारियों को अब निर्माणाधीन इंटरनेशल रामकृष्ण म्यूजियम में स्थान दिया जाएगा। यहां श्रद्धालुओं को इक्ष्वाकु वंश के प्रतापी राजाओं की मूर्तियों के साथ उनकी वंशावली और गौरवशाली इतिहास की डिजिटल जानकारी भी मिलेगी। सूर्यवंश के लिए बनेगी विशेष गैलरी रामकथा संग्रहालय में तैयार हो रही 20 गैलरियों में से एक विशेष गैलरी सूर्यवंश को समर्पित होगी। श्री राम तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और संग्रहालय प्रशासन उन राजाओं के चयन में जुटा है, जिनकी कीर्ति, पराक्रम और धार्मिक योगदान आज भी जनमानस में जीवित हैं। साथ ही उनकी प्रतिमाओं के स्वरूप को लेकर भी मंथन चल रहा है। डिजिटल कियोस्क से मिलेगा सूर्यवंश का इतिहास रामकथा संग्रहालय के निदेशक डॉ. संदीप

कुमार सिंह ने बताया कि गैलरी में आधुनिक डिजिटल कियोस्क लगाए जाएंगे। इनके जरिए श्रद्धालु सूर्यवंशी राजाओं के इतिहास, उनके पराक्रम और धार्मिक परंपराओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इक्ष्वाकु वंश की वंशावली बेहद विस्तृत है, इसलिए सभी राजाओं को शामिल करना संभव नहीं होगा।

भारतीय संस्कृति में अमिट

हालांकि, उन प्रमुख विभूतियों को अवश्य स्थान दिया जाएगा जिनकी पहचान भारतीय संस्कृति में आज भी अमिट है। हरिश्चंद्र से भगीरथ तक की कथाएं होंगी प्रदर्शित गैलरी में सतयुग से लेकर त्रेता, द्वापर और कलियुग तक इक्ष्वाकु वंश की परंपरा को दर्शाया जाएगा। इसमें सत्य और धर्म के प्रतीक राजा हरिश्चंद्र धर्मपरायण सम्राट दिलीप, महाराज रघु और मां गंगा को पृथ्वी पर लाने वाले महाराज भगीरथ की कथाओं को प्रमुखता से शामिल किया जाएगा।

स्वर्ण वर्षा की प्रसिद्ध कथा

राजा दिलीप की नंदिनी गाय की सेवा, पुत्र रघु के जन्म और रघुवंश की स्थापना की कथा भी संग्रहालय का हिस्सा होगी। इसी रघुवंश की मर्यादा को भगवान राम ने रघुकुल रीति सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई कहकर अमर बनाया था। महाराज रघु की दानवीरता की कथा भी होगी शामिल संग्रहालय में महाराज रघु की दानवीरता से जुड़ी स्वर्ण वर्षा की प्रसिद्ध कथा भी प्रदर्शित की जाएगी।

रामलला का दर्शन करना मेरे लिए सौभाग्य की बात

- अयोध्या पहुंची भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर बोलीं
- राम दरबार को देखना दिव्य अनुभव बयां करना मुश्किल

इधर, बिहार की लोक गायिका और अलीनगर से भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर अयोध्या पहुंचीं। विधायक बनने के बाद उन्होंने रामलला के पहली बार दर्शन किए। उसके बाद सरयू की आरती में शामिल हुईं। उन्होंने इस दौरान मीडिया से भी बातचीत की। उन्होंने कहा-विधायक के रूप में यह उनकी पहली अयोध्या यात्रा थी, उनके लिए रामलला का दर्शन करना सौभाग्य की बात है। राम दरबार और पूरे परिसर को देखना एक दिव्य अनुभव रहा, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। पार्टी ने उन पर भरोसा किया वह उनके लिए बहुत बड़ी बात है। वह धार्मिक गानों की शूटिंग के लिए अयोध्या पहुंची हैं। अयोध्या के अनेक स्थानों पर उनके गीतों की शूटिंग होगी और वह बेहद जल्द उनके दर्शकों तक पहुंचेगी। मैथिली ठाकुर ने कहा-विधायक के रूप में यह उनकी पहली अयोध्या यात्रा थी, उनके लिए रामलला का दर्शन करना सौभाग्य की बात है। रामलला के बाद उन्होंने हनुमान गढ़ी और कनक भवन में भी विशेष पूजन किया।

काशी में 56 परिवार मां गंगा को लगाएंगे 50 भोग

- 11 घाटों पर 26 मई को होने वाली आरती में विशेष अनुष्ठान होंगे
- काशी विश्वनाथ मंदिर स्थित मां गंगा मंदिर में विशेष श्रृंगार होगा
- 12 राज्यों से लाई गई 5100 साड़ियां भी मां गंगा चढ़ाई जाएंगी

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

गंगा दशहरा 26 मई को है। इस दिन मां गंगा को 56 परिवार अपने घर में बनाए गए 56 व्यंजनों का भोग लगाएंगे। 12 राज्यों से लाई गई 5100 साड़ियां चढ़ाई जाएंगी। 501 लीटर दूध से मां गंगा का अभिषेक होगा। 84 घाटों पर मां गंगा का पूजन कर श्रद्धालु आरती उतारेंगे। 11 घाटों पर होने वाली आरती में विशेष अनुष्ठान होंगे। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर स्थित मां गंगा मंदिर में विशेष श्रृंगार होगा। ज्येष्ठमास शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को वृष लग्न में मां गंगा धरती पर प्रकट हुई थीं। इस तिथि पर गंगा स्नान, पूजन अर्चन का विशेष फल मिलता है। गंगा आरती की समितियां विशेष पूजा और आरती करेंगी। अस्सी घाट पर सुबह और शाम पूजा और आरती होगी। ब्रह्मराष्ट्र एकम विश्व महासंघ न्यास की ओर मां गंगा प्राकट्य उत्सव मनाया जाएगा। श्रीकठम पीठ के पीठाधीश्वर डॉ. सचिंद्रनाथ महाराज ने बताया कि मां गंगा का विधिवत पूजन होगा। चुनरी मनोरथ, छप्पन भोग और सम्मान होगा।

12 राज्य भेजेंगे साड़ियां

इस बार 56 परिवारों के घर पकवान बनाकर मां को भोग लगाया जाएगा। केरल, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, तेलंगाना सजित 12 राज्यों के श्रद्धालु मां गंगा को चढ़ाने के लिए साड़ियां भेजेंगे। काशी में रह रहे गुजराती, मराठी, राजस्थानी, सिंधी, मारवाड़ी, कायस्थ समाज की ओर से भी साड़ियां चढ़ाई जाएंगी।

11 लीटर दूध से मां गंगा का करेंगे अभिषेक

उन्होंने बताया कि 11 वैदिक ब्राह्मण 11 लीटर दूध से मां का अभिषेक करेंगे। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती में 501 लीटर दूध से अभिषेक होगा। मां गंगा को आरपार की माला चढ़ाई जाएगी। दशाश्वमेध घाट पर गंगा सेवा निधि, गंगोत्री सेवा समिति, अस्सी घाट, पंचगंगा घाट, ललिता घाट, नमो घाट आदि घाटों पर होने वाली आरती में विशेष पूजा होगी।

सोशल मीडिया पॉलिसी तोड़ने वाले पुलिसकर्मियों पर गिरेगी गाज

एडीजी अमिताभ यश ने जारी किए कार्रवाई के निर्देश

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सोशल मीडिया पर अनुचित और आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। जारी पत्र में कहा गया है कि सोशल मीडिया पॉलिसी-2023 लागू होने के बावजूद कई कर्मचारी अनुशासनहीन पोस्ट कर रहे हैं। इससे विभाग की छवि प्रभावित हो रही है। एडीजी कानून एवं व्यवस्था अमिताभ यश की ओर से जारी आदेश में सभी जिलों के एसपी, इकाई प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों को ऐसे मामलों की जांच कर दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यालय ने पुलिसकर्मियों को अपनी आधिकारिक पोस्ट, यूआरएल और अन्य जरूरी सूचनाएं सुरक्षित रखने को भी कहा है।

पुलिस की गरिमा को नुकसान

पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि सोशल मीडिया पर की गई अनुचित गतिविधियां न केवल सरकारी कार्य को प्रभावित करती हैं, बल्कि प्रदेश पुलिस की गरिमा और विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचाती हैं। पुलिस मुख्यालय ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 8 फरवरी 2023 को जारी सोशल मीडिया पॉलिसी का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

विधि-विधान से की पूजा, प्रदेश की खुशहाली की कामना

गोरखनाथ मंदिर पहुंचे केंद्रीय मंत्री, योगी ने किया अभिनंदन

दोनों नेताओं के बीच विकास से जुड़ी परियोजनाओं पर हुई चर्चा

सत्ता सुधार ■ गोरखपुर

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को गुरु गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया। गोरखनाथ मंदिर आगमन पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी ने उनका अभिनंदन किया। शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर पहुंचे केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने गुरु गोरखनाथ का दर्शन और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से पूजन किया। मंदिर में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने उन्हें शिवगोरक्ष नामाकृत अंगवस्त्र भेंट किया। वहीं केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यहां आकर एक अलग आत्मीयता का अनुभव हो रहा है। पूर्वी यूपी से विशेष जुड़ाव रहा है। काशी में भी विकास की नई गाथा का साक्षी बनने का सौभाग्य मिला। यूपी में जितनी तेजी से विकास हुआ है उतना दूसरे किसी प्रदेश में नहीं हुआ। 2017 से पहले सपा सरकार में मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना में काफी मेहनत की। इसके बाद भी 17 हजार से बढ़ नहीं पाए। इसके बाद तेजी से आंकड़े बढ़ने लगे। एक समय यूपी के लोग जनसंख्या और संभावनाओं के लिए बस जाने जाते थे। आज ये आधुनिकता और विकास के लिए जाना जा रहा है।

कानून व्यवस्था में भी व्यापक सुधार

पुरी ने कहा कि कानून व्यवस्था में भी व्यापक सुधार आया है। कानून व्यवस्था मजबूत होती है तो निवेश और उद्योग आते हैं। इससे रोजगार के भी अवसर उत्पन्न होते हैं। सुबह हमने इथेनॉल के प्रोजेक्ट की बात की। उस पर सीएम ने तुरंत कहा कि आप प्रपोजल दीजिए हम इसे आगे बढ़ाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूपी में बेहतर कनेक्टिविटी है। आज यूपी की ओर देश विदेश के निवेशक देख रहे हैं।

सेंट्रल मार्केट : 12वें दिन भी धरने पर डटी रहीं प्रभावित महिलाएं

विरोध में 'हमारी भूल, कमल का फूल' के लगाए नारे

एजेंसी ■ मेरठ

मेरठ के शास्त्री नगर सेक्टर-2 में महिलाओं का धरना शनिवार को 12वें दिन भी जारी रहा। तेज गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं धरना स्थल पर पहुंचीं और आवास विकास परिषद के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अपनी नाराजगी जताई। महिलाओं ने हमारी भूल, कमल का फूल के नारे लगाकर विरोध दर्ज कराया और सेटबैक वापस लेने की मांग दोहराई। धरना स्थल पर जुटीं महिलाओं का कहना है कि सेटबैक वापस लेने की मांग को लेकर पिछले कई माह से लगातार आवाज उठाई जा रही है, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। गर्मी के बावजूद महिलाएं लगातार धरने पर बैठकर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रही हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

108 बार किया राम नाम का जाप

धरने के दौरान महिलाओं ने सामूहिक रूप से 108 बार राम नाम का जाप भी किया। इसके माध्यम से उन्होंने अपनी मांगों के जल्द समाधान की प्रार्थना की और आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से जारी रखने का संकल्प जताया। महिलाओं का कहना है कि यह आंदोलन केवल उनके घरों और अधिकारों से जुड़ा है, इसलिए वे पीछे हटने वाली नहीं हैं।

सुभासपा जॉइन कर लीजिए, सीएम से झगड़ लूंगा पर आपको मंत्री बनवा दूंगा

लखनऊ। यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर पिछले कुछ समय से सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जुबानी हमले कर रहे हैं। एक दिन पहले अखिलेश यादव ने योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सवाल उठाए थे। इस पर ओमप्रकाश राजभर ने अपने एक्स हैंडल पर अवधी बोली में पोस्ट करते हुए अखिलेश पर पलटवार किया है। उन्होंने लिखा- सुभासपा जॉइन कर लीजिए, वह सीएम योगी से झगड़ा कर लेंगे, लेकिन आपको एक विभाग का मंत्री बनवा कर ही रहेंगे। राजभर ने शनिवार को पहले अवधी में पोस्ट लिखा- फिर नीचे हिंदी में भी वही बात लिखी।

आई लव यू पापा! बेटी ने पिता प्रतीक यादव को दी अंतिम विदाई... फूट-फूटकर रोईं अपर्णा

हरिद्वार में अस्थि विसर्जन के बीच भावुक

देहरादून। सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव की अस्थियां शनिवार को हरिद्वार में पूरे विधि-विधान से विसर्जित की गईं, लेकिन सबसे मार्मिक पल बेटी का अपने पिता के लिए वह अंतिम संदेश था। मां गंगा की लहरों के बीच बेटी के हाथ में एक कार्ड था, जिस पर लिखा था आई लव यू पापा। दिल के निशान वाला वह छोटा-सा कार्ड जब उसने अपने पिता प्रतीक यादव की अस्थियों के साथ गंगा में प्रवाहित किया, तो वीआईपी घाट पर मौजूद हर आंख नम हो गई। अस्थि विसर्जन के दौरान पत्नी अपर्णा यादव फूट-फूटकर रोईं। नम आंखों से अंतिम धार्मिक रस्में निभाईं। बेटी ने कलश को माथे लगाया। परिवार बेहद गमगीन नजर आया। अपर्णा यादव के पिता अरविंद बिष्ट और भाई अमन भी हरिद्वार पहुंचे थे। वीआईपी घाट पर अस्थियां विसर्जित की गईं। प्रतीक की अस्थियां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा में प्रवाहित की गईं। प्रतीक की पत्नी अपर्णा यादव, बेटियां प्रथमा और पद्मजा और उनके साथ शिवपाल यादव के सांसद बेटे आदित्य यादव भी थे।

मानसून के दौरान जनहानि शून्य और कृषि भूमि बचाने की कवायद

बाढ़ की निगरानी के लिए 18 मंडलों में होंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जलशक्ति विभाग मानसून के दौरान जनहानि शून्य करने और कृषि भूमि का नुकसान कम करने की कवायद में जुट गया है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना, नालों की सफाई, तटबंधों की सुरक्षा, बाढ़ सुरक्षा समितियों के गठन समेत तमाम उपाय किए जा रहे हैं। सभी 18 मंडलों में 31 मई तक एकीकृत बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करने की तैयारी है, जिन्हें एक जून से शुरू कर दिया जाएगा। ये कक्ष 15 अक्टूबर तक 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। जलस्तर की रियल टाइम निगरानी और आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई इनके जरिए कराई जाएगी। इस वर्ष रिकॉर्ड गति से कार्य करते हुए अबतक लगभग 4 हजार किमी लंबाई के तटबंधों को सुरक्षित किया गया है।

झटका रामपुर की कोर्ट ने दो साल कैद की सुनाई सजा और 20 हजार रुपए का लगाया जुर्माना

डीएम पर अभ्रद टिप्पणी में आजम खां दोषी

एजेंसी ■ रामपुर

सपा नेता आजम खां को तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर की कोर्ट ने दो साल की कैद और 20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया था। आरोप था कि चुनाव प्रचार के दौरान सपा नेता ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच के बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। तभी से अदालत में मामले की सुनवाई चल रही थी। शनिवार को कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद आजम खां को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा और 20 हजार जुर्माना अदा करने का आदेश दिया गया। उधर, सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में सुनाई गई सजा बढ़ाने को लेकर दायर अपील पर बचाव पक्ष की ओर से बहस शुरू हुई। बचाव पक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ने बहस की। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 मई की तारीख तय की है। सपा नेता अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने हाल ही में आजम खां और अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी।

अगली सुनवाई कल होगी

इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सजा के खिलाफ और अभियोजन पक्ष की ओर से सजा बढ़ाने को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है। एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान एडीजीसी सीमा राणा ने बताया कि सजा बढ़ाने से संबंधित अपील पर बचाव पक्ष की ओर से बहस शुरू कर दी गई है। उनकी बहस अभी पूरी नहीं हुई है। कोर्ट ने अगली सुनवाई 18 मई को निर्धारित की है।